नई दिल्ली। सोमवार, 28 सितम्बर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 263/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल स्क्वैश में अनाहत सिंह ने सिल्वर मेडल...
@ विचार राजनीतिक क्षेत्र में दूर की कोड़ी है लैंगिक समानता...
@ व्यापार भारत समुद्री बीमा पूल से कारोबारियों के लिए निर्बाध...

खबर झरोखा

जमशेदपुर के सड़क हादसे में चार की मौत



रांची। जमशेदपुर के मरीन ड्राइव में सड़क किनारे खड़े ट्रक से कार की टक्कर में चार युवाओं की मौत के बाद झारखंड सरकार ने सड़क किनारे वाहनों की पार्किंग के खिलाफ राज्यभर में अभियान चलाने का फैसला किया है। परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा ने रविवार को राज्यवासियों से मुख्य सड़कों और सहायक सड़कों पर वाहन पार्क नहीं करने की अपील की। उन्होंने सभी जिलों के उपायुक्तों से जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) और मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एमवीआई) की सेवाएं लेते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

एसआईआर विवाद पर सियासत तेज

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर दिए गए बयान का खंडन किया। उन्होंने कहा कि उनके शब्दों को समाज में फैलाना गलत संदेश देगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई अन्य नेताओं ने भी राहुल गांधी के शब्दों की निंदा की।

छात्रा से रेप का मामला : लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी का छात्र आंदोलन उग्र हुआ

एजेंसी ■ जालंधर

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) की छात्रा से रेप के दावे का बाद छात्रों का प्रदर्शन उग्र हो गया है। करीब 16 घंटे से छात्रों ने जालंधर-फागवाड़ा हाईवे को जाम कर रखा है। छात्रों को मौके से हटाने के लिए पुलिस की टीम पहुंची और प्रोटेस्ट कर रहे छात्रों को खदेड़ने के लिए लाठी चार्ज किया। गुस्साए छात्रों ने पत्थर मारना शुरू कर दिया। साथ ही पुलिस की कई गाड़ियों में आग लगा दी।

बता दें कि करीब 16 घंटे हाईवे बंद होने के बाद वहां पर माहौल एक बार फिर से तनावपूर्ण हो गया है। पत्थरबाजी में पुलिसकर्मी और मीडियाकर्मी घायल हो गए हैं। पुलिस की गाड़ियों में आगजनी के चलते धमाके हो रहे हैं और ऊपर तक धुआं उठ रहा है। स्टूडेंट का निरंतर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों को खदेड़ने के लिए पुलिस अब आंसू गैस के गोले लेकर पहुंची है।

पुलिस की गाड़ी में छात्रों ने लगाई आग



मौके पर भारी पुलिस बल तैनात- पुलिस ने अब मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स को बुलाया है। पास से भी पुलिस फोर्स मौके पर बुलाई है। अब एक जगह पर सारी पुलिस फोर्स को इकट्ठा करके और दोबारा से एलपीयू परिसर की ओर जाने की तैयारी की जा रही है।

संत बाबा बलबीर के काफिले को रोका

संत बाबा बलबीर सिंह के गाड़ियों के काफिले को भी पुलिस ने बर्गर किंग के सामने रुकवा दिया और आगे न जाने की हिदायत दी। इसके बाद बाबा संत बलबीर सिंह का काफिला भी पीछे मुड़ गया।

पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले

रात 09:25 बजे एक बार फिर माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्टूडेंट एलपीयू के गेट के बाहर से निकलकर फ्लाईओवर के ऊपर आना शुरू हो गए। पुलिस को वहां से पीछे हटना पड़ा। स्टूडेंट लगातार फ्लाईओवर के ऊपर आगे बढ़ रहे हैं। पुलिस ने आंसू गैस के दो गोले छोड़े।

पुलिस का गाड़ियों में आग लगाने के लिए पेट्रोल बम का इस्तेमाल

प्रदर्शनकारियों ने एलपीयू के अंदर भी बड़ी मात्रा में तोड़फोड़ की है। अंदर से भी कई जगह से धुआं उठता दिख रहा है। प्रदर्शनकारी लोहे की रोड लेकर घूम रहे हैं। पुलिस की गाड़ियों को जलाने के लिए पेट्रोल बम का इस्तेमाल किया है। यूनिवर्सिटी परिसर के अंदर से लगातार तोड़फोड़ की जा रही है।

'मन की बात' में पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ से मिजोरम तक की पहल को सराहा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में देश में कुपोषण के खिलाफ चल रहे जन-आंदोलन की जमकर तारीफ की। पीएम ने कहा कि सितंबर का महीना कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने और एक स्वस्थ व बेहतर पोषण वाले भारत के निर्माण के लिए समर्पित है। पूरे देश में कुपोषण से निपटने और पोषण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कई प्रेरणादायक पहल की जा रही हैं।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, 'सितंबर का ये महीना कुपोषण से लड़ाई को समर्पित है। पोषण माह में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोग और संस्थाएं इस नेक कार्य के लिए एक साथ आती हैं। छत्तीसगढ़ ने 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान शुरू किया है। इसमें लोगों को पौष्टिक मुनगा यानि मोरिंगा को अपने खान-पान में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मोरिंगा को पोषण का पावरहाउस माना जाता है।'



पीएम ने कहा, 'इसी तरह गुजरात ने भी एक अनोखी पहल की है और वांगी स्पर्धा यानि मिलेट्स से बने व्यंजनों का कॉम्पिटिशन शुरू किया है। इस पहल के जरिए सस्ते और पौष्टिक स्थानीय खान-पान को बढ़ावा दिया जा रहा है। अब तक दो लाख से ज्यादा लोग इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले चुके हैं। मोटे अनाजों को बढ़ावा देने की यह पहल पोषण के साथ-साथ किसानों को भी फायदा पहुंचा रही है।'

पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के प्रयासों को भी सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि वहां टीचर्स, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और बच्चों के माता-पिता एक साथ मिलकर जागरूकता अभियान से जुड़ रहे हैं। स्कूल और समुदाय का यह संगम कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को और मजबूत कर रहा है।

मिजोरम का उदाहरण देते हुए पीएम ने कहा, 'इस साल वहां लोगों ने साथ मिलकर पोषण वाटिकाओं की देखभाल के लिए एक अभियान शुरू किया है।

भारत ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

तिरुवनंतपुरम में कोहली का विस्फोटक शतक



एजेंसी ■ तिरुवनंतपुरम

भारत ने विराट कोहली और कप्तान शुभमन गिल की शतकीय पारियों के दम पर वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच में 8 विकेट से जीत हासिल की। ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित इस मुकाबले को अपने नाम करते हुए मेजबान देश ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 295 रन बनाए। जॉन कैंपबेल ने जस्टिन ग्रीव्स के साथ पहले विकेट के लिए 19.2 ओवरों में 135 रन की साझेदारी की। कैंपबेल 60 गेंदों में 3 छक्कों और 6 चौकों के साथ 62 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ग्रीव्स ने कीसी कार्टी के साथ दूसरे विकेट के लिए 41 रन जुटाकर टीम को 176 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

कार्टी वेस्टइंडीज के खाते में 13 रन जोड़कर आउट हुए, जिसके बाद टीम लड़खड़ा गई। आलम ये रहा कि 198 के स्कोर तक 5 खिलाड़ी पवेलियन लौट गए थे। इस बीच ग्रीव्स 108 गेंदों में 12 चौकों के साथ 101 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। यहां से आमिर जंगू ने 43 गेंदों में नाबाद 58 रन, जबकि रोस्टन चेज ने 24 रन की पारी खेलते हुए मेहमान टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। टीम इंडिया के लिए कुलदीप यादव ने सर्वाधिक 4 विकेट अपने नाम किए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट निकाले। नितीश रेड्डी को 1 विकेट हाथ लगा।

इसके जवाब में भारत ने 41.4 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान शुभमन गिल ने रोहित शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 12 ओवरों में 74 रन की साझेदारी की। रोहित 35 गेंदों में 3 छक्कों और 2 चौकों के साथ 32 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद विराट कोहली ने मोर्चा संभाला।

कोहली ने कप्तान के साथ दूसरे विकेट के लिए 132 गेंदों में 151 रन की साझेदारी करते हुए भारत को 225 के स्कोर तक पहुंचा दिया। गिल 108 गेंदों में 110 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 1 छक्का और 13 चौके शामिल रहे। कोहली 88 गेंदों में 9 छक्कों और 10 चौकों के साथ 139 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि गायकवाड़ ने 19 गेंदों में 13 रन की नाबाद पारी खेली।

'आप' से जुड़े युवक ने लगाया आरोप- मंत्री प्रवेश वर्मा ने मारा थप्पड़, कार्रवाई की मांग

एजेंसी ■ नई दिल्ली



दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा पर आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक जरनैल सिंह के साथ काम करने वाले साहिब सिंह ने थप्पड़ मारने का आरोप लगाया है। साहिब सिंह ने दावा किया कि निरीक्षण के दौरान मंत्री प्रवेश वर्मा ने उनके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और उन्हें थप्पड़ मारा। उन्होंने मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। दिल्ली के तिलकनगर में सड़क के निरीक्षण के दौरान यह घटना हुई।

आईएएनएस से बातचीत में साहिब सिंह ने घटना के बारे में बताया कि वह आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह के साथ समन्वय का काम करते हैं और उनके सोशल मीडिया अकाउंट को देखते हैं। उनके मुताबिक, मंत्री प्रवेश वर्मा इलाके में निरीक्षण के लिए आए थे। जब उन्हें जानकारी मिली कि मंत्री इलाके में निरीक्षण के लिए आ रहे हैं, तो उन्होंने सड़क की स्थिति दिखाने के लिए वहां मौजूद लोगों के साथ सड़क की खराब हालत उन्हें दिखाई।

साहिब सिंह के अनुसार, उस समय वह विधायक जरनैल सिंह के पेज पर घटना की लाइव स्ट्रीमिंग कर रहे थे।

साहिब सिंह ने आरोप लगाया कि चल रही लाइव स्ट्रीम को रोकने के लिए प्रवेश वर्मा ने मेरे हाथ से फोन छीन लिया। इसके बाद उन्होंने मुझ पर हाथ उठाया और मुझे थप्पड़ मारा। उनके सुरक्षाकर्मियों ने भी मुझे धक्का दिया और मेरे साथ मारपीट की।

साहिब सिंह ने बताया कि उन्होंने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री के साथ आए कुछ लोगों ने उन्हें धमकी भी दी। शिकायत में उन लोगों के नाम भी दिए गए हैं। अब आगे की कार्रवाई पुलिस पर निर्भर करती है। साहिब सिंह ने कहा कि प्रवेश वर्मा दिल्ली सरकार के मंत्री हैं, इसलिए उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

इस मामले में पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मंत्री प्रवेश वर्मा को गिरफ्तार किया जाए। मैं सोमवार को यहां जाऊंगा।

नेपाल में हिमस्खलनः हिमलुंग बेस कैंप से कई लोग लापता



एजेंसी ■ काठमांडू

नेपाल के मनांग जिले में माउंट हिमलुंग बेस कैंप पर रविवार को आए बर्फीले तूफान (हिमस्खलन) के बाद कई नेपाली एक्सपीडिशन गाइड और कर्मचारी लापता हैं। अभियान से जुड़ी कंपनियों ने यह जानकारी दी है। चढ़ाई शुरू करने से पहले ये लोग बेस कैंप में रस्सियां लगाने और टेंट लगाने के लिए मौजूद थे।

अभियान से जुड़े आयोजक कंपनी के जनरल मैनेजर बरुन भंडारी ने कहा, 'हमें जानकारी मिली है कि बर्फ खिसकने के बाद हमारे 6 से ज्यादा कर्मचारी लापता हैं, लेकिन हम इस संख्या की पुष्टि नहीं कर सकते क्योंकि रविवार सुबह अपने एक कर्मचारी से थोड़ी देर बात की थी, हालांकि इसके बाद उनसे संपर्क नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी के 20 से ज्यादा कर्मचारी बेस कैंप वाली टीम का हिस्सा थे। इसी तरह, एक और कंपनी ने भी पुष्टि की कि उसके कुछ कर्मचारी हिमस्खलन का शिकार हुए हैं, लेकिन उन्होंने संख्या नहीं बताई। 'काठमांडू पोस्ट' ने ट्रेकिंग अधिकारियों के हवाले से खबर दी है कि मनांग के नार फू इलाके में हिमलुंग हिमाल पर हिमस्खलन के बाद करीब 14 नेपाली लापता हैं। मनांग जिले के चीफ डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर मुक्ति प्रसाद खनल ने कहा कि लापता लोगों की संख्या की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है।

भारतीय आसमान में जुट रही हैं सात देशों की वायु सेनाएं, हवाई शक्ति का प्रदर्शन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत का आसमान अगले कई दिनों तक अलग-अलग देशों के सैन्य विमानों की गतिविधियों का गवाह बनेगा। यह गतिविधियों भारतीय वायुसेना के बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति 2026' के अंतर्गत होने जा रही हैं। 'तरंग शक्ति 2026' का उद्घाटन हो गया है। जोधपुर में इसका ऑपरेशनल चरण शुरू हो रहा है। इस चरण में विभिन्न देशों की वायु सेनाएं एक साथ प्रशिक्षण लेंगी और अपने अनुभव साझा करेंगी।

रविवार को भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने यहां विभिन्न वायु सेनाओं के बीच संयुक्तता, अंतर-संचालनीयता और सौहार्द को देखा। वहीं, फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल डोमिनिक टार्डिफ ने अभ्यास निदेशक एयर वाइस मार्शल राज ठाकुर के साथ वार्ता की। इस दौरान भारतीय वायुसेना और फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना के बीच मजबूत संबंधों और बढ़ते सहयोग की पुष्टि हुई।



12 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभ्यास में भारत के साथ सात मित्र देश ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका और बांग्लादेश हिस्सा ले रहे हैं। इन देशों की भागीदारी अभ्यास को खास बनाती है, क्योंकि इसमें लड़ाकू विमानों से लेकर सैन्य परिवहन और हवा में ईंधन भरने वाले विमानों तक की क्षमताएं एक मंच पर देखने को मिलेंगी।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस अभ्यास में शामिल विदेशी विमानों की सूची में एफ-35 लाइटनिंग द्वितीय, राफेल और एफ-16 जैसे लड़ाकू विमान शामिल हैं। इनके अलावा ए400एम, एमआरटीटी, सी-130, सी-130जे और केसी-30ए जैसे विमान भी हिस्सा ले रहे हैं। ये विमान अलग-अलग भूमिकाओं में काम करते हैं। कोई लड़ाकू अभियानों के लिए तैयार किया गया है, तो कोई सैनिकों और सैन्य सामग्री के परिवहन या हवा में दूसरे विमानों को ईंधन देने में सक्षम है। इस तरह तरंग शक्ति केवल विमानों की भागीदारी तक सीमित नहीं है। यह अलग-अलग क्षमताओं वाली वायुसेनाओं को साथ काम करने और अपने अनुभवों से एक-दूसरे को समझने का अवसर भी देता है।

दरअसल आधुनिक हवाई अभियानों में अलग-अलग देशों की सेनाओं के बीच तालमेल महत्वपूर्ण होता है। तरंग शक्ति के दौरान विमान चालक दल, अभियान की योजना बनाने वाले विशेषज्ञ और परिचालन सहायता से जुड़े कर्मी एक साथ काम करेंगे। उनका ध्यान आपसी तालमेल, हवाई सुरक्षा, परिचालन प्रक्रियाओं और अनुभवों के आदान-प्रदान पर रहेगा। इससे भाग लेने वाले देशों को एक-दूसरे की क्षमताओं, काम करने के तरीकों और परिचालन संबंधी सोच को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलेगा।

तीर तेवर — सागर कुमार



राहुल गांधी को चुनाव आयोग और देश से भी माफी मांगनी चाहिए : मुख्यमंत्री साय

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि लगभग सौ बार चुनाव हार चुके कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब बौखलाहट में लगातार देशद्रोही आचरण पर उतारू हो गए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुआई में कांग्रेस अब देश की तमाम संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने, लगातार झूठ और फरेब के राजनीति कर देश को बदनाम करने में जुटी हुई है। श्री साय रविवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश के मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त द्वय की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस से यह साबित हो गया है कि आयोग में मतभेद संबंधी कांग्रेस के तमाम दावे न केवल खोखले हैं, बल्कि जान-बूझ कर देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने और भारत की संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने की राहुल गांधी की सोची-समझी साजिश है। केंद्रीय चुनाव आयोग की संयुक्त प्रेस नोट से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है। यह फिर से साबित हो गया है कि कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ झूठ, सनसनी और भ्रम फैलाने का काम कर रही है। उसका झूठ फिर से बेनकाब हो गया है। श्री साय ने कहा कि अपने संयुक्त बयान में आयोग ने यह स्पष्ट किया है कि एसआईआर समेत सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए। भारत के चुनाव आयोग की दुनियाभर में साख है। उसकी निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाना विपक्ष की हताशा का प्रतीक है। कांग्रेस को ऐसी हरकतों से बाज आना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस संबंध में अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट भी कोरी कल्पना के अलावा कुछ नहीं है। समाचार में कैबिनेट सेक्रेटरी को लिखे जिस पत्र का जिक्र है, वह न तो किसी किसी नीतिगत विषय से संबंधित है, न ही एसआईआर से संबंधित। वह सामान्य प्रशासकीय विषय था। वैसे भी चुनाव आयोग सीधे राष्ट्रपति के प्रति जिम्मेदार है, इसलिए कैबिनेट सचिव को किसी नीतिगत मामले पर पत्र लिखने का कोई तुक ही नहीं है, न ही आयुक्तों ने ऐसा कोई पत्र लिखा है। श्री साय ने इस बात पर अफसोस जताया कि जिन विषयों को सुप्रीम कोर्ट तक सही ठहरा चुका है, उसके खिलाफ भी कांग्रेस झूठ फैला रही है। फॉर्म-6 के घोषणापत्र समेत अनेक विषयों पर सर्वोच्च न्यायालय से पहले ही पक्ष में निर्णय आ चुका है, फिर भी कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की नाकाम कोशिश करती रहती है। कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय तथ्यों का सम्मान करना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जब भी कांग्रेस जनता की अदालत में पराजित होती है, वह अपनी खीझ और हताशा निकालने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे आरोप मढ़ने लगती है। निर्वाचन आयोग के स्पष्ट और कड़े वक्तव्य ने विपक्ष के सभी झूठ और दुर्भावनापूर्ण प्रोपेगेंडा की हवा निकाल दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों डॉ. एस. एस. संधू एवं डॉ. विवेक जोशी ने शनिवार को बैठक कर एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी किया जिसमें यह स्पष्ट कर दिया गया है।

अटल पेंशन योजना का कवरेज बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान का आह्वान



विश्व केसरी■

रायपुर। वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंकों और बेहतर कार्य करने वाले अग्रणी जिला प्रबंधकों (एलडीएम) को सम्मानित किया गया। साथ ही, अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का कवरेज बढ़ाने के लिए जिलेवार जागरूकता अभियान चलाने, अधिकाधिक पात्र नागरिकों का नामांकन कराने और ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों में बैंक शाखाओं तथा ग्राहक सेवा केंद्रों (सीएसपी) की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया।

यह निर्णय रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय एपीवाई आउटरीच कार्यक्रम में लिया गया। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) और राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), छत्तीसगढ़ के संयुक्त आयोजन में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, जन-जागरूकता और नामांकन बढ़ाने पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में पीएफआरडीए के मुख्य महाप्रबंधक प्रवेश कुमार, एसएलबीसी छत्तीसगढ़ के संयोजक एवं उप महाप्रबंधक दीपक कुमार अभिषेक, सदस्य बैंकों के राज्य स्तरीय प्रमुख, एलडीएम और सीएसपी प्रतिनिधि शामिल हुए। अधिकारियों ने योजना की पात्रता, अंशदान और पेंशन लाभों की जानकारी जमीनी स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया।

कोटा में जुटेंगे पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय पदाधिकारी

छत्तीसगढ़ से 11 पदाधिकारी होंगे शामिल

विश्व केसरी■

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की राष्ट्रीय कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक 3 एवं 4 अक्टूबर 2026 को राजस्थान के कोटा में आयोजित होगी। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ से भी महासंघ के 11 पदाधिकारी इसमें भाग लेंगे।

बैठक का प्रथम दिन शनिवार 3 अक्टूबर को दिगंबर जैन मंदिर के पास संत निवास, महावीर नगर द्वितीय, कोटा में आयोजित होगा। बैठक की अध्यक्षता भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ. सी. एच. सुरेश, केरल करेंगे। इस दौरान विभिन्न राज्यों में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही अयोध्या में संपन्न राष्ट्रीय अधिवेशन की समीक्षा तथा आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन की तिथि, राज्य एवं स्थान निर्धारित करने पर विचार-विमर्श होगा। राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन के आयोजन को लेकर भी चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के दूसरे दिन रविवार 4 अक्टूबर को रामपुरा, कोटा स्थित सब्जी मंडी के पास गीता भवन में विशेष कार्यक्रम होगा। यहां अयोध्या राष्ट्रीय अधिवेशन के उपलक्ष्य पर भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कर-कमलों से किया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक संदीप शर्मा भी उपस्थित रहेंगे।

छत्तीसगढ़ से बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव के अगुवाई में श्रीमती द्रौपदी यादव (पत्थलगांव, जशपुर), बी. के. वर्मा, पी. आर. साहू (दुर्ग), जे. पी. मिश्रा, अनिल गोल्हानी, टी. पी. सिंह, बी. एस. दसमेर, एम. एन. पाठक (रायपुर), रामनारायण ताटी (जगदलपुर) तथा एस. सी. श्रीवास्तव (कांकेर) शामिल होंगे। प्रतिनिधिमंडल 1 अक्टूबर को भगत की कोठी से कोटा के लिए रवाना होगा।

महासंघ की ओर से जारी संयुक्त विज्ञप्ति में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ रायपुर संभाग के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सिन्हा एवं जिला रायपुर के अध्यक्ष आर. जी. बोहरे ने उक्त जानकारी दी।

बीटीआई ग्राउंड में संकल्प नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव की तैयारियों का भूमिपूजन



विश्व केसरी■

रायपुर। राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित बी.टी.आई. ग्राउंड में इस वर्ष संकल्प नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव समिति द्वारा भव्य नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों का शुभारंभ विधि.विधान एवं पूजा.अर्चना के साथ भूमिपूजन कर किया गया।

समिति के संयोजक एवं छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस उत्सव में मां दुर्गा की आराधना के साथ पारंपरिक रास गरबा का आयोजन किया जाएगा। भूमिपूजन के अवसर पर समिति के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

भूमिपूजन के साथ ही बी.टी.आई. ग्राउंड में होने वाले नवरात्रि उत्सव की तैयारियों का औपचारिक रूप से शुभारंभ हो गया है। आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित स्वरूप देने के लिए समिति द्वारा विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर कार्ययोजना तैयार की जा रही है। श्रद्धालुओं एवं गरबा प्रेमियों की सुविधाए कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाए सांस्कृतिक प्रस्तुतियों सहित अन्य आवश्यक तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस अवसर पर समिति के संयोजक संजय श्रीवास्तव ने कहा कि नवरात्रि हमारी सनातन संस्कृति और आस्था का महापर्व है। मां दुर्गा की आराधना हमें शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देती है।

रायपुर में मन की बात सुनने का गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉड बना

विश्व केसरी■

रायपुर। रायपुर जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात का 138 वा संस्करण सुना गया । जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर और महामंत्री गुंजन प्रजापति के नेतृत्व में रायपुर उत्तर विधानसभा के बूथ क्रमांक 56 में 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण कार्यक्रम जो कि मंडी मैदान देवेंद्र नगर में एक ही स्थान पर डिजिटल प्रसारण के लिए विशाल जनसमूह की उपस्थिति में सुना गया ।

इस ऐतिहासिक आयोजन को Golden Book of World Records द्वारा Largest Audience for a Digital Broadcast at a Single Venue के रूप में प्रमाणित किया गया । जो हम सभी रायपुर वासियों के लिए गौरव का विषय है।

तीन दिवसीय 'यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव' का शुभारंभ आज

राज्यपाल डेका करेंगे शुभारंभ, मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री भी रहेंगे मौजूद

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ के युवाओं में नवचार, उद्यमिता विकास एवं प्रौद्योगिकी के व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव 2026' का कल सोमवार 28 सितम्बर को राज्यपाल रमेन डेका शुभारंभ करेंगे। शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। इस अवसर पर कृषि विकास किसान कल्याण एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम तथा विधायक द्वय मोतीलाल साहू एवं अनुज शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि मंडपम में 28 से 30 सितम्बर तक 'छत्तीसगढ़ यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव 2026' का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसायटी तथा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के सहयोग से किया जा रहा है। यूथ कॉन्क्लेव के दौरान युवा नेतृत्व वाले उद्यमों और संस्थागत नवाचारों को प्रदर्शित करने वाली 'नवाचार एवं स्टार्टअप प्रदर्शनी' भी आयोजित की जाएगी तथा कॉन्क्लेव के दौरान आयोजित पिचिंग सत्र में शामिल शीर्ष तीन स्टार्टअप्स को क्रमशः एक लाख रूपये, पचहत्तर हजार रूपये तथा पचास हजार रूपये की राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रथम एवं एकमात्र बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर-केंद्रित सुभाष चंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर के नवनिर्मित भवन का शुभारंभ भी किया जाएगा। यूथ कॉन्क्लेव 2026 को लेकर छत्तीसगढ़ के युवाओं में जबरदस्त उत्साह है और अब तक 1200 से अधिक युवा छात्रों, नवाचारी उद्यमियों एवं स्टार्टअप के आकांक्षी युवाओं ने पंजीयन करा लिया है। यूथ कॉन्क्लेव में शामिल होने के इच्छुक युवाओं के लिए कल 28 सितम्बर को स्पॉट पंजीयन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

'यूथ कॉन्क्लेव 2026' नवाचार अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, स्टार्टअप एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय पहल है। कॉन्क्लेव के माध्यम से प्रदेश के युवाओं, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, नवाचारकर्ताओं, स्टार्टअप्स, उद्यमियों, निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों, इनक्यूबेटर्स, शिक्षाविदों तथा विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया जाएगा।

छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल एवं रायपुर डाक संभाग ने नरैया तालाब में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान



विश्व केसरी■

रायपुर। स्वच्छ भारत अभियान 6.0 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल एवं रायपुर डाक संभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज रायपुर के नरैया तालाब परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा नागरिकों को अपने आसपास के सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए प्रेरित करना था।

स्वच्छता अभियान में बंच ऑफ फुल एनजीओ की टीम ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। एनजीओ के स्वयंसेवकों ने डाक विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर श्रमदान किया तथा नरैया तालाब परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फैलाने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए लोगों को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर श्री एन. के. राजपाल, सहायक निदेशक, छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पत्नी पर चरित्र शंका, गुस्साए पति ने दो मासूम समेत पत्नी को मार डाला

विश्व केसरी■



रायपुर। रायपुर के माना थाना क्षेत्र में देर रात एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या से सनसनी फैल गई। डूमरतराई के साहू पारा में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी और दो नाबालिग बच्चों पर धारदार चाकू से हमला कर दिया। हमले में तीनों की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ने खुद पर भी चाकू से वार कर

पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान भुनेश्वर साहू उम्र 34 वर्ष के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बालोद जिले का रहने वाला बताया जा रहा है और डूमरतराई के साहू पारा में किराए के मकान में रह रहा था। शुरुआती जांच के मुताबिक देर रात विवाद के बाद उसने पहले अपनी पत्नी खिलेश्वरी साहू पर हमला किया।

10 और 8 साल के बच्चों की भी मौत

पुलिस के मुताबिक पत्नी पर हमला करने के बाद आरोपी ने अपने दोनों बच्चों को भी निशाना बनाया। मृत बच्चों की पहचान आशीष साहू उम्र 10 वर्ष और ज्ञान साहू उम्र 8 वर्ष के रूप में हुई है। धारदार हथियार से किए गए हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई।

वारदात के बाद खुद पर किया हमला

तीनों पर हमला करने के बाद आरोपी भुनेश्वर साहू ने खुद को भी चाकू मार लिया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सुबह पड़ोसियों को घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची माना थाना पुलिस ने आरोपी को घायल अवस्था में पाया और उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

अंबेडकर अस्पताल में आरोपी का इलाज जारी

पुलिस ने घायल आरोपी को उपचार के लिए रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में भर्ती कराया है। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। पुलिस की निगरानी में उसका उपचार कराया जा रहा है। वहीं मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

पत्नी के चरित्र पर शक की बात सामने आई

प्रारंभिक जांच में पत्नी के चरित्र पर शक को वारदात की वजह बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस ने अभी मामले के सभी पहलुओं की जांच पूरी नहीं की है।

बिश्नोई गैंग के नाम से धमकी, शोएब ढेबर को जमानत

विश्व केसरी■



रायपुर। रायपुर में कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से धमकी मिली है। इस मामले में पुलिस ने शराब कारोबारी अनवर ढेबर के बेटे शोएब ढेबर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां उन्हें जमानत मिल गई है। इसके अलावा बीजेपी नेता के भांजे टीनू भारद्वाज को भी थाने बुलाया गया था।

मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के लिए कुछ और युवकों को थाने बुलाया था। इससे पहले पुलिस ने जांजगीर-चांपा के एक युवक को गिरफ्तार किया था। आरोपी होटल में सिक्योरिटी गार्ड है।

आरोप है कि उससे लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर आनंद कुकरेजा को फोन करवाया गया था। 25 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई थी। आरोप है कि इंटरनेट कॉल करने के लिए शोएब ढेबर ने हॉटस्पॉट दिया था। इस मामले में जांच अभी जारी है।

पूछताछ के बाद पुलिस ने शोएब ढेबर को अरेस्ट किया, पूछताछ के बाद जमानत दे दी गई है। रविवार दोपहर आनंद कुकरेजा तेलीबांधा थाने पहुंचे। दोनों आरोपियों को पुलिस मेडिकल कराने अस्पताल लेकर गई है। कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा को बिश्नोई गैंग के नाम से धमकी दी गई थी। बीजेपी नेता के भांजे टीनू भारद्वाज को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था। बीजेपी नेता के भांजे टीनू भारद्वाज को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

पूछताछ में शोएब ढेबर का नाम सामने आया

दरअसल, पुलिस ने दिल्ली क्राइम ब्रांच की मदद से व्हाट्सऐप ट्रेस कर जांजगीर-चांपा निवासी युवक को पकड़ा। पूछताछ के दौरान शोएब ढेबर का नाम सामने आया। ऐसे में रायपुर पुलिस ने शनिवार रात शोएब ढेबर को हिरासत में लिया था।

जांच का दायरा बढ़ाते हुए पुलिस ने बीजेपी नेता के भांजे टीनू भारद्वाज को भी हिरासत में लिया। इसके अलावा पुलिस ने होटल के 3 कर्मचारियों को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि धमकी देने की साजिश में क्या शोएब ढेबर की कोई भूमिका थी। इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पूर्व महापौर से भी बिश्नोई गैंग के नाम पर 50 करोड़ मांगे गए हैं।

इससे पहले पूर्व महापौर से भी 50 करोड़ मांगे थे इससे पहले बिश्नोई गैंग और अमन साव गैंग के नाम से पूर्व महापौर एजाज ढेबर से भी 50 करोड़ रुपए की मांग की गई थी। इस मामले में एजाज ढेबर ने कोतवाली थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। पुलिस अब दोनों मामलों के बीच किसी तरह का कनेक्शन है या नहीं, इसकी भी जांच कर रही है। फिलहाल, पुलिस ने पूछताछ से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

वन विभाग के टीम ने वन्य प्राणियो के अवशेष पकडे

विश्व केसरी■

रायपुर। डब्ल्यूसीसीबी, डीआरआई, उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व (यूएसटीआर) और अलापल्ली वन डिवीजन की संयुक्त टीम ने महाराष्ट्र-तेलंगाना के पास जिमेला क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। 26 सितंबर को गुप्त सूचना के आधार पर इस कार्रवाई में छह बदमाशों को हिरासत में लिया गया।

कार्रवाई के दौरान टीम ने दो जीवित पैंगोलिन का पता लगाया, जिसमें एक मां और उसका नवजात बच्चा भी शामिल है, साथ में 43 बाघों की हड्डियां, दो बाघों के कुत्ते के दांत और तीन मोटरसाइकिलें भी शामिल हैं।

अधिकारियों के अनुसार, कथित तौर पर मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल अवैध रूप से पदार्थों के परिवहन में किया जा रहा था।

भारत और खाड़ी देशों में व्यापार समझौते पर हुई चर्चा, जयशंकर ने की जीसीसी महासचिव से मुलाकात

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) भारत-जीसीसी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के जरिए द्विपक्षीय व्यापार की पूरी क्षमता को खोलने पर काम कर रहे हैं। इस पर दोनों पक्षों के बीच पिछले सप्ताहांत न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर चर्चा हुई।

व्यापार वार्ता भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और खाड़ी देशों के अधिकारियों के बीच हुई, जिनमें सऊदी अरब के विदेश मामलों के राज्य मंत्री आदेल अल-जुबैर और जीसीसी के महासचिव जासेम मोहम्मद अलबुदैवी शामिल थे।

अरब न्यूज में छपे एक लेख के अनुसार, 2025-26 वित्तीय वर्ष में जीसीसी-भारत द्विपक्षीय व्यापार 178 अरब डॉलर से अधिक का था और खाड़ी क्षेत्र में लगभग 1 करोड़ भारतीय प्रवासी भी रहते हैं।

जीसीसी सचिवालय ने एक बयान में कहा, 'जीसीसी और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता शुरू होना आर्थिक और निवेश के दायरे को व्यापक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।'

बैठक के दौरान अलबुदैवी ने ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और डिजिटल परिवर्तन सहित विभिन्न क्षेत्रों में 'सहयोग को गहरा करने की अनिवार्यता पर भी जोर दिया।

भारत का पहले से ही ओमान और यूएई, जो दोनों जीसीसी के सदस्य हैं, के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) है। लेख में कहा गया है कि जीसीसी के साथ मुक्त व्यापार समझौते से दिल्ली को फायदा होने की संभावना है, जिससे भारतीय निर्यात के लिए बेहतर बाजार पहुंच, आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ गहरा एकीकरण और भारतीय सेवाओं व कुशल पेशेवरों के लिए अधिक अवसर मिलेंगे।

इसमें आगे कहा गया है कि जहां भारत के मशीनरी, कपड़ा, रत्न और आभूषण उद्योगों को पारंपरिक रूप से एफटीए से लाभ होता है, वहीं खाड़ी क्षेत्र के मामले में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों के साथ-साथ सेवा क्षेत्र जैसे अन्य क्षेत्रों को भी अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

जीसीसी भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार समूहों में से एक है। व्यक्तिगत देश के स्तर पर भी, यूएई तीसरे और सऊदी अरब भारत के वैश्विक व्यापारिक साझेदारों में पांचवें स्थान पर है। लेख में कहा गया है कि एफटीए से इस आर्थिक संबंध को और आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है।

अफगानिस्तान को भारत ने भेजी दवाएं और चिकित्सा सामग्री

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत ने हमेशा की तरह एक बार फिर जिम्मेदार पड़ोसी का फर्ज अदा करते हुए अफगानिस्तान को जरूरी जीवन रक्षक दवाएं और चिकित्सा सामग्री भेजी है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इस खेप के काबुल पहुंचने की जानकारी दी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इससे संबंधित एक बयान जारी किया। बताया कि अफगानिस्तान के लोगों के लिए भारत की मानवीय सहायता जारी है।उन्होंने आगे लिखा, 'भारत से एक और खेप काबुल पहुंच गई है, जिसमें शहर के सरकारी अस्पताल के लिए जीवन रक्षक दवाएं और मेडिकल सामग्री शामिल हैं। अफगान लोगों के लिए भारत की मानवीय सहायता में स्वास्थ्य सेवाएं हमेशा से अहम रही हैं।

भारत हमेशा से ही अफगानिस्तान को मेडिकल एड पहुंचाने में तत्पर रहा है। पिछले दो महीनों की ही बात करें तो भारत ने मानवीय सहायता के तहत अगस्त और सितंबर में अफगानिस्तान को आवश्यक दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों की महत्वपूर्ण खेप भेजी थी। 20 अगस्त को काबुल स्थित एक सरकारी अस्पताल को जीवन रक्षक दवाइयों और चिकित्सा सामग्रियों की खेप सौंपी गई थी। वहीं सितंबर के शुरुआती दिनों में मलेरिया, डेंगू और अन्य वेक्टर जनित रोगों से निपटने के लिए भारत ने 16 मीट्रिक टन से अधिक दवाओं और डायग्नोस्टिक किट्स की बड़ी खेप सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय को भेजी थी।

भारत हमेशा कहता रहा है कि इस मानवीय सहायता का मकसद अफगानिस्तान में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना, बीमारियों की रोकथाम करना और वहां के आम नागरिकों की मदद करना है।

ट्रक से टकराई मिनीबस, 11 की मौत और 8 घायल

विश्व केसरी■



जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु-नताल प्रांत में रविवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 8 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार मिनीबस और ट्रक की ये आमने-सामने की भिड़ंत थी।

'इंडिपेंडेंट ऑनलाइन' ने प्रांत के ट्रांसपोर्ट और ह्यूमन सेटलमेंट्स विभाग के हवाले से बताया कि यह हादसा स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 4 बजे (0200 जीएमटी) इनकोसी म्तुबातुबा म्युनिसिपैलिटी में एन2 हाईवे पर हुआ।

उत्तर की ओर जा रही एक मिनीबस टैक्सी विपरीत दिशा यानी दक्षिण की ओर आ रहे ट्रक से टकरा गई। धमाके सी आवाज सुनाई दी और इसके ही साथ वाहन में आग लग गई। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए (इनमें वो लोग भी हैं जो झुलस गए थे) और उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि रोड ट्रैफिक मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन पुलिस के साथ मिलकर हादसे की असल वजह का पता लगाएगा।

मिनीबस टैक्सी दक्षिण अफ्रीका में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के प्रमुख साधनों में से एक हैं, लेकिन अक्सर ये जानलेवा हादसों का कारण बन जाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि 13 सितंबर को दक्षिण अफ्रीका के वेस्टर्न केप प्रांत में एक सड़क हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा 13 सितंबर को स्थानीय समय के अनुसार रात करीब 11:30 बजे (2130 जीएमटी) प्रांत में प्रिंस अल्बर्ट और लीउ-गामका के बीच एन1 हाईवे पर हुआ। जिसमें दो मिनीबस टैक्सी और एक स्टेशन वैगन शामिल थीं। उस समय पुलिस प्रवक्ता क्रिस्टोफर स्पाइस ने 18 लोगों को मृत घोषित कर दिया था।

बंगाल सरकार गौमाता की रक्षा करेगी, संतों का अपमान करने वालों को जेल भेजेगीः सुवेंदु अधिकारी

विश्व केसरी■



कोलकाता, 27 सितंबर (आईएएनएस)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार गौमाता की रक्षा करेगी और साधुओं का अपमान करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी और उन्हें जेल भेजेगी।

कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में बांगुर जागरण मंच द्वारा आयोजित भगवद गीता पाठ कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में किसी भी संत या ऋषि का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया जब दुर्गा पूजा के दौरान बंगालियों की खान-पान की आदतों को लेकर संतों के धार्मिक बयानों को लेकर राज्य में राजनीतिक विवाद उभर रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी धर्म का पालन करने या उसका प्रचार करने में डरने की कोई बात नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि भगवद् गीता का पाठ करें और उसे बांटें, हनुमान चालीसा को नि:संकोच वितरित करें। हरे कृष्ण मंत्रों का जाप करें, शंख बजाएं, डरने की कोई बात नहीं है। हवा का रुख बदल गया है।

इसी दौरान मुख्यमंत्री अधिकारी ने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के संबंध में राज्य सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीका, शिखा, धोती, और तुलसी की सरकार आ गई है। गौमाता की रक्षा के लिए भाजपा की सरकार आ गई है। सरकार साधुओं का अपमान करने वालों को जेल भेजेगी। संतों और गुरुओं का अपमान यहां बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से विभाजनकारी शक्तियों के प्रति सतर्क रहने का भी आग्रह किया।

मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि हमें 'कश्मीर मांगे आजादी' के नारे लगाने वाले 'टुकड़े-टुकड़े' गिरोह के खिलाफ एकजुट और सतर्क रहना होगा।

इस कार्यक्रम में 11,000 लोगों ने एक साथ भगवद गीता का पाठ किया।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'मैं यहां पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक सनातनी के रूप में, माता भारती के बच्चे के रूप में आया हूं और आप सबके बीच बैठा हूं। पश्चिम बंगाल में आपने हाल ही में जो जागृति लाई है, उसके लिए मैं आप सभी का हार्दिक आभार व्यक्त करने आया हूं। उन्होंने बताया कि 29 दिसंबर को कोलकाता में दस लाख स्वरों द्वारा गीता पाठ का एक ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

समुद्र में पांच देशों के साथ भारत के सह्याद्रि व 'कुलिश' की अहम भागीदारी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। समुद्र में छह देशों की नौसेनाएं एक साथ उतरीं। एक साथ इन नौसेनाओं का आने का उद्देश्य समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करना रहा। इसी कड़ी में भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सह्याद्रि और आईएनएस कुलिश ने भी फिलीपींस के 'सुबिक बे' में आयोजित संयुक्त समुद्री सुरक्षा गतिविधि में हिस्सा लिया।

कई दिनों तक चली यह गतिविधि 21 सितंबर को शुरू हुई थी। इसका आयोजन 23वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस समुद्री सुरक्षा विशेषज्ञ कार्य समूह के तहत किया गया। फिलीपींस की नौसेना ने इसकी मेजबानी की। जापान ने सह-अध्यक्ष की भूमिका निभाई। यहां चार दिन तक अलग-अलग गतिविधियां चलीं। पहले बंदरगाह चरण में नौसैनिकों ने कई अहम विषयों पर विचार साझा किए। इनमें शांति और सुरक्षा, समुद्री संपर्क, वरिष्ठ नौसैनिक नेतृत्व और समुद्री पर्यावरण संरक्षण जैसे विषय शामिल थे। 22 सितंबर को भारतीय नौसैनिकों ने परिचालन तालमेल और मेज-अभ्यास में हिस्सा लिया।

नौसेना के मुताबिक इसके बाद समुद्री चरण की तैयारियां की गईं। इसी दौरान जाम्बालेस के शेफर्ड्स ऑफ द हिल सेंटर में सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम भी हुआ। फिर समुद्र में कई देशों के युद्धपोत एक साथ आगे बढ़े। इसमें भारत, फिलीपींस, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान और अमेरिका की नौसेनाएं शामिल थीं। समुद्र में कई तरह की परिस्थितियों का अभ्यास किया गया। खोज और बचाव से लेकर चिकित्सा निकासी तक। जल सर्वेक्षण से लेकर समुद्र में फंसे जहाज की मदद तक। यहां ऐसे विभिन्न समुद्री अभ्यास मिशन पूरे किए गए।

विमान को जहाज के डेक पर उतारने का अभ्यास भी हुआ। इन गतिविधियों के दौरान नौसेनाओं ने एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाकर काम किया। यही इस पूरी गतिविधि की खासियत थी।

यहां अलग-अलग देशों के जहाज, अलग-अलग नौसेनाएं मौजूद रहीं लेकिन सबका लक्ष्य समुद्र में एक साथ मिलकर काम करना रहा।

यूपी में अतिवृष्टि से 56 लोगों की मौत, 1,021 मकान क्षतिग्रस्त

विश्व केसरी■



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले 48 घंटे से जारी भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। अतिवृष्टि और आंधी-तूफान के कारण प्रदेश में अब तक 56 लोगों की मौत, 107 पशुहानि और 1,021 मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना है, जबकि 46 लोग घायल हुए हैं। स्थिति को देखते हुए प्रभावित जिलों में राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं।

राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने रविवार को प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों और अपर जिलाधिकारियों से संवाद कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित परिवारों की समस्याओं का त्वरित और संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाए तथा राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। राहत आयुक्त ने जिलाधिकारियों को प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद करने और व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याओं की जानकारी लेने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए और राहत एवं बचाव कार्यों के लिए समय-सीमा तय कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। राहत आयुक्त के मुताबिक, 25 सितंबर से 27 सितंबर की सुबह तक प्रदेश में 66.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि इस अवधि में सामान्य बारिश 7.6 मिलीमीटर होती है। इस तरह प्रदेश में बारिश सामान्य से 775 फीसदी अधिक दर्ज की गई। प्रदेश के 75 जिलों में से 56 जिलों में अत्यधिक बारिश दर्ज की गई है।

फर्रूखाबाद में सामान्य से 7,385 फीसदी, कन्नौज में 5,664 फीसदी, शाहजहांपुर में 4,408 फीसदी, हमीरपुर में 4,240 फीसदी और महोबा में 4,100 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई।पिछले 60 घंटों में अतिवृष्टि और आंधी-तूफान से हुई जनहानि में सीतापुर सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में रहा, जहां सात लोगों की मौत की सूचना है।

मेटटूर बांध के जलस्तर में आई गिरावट, सांबा धान की बुवाई के लिए पानी का इंतजार कर रहे डेल्टा के किसान

विश्व केसरी■



चेन्नई। तमिलनाडु के मेट्टूर बांध के जलस्तर में आई गिरावट के बाद रविवार को 80.52 फीट पर रह गया। सिंचाई के लिए पानी छोड़े जाने की मात्रा बांध में आने वाले पानी से कहीं ज्यादा है, जिससे कावेरी डेल्टा के किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसान अभी भी अपने खेतों में पर्याप्त पानी पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वे सांबा धान की बुवाई कर सकें।

रविवार सुबह 8 बजे बांध में पानी की आवक घटकर 1,488 क्यूसेक रह गई, जो पहले 1,636 क्यूसेक थी। वहीं डेल्टा में सिंचाई के लिए 12,400 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जो बांध में आ रहे पानी से आठ गुना से भी ज्यादा है। पानी की आवक कम और निकासी ज्यादा होने से बांध का जलस्तर 81.16 फीट से गिरकर 80.52 फीट पर आ गया है। बांध में कुल भंडारण 42.47 टीएमसी (हजार मिलियन क्यूबिक फीट) बचा है। ये आंकड़े दिखाते हैं कि मेट्टूर बांध पर कितना दबाव है, जो डेल्टा के बड़े हिस्से के लिए सिंचाई का मुख्य स्रोत है।

भले ही बांध से पानी छोड़ा जा रहा है, लेकिन किसानों का कहना है कि कई नहरों और आखिरी छोर के इलाकों तक अभी भी पर्याप्त पानी नहीं पहुंचा है। इस देरी की वजह से वे सांबा की खेती शुरू करने से हिचक रहे हैं, क्योंकि नई लगाई गई धान की फसल के लिए पानी की लगातार सप्लाई जरूरी होती है। इस साल मेट्टूर बांध को डेल्टा में सिंचाई के लिए 1 सितंबर को खोला गया था, जबकि आमतौर पर इसे 12 जून को खोला जाता है। इस बार जलस्तर कम होने की वजह से इसे देरी से खोला गया।ग्रैंड एनीकट से कावेरी, वेन्नार, ग्रैंड एनीकट नहर और कोल्लिडम सिस्टम में 6 सितंबर से पानी छोड़ा जाना शुरू हुआ था। इसके बावजूद डेल्टा के कई हिस्सों में किसानों का कहना है कि मेट्टूर बांध खुलने के लगभग चार हफ्ते बाद भी उनके खेतों तक पानी नहीं पहुंचा है।

देरी से खुलने के कारण जमीन तैयार करने, नर्सरी लगाने और धान की रोपाई के लिए मिलने वाला समय पहले ही कम हो गया है। जो किसान बिना पक्के पानी के खेती शुरू करते हैं।

भारत के रिन्यूएबल एनर्जी हब खावड़ा को मिला अपना पिन कोड

विश्व केसरी■



अहमदाबाद। भारत के रिन्यूएबल एनर्जी हब को एक अलग भौगोलिक पहचान देते हुए गुजरात के कच्छ स्थित खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क को अपना अलग डाक सूचकांक नंबर (पिन कोड) 370246 मिल गया है। इसके साथ ही यहां इंडिया पोस्ट का अपना डिलीवरी कार्यालय भी शुरू किया गया है।

खावड़ा पोस्ट ऑफिस में स्पीड पोस्ट, पार्सल बुकिंग और डिलीवरी, पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक की सुविधाएं और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की सेवाएं उपलब्ध होंगी। इनमें आधार-आधारित डिजिटल बैंकिंग भी शामिल है।

यह समर्पित डाक सुविधा ऐसे समय में शुरू की गई है, जब खावड़ा कच्छ के कम आबादी वाले इलाके से विकसित होकर एक बड़े रिन्यूएबल एनर्जी हब में बदल गया है। यहां कर्मचारियों की संख्या बढ़ रही है, आवासीय टाउनशिप विकसित हो रही हैं और सहायक बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। इससे पहले इलाके की डाक सेवाएं करीब 70 किलोमीटर दूर स्थित पोस्ट ऑफिस और कुरान ब्रांच पोस्ट ऑफिस के जरिए संचालित होती थीं।

रिन्यूएबल एनर्जी पार्क के विस्तार और यहां रहने तथा काम करने वाले लोगों की बढ़ती संख्या के साथ एक समर्पित डाक सुविधा की जरूरत महसूस की जा रही थी।

नया पिन कोड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क को एक अलग डाक पता देता है। इससे यह सीधे इंडिया पोस्ट के डिलीवरी नेटवर्क से जुड़ गया है और साइट पर मौजूद कारोबारों, कर्मचारियों और सेवा प्रदाताओं की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

संपादकीय

एससी/एसटी एक्ट 1989: सामाजिक न्याय और दुरुपयोग की बहस



डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में सामाजिक न्याय की बहस जितनी पुरानी है, उतनी ही संवेदनशील भी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विरुद्ध भेदभाव, सामाजिक अपमान और हिंसा की घटनाओं ने स्वतंत्र भारत के सामने लंबे समय से गंभीर चुनौती रखी है। इसी पृष्ठभूमि में एससी/एसटी एक्ट, 1989 अस्तित्व में आया। लेकिन तीन दशक से अधिक समय बाद यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि इस कानून ने अपने मूल उद्देश्य को किस सीमा तक पूरा किया है और क्या पीड़ितों की सुरक्षा के साथ निर्दोष व्यक्तियों के अधिकारों की पर्याप्त रक्षा हो रही है।

1989 में इस कानून को बनाने के पीछे तत्कालीन सरकार ने स्पष्ट कारण बताए थे। विधेयक के उद्देश्य और कारणों में कहा गया था कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग विभिन्न प्रकार के सामाजिक अपमान, हिंसा, भूमि से बेदखली, जबरन मजदूरी तथा अन्य अत्याचारों के प्रति संवेदनशील बने हुए थे। सरकार के अनुसार उस समय उपलब्ध नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 तथा सामान्य दंड कानून इन अपराधों को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं थे। इसी कारण एक विशेष कानून की आवश्यकता महसूस की गई। इसलिए उपलब्ध सरकारी अभिलेखों के आधार पर यह कहना उचित नहीं होगा कि एससी/एसटी एक्ट बिना किसी विशेष कारण अचानक बनाया गया था।

11 सितंबर 1989 को यह अधिनियम पारित हुआ और 30 जनवरी 1990 से लागू हुआ। इसका घोषित उद्देश्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के विरुद्ध अत्याचारों को रोकना, ऐसे मामलों के लिए विशेष न्यायालयों की व्यवस्था करना तथा पीड़ितों को राहत और पुनर्वास उपलब्ध कराना था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कमजोर वर्गों को कानूनी संरक्षण देना राज्य की जिम्मेदारी है और इस दृष्टि से इस कानून की आवश्यकता को समझा जा सकता है।

हालाँकि, कानून की आवश्यकता और उसके संभावित दुरुपयोग पर बहस दो अलग-अलग प्रश्न हैं। किसी भी कठोर कानून में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वास्तविक पीड़ित को तत्काल संरक्षण मिले, लेकिन किसी निर्दोष व्यक्ति को केवल आरोप लग जाने के कारण अन्याय का सामना न करना पड़े। एससी/एसटी एक्ट के कुछ प्रावधानों को लेकर समय-समय पर न्यायपालिका के सामने भी यही प्रश्न आया और गिरफ्तारी तथा प्रारंभिक जाँच की प्रक्रिया पर न्यायिक विचार हुआ। बाद में संसद ने कानून में संबंधित संशोधन भी किए।

इस कानून को लेकर एक आम धारणा यह भी है कि झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति को सरकार की ओर से पैसा, मकान या नौकरी देने का प्रावधान है। वास्तव में कानून और उसके नियमों में राहत एवं पुनर्वास की व्यवस्था अत्याचार के पीड़ितों के लिए है। इसे झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति के लिए पुरस्कार के रूप में प्रस्तुत करना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। इसलिए इस विषय पर बहस करते समय पीड़ित को मिलने वाली वैधानिक राहत और झूठी शिकायत के संभावित दुरुपयोग को अलग-अलग समझना आवश्यक है।

फिर भी यदि किसी कानून का उपयोग व्यक्तिगत दुश्मनी, संपत्ति विवाद, स्थानीय संघर्ष या अन्य दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाता है, तो ऐसी घटनाओं की निष्पक्ष जाँच आवश्यक है। किसी भी कानून का दुरुपयोग उसकी मूल भावना को कमजोर कर सकता है और समाज में कानून के प्रति अविश्वास पैदा कर सकता है। दूसरी ओर, केवल कुछ मामलों में दुरुपयोग की आशंका के आधार पर उन वास्तविक पीड़ितों की समस्याओं को नकारना भी उचित नहीं होगा जिनके लिए कानून बनाया गया है। इसलिए समाधान कानून को कमजोर करना नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन को अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना होना चाहिए।

एससी/एसटी एक्ट को लेकर राजनीतिक बहस भी लगातार होती रही है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि यह कानून राजीव गांधी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यकाल में बनाया गया था। लेकिन उपलब्ध आधिकारिक विधायी दस्तावेजों से यह निष्कर्ष निकालना कि कानून का उद्देश्य हिंदू समाज को तोड़ना या जातीय संघर्ष पैदा करना था, प्रमाणित नहीं होता। किसी राजनीतिक दल की मंशा पर निष्कर्ष निकालने के लिए उसके निर्णयों, दस्तावेजों और प्रमाणित ऐतिहासिक साक्ष्यों का अध्ययन आवश्यक है। राजनीतिक आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन आलोचना और प्रमाणित तथ्य के बीच अंतर बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

भारत का सामाजिक ढाँचा विविध और जटिल है। जाति आधारित भेदभाव का इतिहास वास्तविक है और उसे नकारकर सामाजिक न्याय की समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। लेकिन इसी के साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कानून किसी निर्दोष व्यक्ति के लिए भय का कारण न बने। सामाजिक न्याय का अर्थ किसी एक सामाजिक समूह के विरुद्ध दूसरे समूह को खड़ा करना नहीं हो सकता।

राजनीतिक क्षेत्र में दूर की कोड़ी है लैंगिक समानता



डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

विश्व आर्थिक मंच डब्बूईएफ द्वारा इसी 16 सितंबर, 2026 को जारी 20 वीं ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप रिपोर्ट 2026 से एक बात तो साफ हो गई है कि राजनीति में अभी तो सत्ता में महिलाओं की पुरुषों के समान भागीदार दूर की कोड़ी ही है। जेंडर गैप की हालिया रिपोर्ट में सबसे रौचक और चिंताजनक जानकारी यह सामने आई है कि संसद में भले ही महिलाओं की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत हो गई हो पर मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी केवल 5.9 प्रतिशत रह गई है। सबसे मजे की बात यह है कि 2019 की तुलना में मंत्रिमंडल में महिलाओं की उच्चतम स्तर 30 प्रतिशत की भागीदारी की तुलना में बहुत कम हो गई है। यह सब तो तब है जब केन्द्र सरकार 2023 में महिला आरक्षण बिल लेकर आई है। हांलाकि यह भी अभी तो राजनीति की भेंट ही चढ़ा हुआ है। यह इसलिए भी एलार्मिंग हो जाती है कि लैंगिक समानता की बात दुनिया के देशों द्वारा विभिन्न मंचों पर बढ़-चढ़ कर कितनी भी की जाएं परिणाम अभी तक अधिक सकारात्मक प्राप्त नहीं हुए हैं। आइसलैंड, फिनलैंड, नार्वे आदि अवश्य लैंगिक गैप को कम करने में कुछ हद तक सफल रहे हैं। निराश होने की बात इसलिए नहीं है कि शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में लैंगिक गैप में लगातार सुधार देखा जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी में सुधार देखा जा रहा है।

विश्व आर्थिक मंच या यों कहें कि वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की स्थापना 1971 में हुई और 2006 से डब्बूईएफ ने दुनिया के देशों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जेंडर लैंगिक गैप का सालाना सर्वे करना शुरु किया। 145 देशों में कराये गये हालिया सर्वे की रिपोर्ट में भारत की रेंक 131 वीं है। हांलाकि बीस सालों में रेंक में सुधार हुआ है। संस्था द्वारा जेंडर लैंगिक स्थिति का अध्ययन के लिए चार मानक बनाए हुए हैं। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य और सरवाइवल, आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं भागीदारी और राजनीति सशक्तिकरण चार ऐसे क्षेत्र है जिनके माध्यम से दुनिया के देशों में महिलाओं की वैश्विक स्थिति का अध्ययन किया जाता है। जहां तक भारत की बात है देखा जाएं तो जेंडर लैंगिक गैप की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल के क्षेत्र में भारत में स्थिति बेहतर है। शिक्षा के क्षेत्र में यह 96.6 प्रतिशत और स्वास्थ्य और उत्तरजीवितता में 95.6 प्रतिशत का आंकड़ा है। इसे निश्चित रुप से सकारात्मक माना जाता है। इसका साफ साफ अर्थ यह हो जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल क्षेत्र में लैंगिक गैप में सकारात्मकता है और महिलाओं और पुरुषों के बीच अंतर को लगभग पाट सा दिया है। जहां तक महिलाओं की आर्थिक क्षेत्र में भागीदारी की बात है तो इसमें समग्र रुप से 41.2 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। यानी अभी भी लैंगिक गैप का अंतर 50 फीसदी से भी अधिक बना हुआ है। हांलाकि आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में लगातार सुधार देखा जा रहा है। कुल कामकाजी महिलाओं की हिस्सेदारी 39.9 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 42 फीसदी हो गई है। आर्थिक मोर्चे पर लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है पर जिस तेजी से बढ़ोतरी होनी चाहिए थी या जिस तरह से लैंगिक गैप कम होना चाहिए था वह अभी नहीं हो पाया है।



तस्वीर का सबसे निराशाजनक पहलू राजनीतिक भागीदारी को लेकर हैं। खासतौर से मंत्रीमण्डल में तो महिलाओं की हिस्सेदारी में बहुत अधिक कमी देखने को मिल रही है। यह सब तो तब है जब सरकार राजनीति में महिला आरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने की पक्षधर है। एक बात जो सबसे महत्वपूर्ण है वह यह कि पिछले कुछ सालों के चुनावों पर नजर ड़ाली जाएं चाहे वे विधानसभाओं के हो या लोकसभा के सभी में मतदान से लेकर सरकार बनवाने में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। कम से कम आंकड़े तो यही कह रहे हैं। हांलाकि फ्री बीज जैसी लुभावनी योजनाओं में महिलाओं को अपने पक्ष में करने के वादे सभी राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में देखने को मिल जाएगा।

संतोष की बात यह है कि 145 देशों की समग्र ग्लोबल जेंडर गैप 2026 का जेंडर गैप पेरिटी स्कोर 69.2 प्रतिशत है जबकि भारत की 131 वीं रेंक होने के बावजूद इस रिपोर्ट में भारत का ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप पेरिटी स्कोर 64.5 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट के समग्र अध्ययन से यह साफ हो जाता है कि भारत के सामने सबसे अधिक चुनौती राजनीतिक स्तर पर गैप को कम करना है तो आर्थिक मोर्चे पर भी अभी बहुत कुछ किया जाना जरुरी हो गया है। देश में बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं जैसे अभियानों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पंचायतों, निकाओं आदि में महिलाओं के आरक्षण से राजनीति में जो भागीदारी देखी जा रही है वह संभव हो पाई हैं। निर्णय के स्तर पर भी महिलाएं अधिक स्वतंत्र हुई है और चुनाव नतीजे इस बात को पुष्ट भी करते हैं। अब महिलाएं अपने मताधिकार का प्रयोग स्वविवेक से करने लगी है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट में 93 प्रतिशत के स्कोर के साथ आइसलैंड भले ही शीर्ष पर हो पर दुनिया के अधिकांश इस दौड़ में अभी बहुत पीछे हैं। शत-प्रतिशत स्कोर की तो अभी कल्पना करना बेमानी ही होगा। पर सकारात्मक पक्ष यह है कि लैंगिक गैप में अब काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य का क्षेत्र इसका बड़ा उदाहरण है। आर्थिक मोर्चों पर भी महिलाओं की भागीदारी भले ही कम हो पर शीर्ष स्तर पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी देखी जा सकती है। इसलिए चुनौती अवश्य है पर हालात सकारात्मकता की और संकेत कर रहे हैं।

बेमौसम बरसात, पर्यावरण असंतुलन का परिणाम जलवायु असंतुलन के विभिन्न रूप



संजीव ठाकुर

जलवायु परिवर्तन का अर्थ केवल तापमान का बढ़ना नहीं है। तापमान बढ़ने के साथ वायुमंडल की नमी धारण करने की क्षमता भी बढ़ती है। अंतरराष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन पैनल के अनुसार, मानव गतिविधियों से बढ़ने वाली ग्रीनहाउस गैसों का वैश्विक स्तर पर भूमि क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा की तीव्रता बढ़ने में महत्वपूर्ण योगदान है। वैज्ञानिक आकलन यह भी बताते हैं कि तापमान में प्रत्येक एक डिग्री सेल्सियस वृद्धि के साथ वायुमंडल की अधिकतम नमी धारण क्षमता लगभग सात प्रतिशत बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप जब वर्षा होती है तो कम समय में अधिक पानी गिरने की संभावना बढ़ती है।

भारत जैसे विशाल और विविध जलवायु वाले देश में इसका प्रभाव और अधिक जटिल दिखाई देता है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार भारत की लगभग 80 प्रतिशत वार्षिक वर्षा दक्षिण-पश्चिम मानसून से जुड़ी होती है। मानसून के दौरान वर्षा का वितरण स्वाभाविक रूप से असमान रहता है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भारी वर्षा की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ने की चिंता व्यक्त की गई है। अत्यधिक वर्षा कुछ ही घंटों में स्थानीय बाढ़, शहरी जलभराव, भूस्खलन और कृषि तथा आधारभूत संरचनाओं को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

बेमौसम बरसात को केवल आसमान की अचानक बदलती हुई स्थिति समझना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे अनेक प्राकृतिक और मानवीय कारण एक साथ काम कर सकते हैं। वैश्विक तापमान में वृद्धि, समुद्र के तापमान में बदलाव, वायुमंडलीय परिसंचरण में परिवर्तन और स्थानीय स्तर पर भूमि उपयोग में बदलाव वर्षा के स्वरूप को प्रभावित कर सकते हैं। इसके साथ ही तेजी से बढ़ते शहर, कंक्रीट का विस्तार, जल निकासी क्षेत्रों पर अतिक्रमण, पेड़ों की कटाई और प्राकृतिक जलस्रोतों का विनाश वर्षा के पानी को जमीन में समाने से रोकते हैं। फलत: सामान्य वर्षा भी कई बार असामान्य संकट का रूप ले लेती है।

पर्यावरण के प्रति चेतना ही भविष्य की सुरक्षा

प्रकृति का अपना एक अनुशासन है। ऋतुओं का बदलना, बादलों का आना, वर्षा का होना, नदियों का बहना, पेड़ों का बढ़ना और हवाओं का चलना—ये सब पृथ्वी के उस प्राकृतिक संतुलन का हिस्सा हैं, जिसने करोड़ों वर्षों से जीवन को सुरक्षित रखा है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में मौसम के स्वभाव में जिस तरह के परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं, वे केवल संयोग नहीं माने जा सकते। कहीं बेमौसम बारिश हो रही है, कहीं अल्प समय में अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है, तो कहीं लंबे समय तक वर्षा का अभाव दिखाई देता है। गर्मी के दिनों में अचानक बारिश और मानसून के दौरान असामान्य वर्षा की घटनाएं अब सामान्य अनुभव का हिस्सा बनती जा रही हैं। यह स्थिति हमें चेतावनी देती है कि पर्यावरण के साथ मनुष्य के संबंधों पर गंभीरता से पुनर्विचार करने का समय आ गया है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 2025 की वैश्विक जलवायु रिपोर्ट बताती है कि 2015 से 2025 तक के ग्यारह वर्ष रिकॉर्ड पर सबसे गर्म ग्यारह वर्ष रहे। वर्ष 2025 वैश्विक स्तर पर दूसरा या तीसरा सबसे गर्म वर्ष रहा और उसका औसत तापमान 1850-1900 के औसत से लगभग 1.43 डिग्री सेल्सियस अधिक था।

बोध कथा

एकाग्रता का महत्व



वीर बहादुर एक सर्कस में काम करता था। वह खतरनाक शेर को भी कुछ ही समय में पालतू बना लेता था। एक दिन सर्कस में एक नौजवान आया। वह जानवरों के हाव-भाव और हरकतों पर रिसर्च कर रहा था। उसने वीर बहादुर से कहा, 'आपका बहुत नाम सुना है। खतरनाक शेर को भी पालतू कैसे बन लेते हैं आप?' वीर बहादुर ने मुस्कराते हुए कहा, 'देखो, यह कोई राज नहीं है। तुम बड़े सही मौके पर आए हो। आज ही मुझे एक खतरनाक शेर को पालतू बनाना है। वह कई लोगों को अपना शिकार बना चुका है। तुम मेरे साथ चलना और वहां खुद देखना कि मैं कैसे यह काम करता हूं।'

नौजवान ने देखा कि वीर बहादुर ने अपने साथ न कोई हथियार लिया और न ही बचाव के लिए कोई दूसरी चीज। उसने अपने साथ बस एक लकड़ी का स्टूल लिया है। वह हैरान था कि स्टूल से वीर बहादुर खतरनाक शेर को कैसे काबू कर लेगा। शेर जैसे ही वीर बहादुर की तरफ गरज कर लपकता, वह स्टूल के पायों को शेर की तरफ कर देता।

शेर स्टूल के चारों पायों पर अपना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता और असहाय हो जाता। ध्यान बंटने के कारण कुछ ही देर बाद शेर वीर बहादुर का पालतू बन गया। इसके बाद वीर बहादुर ने नौजवान से कहा, 'अक्सर ऐसा होता है कि एकाग्र व्यक्ति साधारण होने पर भी सफल हो जाता है, लेकिन असाधारण व्यक्ति भी ध्यान बंटने के कारण शेर की तरह पराजित हो जाता है।'

कविता

राजा के भीतर का रंक



अशोक परुथी 'मतवाला'

राजा ने एक दिन आईना
हटवा दिया
उसे अपना चेहरा नहीं,
अपनी कुर्सी दिखाई देती
थी।
दरबार में
सच बोलने की मनाही नहीं थी,
बस सच सुनने की
परंपरा समाप्त हो चुकी थी।
मंत्री रोज़ सुबह
राजा को बताते, 'प्रजा बहुत खुश है।'
राजा खिड़की खोलता,
बाहर से आती भूख की आवाज़ सुनता,
फिर खिड़की बंद कर देता।
भूख को आँकड़ों में बदल देना
राजकाज का पहला पाठ था।
नदी सूख रही थी,
लेकिन सरकारी काग़ज़ों में
उसमें नावें चल रही थीं।
किसान की हथेली में दरारें थीं,
राजधानी के भाषण में हरियाली।
बेरोज़गार युवक
डिग्री लेकर घूम रहा था,
और विज्ञापन बता रहे थे,
देश तरक्की कर रहा है।
राजा ने प्रजा से कहा,
'तुम्हें चुनने की आज़ादी है।'
प्रजा ने पूछा, 'क्या चुनें?'
राजा मुस्कुराया, 'जो मैंने तुम्हारे लिए
पहले ही चुन रखा है।'
तालियाँ बजीं,इतनी ज़ोर से
कि सवाल की आवाज़ दब गई।
फिर राजा ने
अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताई,
उसने जनता को जनता के ख़िलाफ़
खड़ा कर दिया था।

व्यंग्य केसरी

उत्तर बनाम दक्षिण आधुनिक..



रविन्द्र गिन्नौरे

रामबोला को प्रतिक्रियावादी बनते देख मित्रों ने टटोला। लल्लूराम तो रामबोला के लंगोटिया थे,उसने ने सीधा लपेट लिया और कहा, 'यार! तुम तो सर्वहारा के संरक्षक हो तो अब साँस्कृतिक राष्ट्र?वाद की ओर कैसे बहक रहे हो।'

रामबोला ने लल्लूराम की बात का जरा भी बुरा नहीं माना। फिर बड़ी गंभीरता से लल्लूराम की आँखों में झांकते हुए कहा, 'लल्लू! तूने चार्वाक दर्शन को नहीं पढ़ा है. महर्षि चार्वाक ने कहा है, 'यह मानुष तन बार-बार नहीं मिलने वाला है। खाओ पियो मौज करो। घी पियो क्योंकि घी से ताकत मिलती है। घी पीने के लिए ऋण भी लेना पड़े तो संकोच मत करो।'

वह सब तो ठीक है, मगर रामबोला तुम तो घी का नाम सुनते ही बिदक जाते थे। अब बुढ़ापे में घी की याद आई है। अभी घी पियोगे तो पचा सकोगे...? लल्लूराम ने कहा।

'यार ..! तुम लल्लू के लल्लू ही रहे। मेरी बातों के मर्म को समझो। चार्वाक के घी में अपनी बुद्धि को ना डुबाओ। सत्ता की नजदीकियों में जो सम्मान और यश मिलता है। मैं उस धी की बात कर रहा हूँ। हमारी जमात अंग्रेजों के जमाने से चनी आ रही है तब से आजाद भारत में भी हमने घी पीया है।'

'मैं समझ गया' रामबोला...। तो तुमने राष्ट्रवादी बनने की सीढ़ी तैयार कर ली। खैर..राजा महाराजा के जमाने से चारण भाटो का यही चरित्र था जो आज तुम्हारे उपर दिख रहा है।'

'क्या चारण, क्या भाट, जो आदमी देशकाल परिस्थिति के अनुसार अपना चरित्र बदल लेता है वही मलाई खाता है। कानून के रखवाले उसके इशारों पर चलते हैं। ज्यादा लाभ पाने वाले, कविता कवित्य के लालित्य से सत्ताधारी का यशोगान करते है। सदियों से यहीं चला आ रहा है। रुपैया की परिधि से कोई बाहर नहीं निकल सकता। ऐसे में मुझे चारण भाट कैसे कह रहे हो। यह तुम्हरी बड़ी भूल है.।'

'वाह भई, वाह ..!' रामबोला, 'तुम्हारा भी जवाब नहीं। तुम तो मुझे दक्षिण आधुनिक होते नज़र आ रहे हो।'

'दक्षिण आधुनिक..?' भला यह क्या है!' रामबोला ने पूछा.

यह तो तुम्हारा लगाया पेड़ है, भई। तुम्हारा 'उत्तर आधुनिक' जो खूब फला-फूला। उसके सुन्दर फूलों को नायिकाएं अपने गजरे में लगाती रहीं। उसके रसीले फलों तुम्हारे वालों ने बड़े चटखारे लेकर खूब खाया। राष्ट्रभक्ति करने वालों को तुमने उत्तर दिशा में ठेल दिया और दक्षिण में तुमने खूब दक्षिणा बटोरी। अब सत्ता के सुर-में-सुर मिलाने लगे, तो बन गये न तुम दक्षिण आधुनिक..!'

रामबोला का मुख खुला-का-खुला रह गया! लल्लूराम उस पर ऐसे प्रहार करेगा, उसने कभी सोचा भी नहीं था..!

इ मेल : ravindraginnore58@gmail.com

इतिहास

28 सितंबर का दिन भारतीय इतिहास में महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह और सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के जन्मदिवस के रूप में दर्ज है।

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं।1838: बहादुर शाह ज़फ़र अपने पिता की मृत्यु के बाद मुग़ल साम्राज्य के अंतिम सम्राट के रूप में सिंहासन पर बैठे।1887: चीन की ह्वांग-हो नदी में आई भयानक बाढ़ से लगभग 15 लाख लोगों की मौत हो गई थी।1928: अमेरिका ने चीन की च्यांग काई-शेक की सरकार को मान्यता दी।1950: इंडोनेशिया संयुक्त राष्ट्र का 60वां सदस्य देश बना।2004: विश्व बैंक ने भारत को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था घोषित किया। प्रसिद्ध व्यक्तियों के जन्म1907: महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी सरदार भगत सिंह का जन्म अविभाजित पंजाब के लायलपुर में हुआ था।

खरौद में बाढ़ से किसान प्रभावित 400 एकड़ खेती हुई जलमग्न

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण/खरौद (नीरज शर्मा)। महानदी के तट पर स्थित नगर पंचायत खरौद महानदी का जलस्तर बढ़ गया। इसका सबसे अधिक असर नगर के निचले इलाकों में देखने को मिला। शनिवार शाम वार्ड क्रमांक 13 की गलियों में करीब 5 फीट तक पानी भर गया और कई घरों में भी पानी घुसने लगा। स्थिति को देखते हुए प्रशासन एवं नगर पंचायत की टीम ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।



बाढ़ का पानी बढ़ने के बाद वार्ड क्रमांक 13 के करीब 18 घरों के लगभग 75 लोगों को सुरक्षित निकालकर खरौद स्थित रेस्ट हाउस में ठहराया गया। प्रभावित परिवारों के लिए भोजन, शुद्ध पेयजल एवं ठहरने की व्यवस्था की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रभावित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराईं।

कलेक्टर-एसपी ने लिया प्रभावित क्षेत्र का जायजा - बाढ़ की स्थिति की जानकारी मिलने पर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने खरौद के प्रभावित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रभावित परिवारों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली।

इस दौरान एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद यादव, उपाध्यक्ष महेश्वर यादव, पार्षदगण, नगर पंचायत एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को 24 घंटे अलर्ट रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जलस्तर घटा, प्रशासन सतर्क - राहत की बात यह है कि अब महानदी का जलस्तर करीब 3 फीट कम हो गया है। पानी कम होने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने लगी है। हालांकि निचले इलाकों में प्रशासन अभी भी सतर्क है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

तटबंध एवं पचरी निर्माण की मांग - महानदी के जल कटाव एवं प्रतिवर्ष होने वाली बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद यादव एवं उपाध्यक्ष महेश्वर यादव ने जांजगीर-चांपा प्रवास के दौरान मंत्री ओपी चौधरी को आवेदन सौंपकर खरौद में तटबंध एवं पचरी निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने की मांग की थी।

आवेदन में बताया गया कि छत्तीसगढ़ काशी के नाम से विख्यात लक्ष्मणेश्वर महादेव की नगरी खरौद महानदी के तट पर स्थित है। बारिश एवं नदी का जलस्तर बढ़ने के दौरान तटवर्ती क्षेत्रों में जल कटाव और बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। तटबंध निर्माण होने से नगर के निचले इलाकों को बाढ़ एवं कटाव से सुरक्षा मिल सकेगी, वहीं पचरी निर्माण से नदी तट का व्यवस्थित विकास होने के साथ लोगों के आवागमन की सुविधा भी बेहतर होगी। हालिया बाढ़ की स्थिति ने एक बार फिर महानदी तट पर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता को सामने ला दिया है। नगरवासियों को उम्मीद है कि तटबंध एवं पचरी निर्माण की स्वीकृति मिलने से भविष्य में बढ़ते जलस्तर और जल कटाव से तटीय क्षेत्रों को राहत मिलेगी।

गंगरेल बांध के गेट खुलने से महानदी का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन अलर्ट



विश्व केसरी■

सक्ती/बरमकेल (ईश्वर लोधी)। सक्ती जिले के ग्राम बरेकेल क्षेत्र से होकर गुजरने वाली महानदी में इन दिनों जलस्तर बढ़ने से नदी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। गंगरेल बांध के सभी गेट खोले जाने के बाद महानदी में पानी का प्रवाह तेज हो गया है, जिससे नदी किनारे बसे गांवों में बाढ़ की आशंका बढ़ गई है।

स्थिति को देखते हुए सक्ती जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। जिन गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने की आशंका है, वहां ग्रामीणों को पहले से ही सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कवायद शुरू कर दी गई है। प्रशासन की ओर से ग्रामीणों को नदी-नालों के किनारे जाने तथा किसी भी प्रकार की आवाजाही से बचने की सख्त हिदायत दी जा रही है।

बताया जा रहा है कि महानदी में पानी का बहाव काफी तेज है और जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसके चलते हसौद से सरसीवां जाने वाला मार्ग, जो परसदा के पास नदी को पार करता है, पूरी तरह बाधित हो गया है। मार्ग पर आवागमन रोक दिया गया है, जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं, पुलिस प्रशासन भी संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रहा है। नदी और बाढ़ प्रभावित मार्गों पर पुलिस जवानों की तैनाती कर लोगों को सुरक्षित रहने की समझाइश दी जा रही है। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा लोगों से अपील की गई है कि वे प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और बाढ़ के पानी अथवा नदी-नालों के समीप जाने से बचें।

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे विधायक लखेश्वर बघेल

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतिम छोर की ग्राम पंचायत भैंसगांव में लगातार बारिश से बने बाढ़ के हालात के बीच छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष एवं बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों के बीच पहुंचे।



उफनती नदी के को पार कर गांव पहुंचे विधायक बघेल ने गली-गली जाकर प्रभावित परिवारों का हाल जाना और भोजन, राशन, आवागमन सहित जरूरी सुविधाओं की जानकारी ली इस दौरान ग्रामीणों ने राशन नहीं मिलने की समस्या उनके सामने रखी ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए विधायक बघेल ने तत्काल संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा की और पुजारीपारा, मांझीपारा एवं मनापारा में राशन सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बाढ़ जैसी आपदा की घड़ी में किसी भी परिवार को भोजन और राशन के लिए परेशान नहीं होना चाहिए। विधायक बघेल ने प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने और जरूरतमंद परिवारों तक तत्काल राहत पहुंचाने को कहा। बघेल ने कहा कि संकट की इस घड़ी में बस्तर के बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़े रहना और उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान कराना ही मेरी प्राथमिकता है। इस दौरान मानसिंह कवासी, बैद्यनाथ मौर्य, चैतराम कश्यप, मदन बघेल, सुकुलधर बघेल, सुखचंद, चमरू राम, बुदरू बघेल, राजेश कुमार, जितेंद्र तिवारी, नीतीश कश्यप, जयमन, रमेश, मनधर, भोला, लैखन, फूलदास, रैतु, सोनू, सचिव धनसिंह, सहित ग्रामवासी एवं कार्यकर्त्ता, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नशामुक्त समाज के संकल्प के साथ तीसरे दिन भी जारी रही विधायक पुरन्दर मिश्रा की जनजागरण पदयात्रा

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। नशामुक्त समाज के निर्माण के संकल्प के साथ उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा के नेतृत्व में नशामुक्ति अभियान के तीसरे दिवस जनजागरण पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा के दौरान विभिन्न महापुरुषों एवं शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया तथा आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया।

पदयात्रा का शुभारंभ डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक से हुआ। विधायक पुरन्दर मिश्रा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

इसके बाद पदयात्रा शास्त्री चौक पहुंची, जहां भारत के पूर्व प्रधानमंत्री



भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पदयात्रा आगे बढ़ते हुए जयस्तंभ चौक पहुंची, जहां शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा शहीदों के सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित की गई।

इसके पश्चात पदयात्रा शारदा चौक पहुंची, जहां नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। सभा के माध्यम से बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों को नशे से होने वाले सामाजिक, पारिवारिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही आमजन से नशामुक्त जीवन अपनाने और वृक्षारोपण के लिए आगे आने का आह्वान किया गया।

'मन की बात' में भी नशामुक्ति के संदेश का उल्लेख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के आज प्रसारित संस्करण में भी नशामुक्ति के संदेश का उल्लेख किया गया। इस अवसर पर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए चलाया जा रहा जनजागरण अभियान प्रधानमंत्री जी के स्वस्थ, सशक्त और जागरूक समाज के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक प्रयास है।

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा— जरूरत से ज्यादा किसी भी चीज का उपयोग नशे का रूप ले सकता है

नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि नशा केवल शराब, तंबाकू या मादक पदार्थों तक सीमित नहीं है। इंसान जिस भी चीज का उपयोग जरूरत से ज्यादा करने लगता है, वह नशे का रूप ले सकती है। इसलिए हमें अपनी आदतों पर नियंत्रण रखते हुए स्वयं भी नशे से दूर रहना है और अपने परिवार तथा आने वाली पीढ़ी को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण प्रत्येक परिवार और प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। विशेषकर बच्चों और युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें शिक्षा, खेल, संस्कार और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना आवश्यक है।

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद ने राहत सामग्री का वितरण किया

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ की विभीषिका के बीच अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद जगदलपुर की टीम ने सेवा और मानवीय संवेदनाओं की एक अनूठी मिसाल पेश की है। परिषद की टीम ने लगातार तीन दिनों तक क्षेत्र के विभिन्न राहत शिविरों का सघन दौरा कर बाढ़ प्रभावित परिवारों तक सीधी राहत पहुँचाई है।



परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भगतसिंह स्कूल, पंचपथ चौक स्कूल, हाटकचोरा हाई स्कूल और राधा कृष्ण मंदिर स्थित राहत शिविरों का दौरा किया। इस दौरान टीम द्वारा पीड़ितों को चाय, ब्रेड, बिस्किट, मिक्चर सहित अन्य आवश्यक खाद्य सामग्रियां वितरित की गईं। राहत सामग्री वितरण के साथ-साथ अधिवक्ताओं ने आपदा की इस कठिन घड़ी में प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उन्हें ढाढस बंधाया। टीम ने पीड़ितों को आश्वस्त किया कि परिषद किसी भी प्रकार की कानूनी या आपात स्थिति में 24 घंटे सहायता के लिए पूरी तरह मुस्तैद और उपलब्ध है, जिससे शिविरों में रह रहे लोगों का मनोबल काफी बढ़ा है।

शिवरीनारायण आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 10 में अतिथि भोज का कार्यक्रम हुआ

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। राष्ट्रीय पोषण माह सेवा संकल्प अभियान के तहत शिवरीनारायण आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 10 में आंगन मिलन सेवा अंतर्गत अतिथि भोज (नेवता भोज) का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संयुक्त रूप से क्रमांक 6 , क्रमांक 9 शामिल हुवे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकेश शुक्ल (शि. ना. मण्डल अध्यक्ष) अध्यक्षता सरला केशरवानी वार्ड पार्षद विशिष्ट अतिथि संदीप यादव एल्डरमेन एवं मीनाक्षी सोनी(भाजपा नेत्री) तथा डॉ रूपेश वैष्णव महतारी वंदन महिला राधा आदित्य मितानिन



सुपरवाइजर श्यामलता बंजारे रहे कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा भारत माता का छायाचित्र पर द्वीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं को श्रीफल और पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथि लोकेश शुक्ला ने कहा कि देश में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा कुपोषण के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर पोषण माह का कार्यक्रम बच्चों तथा गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है।

टापू पर फंसे परिवार के 3 सदस्यों को सुरक्षित निकाला गया

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर ग्राम कोटरी के एक परिवार के तीन सदस्यों को जिला प्रशासन, पुलिस बल और नगर सेना की संयुक्त टीम ने कन्हर नदी की तेज धार के बीच से सुरक्षित बचा लिया। परिवार बलरामपुर से खरीददारी कर घर लौटते समय शॉर्टकट रास्ते से कन्हर नदी पार कर रहा था। इसी दौरान ऊपर से अचानक बाढ़ का पानी आता देख वे घबराहट में नदी के बीच एक टापू पर फँस गए। पुलिस कंट्रोल रूम बलरामपुर को शाम 6:30 बजे घटना की



सूचना मिली। जिला प्रशासन की निगरानी में पुलिस बल और नगर सेना की टीम तुरंत मौके पर पहुँची और बचाव अभियान शुरू किया। नदी का बहाव बेहद तेज होने के बावजूद टीम कड़ी मशक्कत के बाद मोटरबोट से फँसे परिवार तक पहुँची। रात करीब 11:45 बजे तक चले इस अभियान में सरजू राम (60 वर्ष), राजकुमारी (55 वर्ष) और फूलमनिया (35 वर्ष) को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

'छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग' - दसवां प्रांतीय सम्मेलन का समापन

आंचलिक बोलियों और डिजिटल युग की संभावनाओं पर दो दिनों तक हुआ व्यापक विमर्श

विश्व केसरी■

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। 'माटी के भाखा मा हृदय के स्पंदन बसे रहिथे, अउ जे भाषा अपन पुरखा मन ला सुरता रखथे, ओखर संस्कृति सदा अमर रहिथे।' इसी भाषाई और सांस्कृतिक चेतना को केंद्र में रखते हुए छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग का 10वां प्रांतीय सम्मेलन 26-27 सितंबर 2026 को बेमेतरा स्थित होटल द किंग्स महल में संपन्न हुआ। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य, लोक-अभिव्यक्ति, आंचलिक बोलियों, शब्दकोश निर्माण तथा बदलते डिजिटल परिवेश में क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन पर व्यापक अकादमिक एवं साहित्यिक विमर्श हुआ।

इस दो दिवसीय सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से 500 से अधिक साहित्यकारों, भाषाविदों, कवियों और शोधार्थियों ने सहभागिता की। सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में छत्तीसगढ़ के पुरोधा साहित्यकारों के योगदान, भाषाई विरासत, आंचलिक अभिव्यक्तियों और समकालीन तकनीकी माध्यमों के संदर्भ में भाषा के भविष्य पर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम का औपचारिक एवं सांस्कृतिक शुभारंभ नागरिक अभिनंदन तथा पारंपरिक आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने सम्मेलन को बेमेतरा जिले के लिए महत्वपूर्ण साहित्यिक एवं भाषाई आयोजन बताया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार सी.पी. तिवारी, श्याम कश्यप 'बेचैन' और मयाराम नेताम , बी पी मिश्र अनाम को राज्य स्तरीय नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया।

पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल ने वरिष्ठ साहित्यकारों के योगदान को रेखांकित किया, जबकि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने भाषा एवं साहित्य के अकादमिक तथा दीर्घकालिक विकास के लिए शासन-प्रशासन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मुख्य अतिथि, दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, ने पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे, डॉ. खूबचंद



बघेल तथा पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान का स्मरण किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ी भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए संसद में प्रयास जारी रखने की बात कही। अपने संबोधन के समापन पर उन्होंने जनकवि लक्ष्मण मस्तूरिया की रचना 'मोर संग चलव रे' की संगीतमय प्रस्तुति दी।

भाषा और तकनीक का समकालीन संवाद - सम्मेलन के एक तकनीकी सत्र में एआई आधारित 'छत्तीसगढ़ राजभाषा गीत एवं गान' का प्रदर्शन किया गया। इस प्रस्तुति के माध्यम से क्षेत्रीय भाषाओं के डिजिटलीकरण, दस्तावेजीकरण और नई तकनीकी माध्यमों द्वारा व्यापक प्रसार की संभावनाओं पर चर्चा हुई। प्रस्तुति से जुड़े डॉ. अंकुर शुक्ला (अंकुर विनोद 'खावर') ने एआई तकनीक के माध्यम से तैयार रचनाओं को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हुए क्षेत्रीय भाषाओं के डिजिटल भविष्य पर विचार रखा।

सम्मेलन में एआई को किसी एक व्यक्ति-केंद्रित उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि भाषाई संरक्षण और डिजिटल अभिलेखीकरण के उभरते माध्यम के रूप में चर्चा का विषय बनाया गया। विद्वानों ने इस बात पर विचार किया कि तकनीक का उपयोग स्थानीय शब्द-संपदा, लोकभाषाओं, साहित्य और मौखिक परंपराओं के दस्तावेजीकरण के लिए किस प्रकार किया जा सकता है।

'पुरखा के सुरता': साहित्यिक विरासत का पुनर्पाठ - सम्मेलन के दूसरे दिन आयोजित 'पुरखा के सुरता' सत्र में छत्तीसगढ़ के प्रमुख साहित्यकारों और उनकी साहित्यिक-सांस्कृतिक विरासत पर केंद्रित चर्चा की अध्यक्षता वरिष्ठ भाषाविद् डॉ. चितरंजन कर ने की और संचालन राघवेंद्र दुबे ने किया।

सत्र में अरुण कुमार निगम ने जनकवि कोदूराम 'दलित' के काव्य एवं जीवन-दर्शन, शशि दुबे ने पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे की कृतियों तथा डॉ. परदेशी राम वर्मा एवं डूमन लाल ध्रुव ने छत्तीसगढ़ के राजगीत के रचयिता डॉ. नरेंद्र देव वर्मा पर एवं छत्तीसगढ़ राज भाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्र ने हरि ठाकुर के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक योगदान पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए। छठवें सत्र में प्रादेशिक बोलियों एवं आंचलिक अभिव्यक्तियों पर विमर्श हुआ। में शकुंतला तरार ने सहभागिता की और हल्बी भाषा में वक्तव्य प्रस्तुत किया, जिसके माध्यम से बस्तर की विशिष्ट भाषाई एवं सांस्कृतिक परंपरा को मंच पर अभिव्यक्ति मिली। सरगुजा से आए श्रीश मिश्र ने सरगुजिहा और छत्तीसगढ़ी के परस्पर साम्य की बात कही, डाक्टर इशा बेला लकड़ा ने कुड़ुख पर वक्तव्य प्रस्तुत किया , अध्यक्षता बलदाऊ राम साहू ने की।

भारत समुद्री बीमा पूल से कारोबारियों के लिए निर्बाध युद्ध-जोखिम बीमा हुआ सुनिश्चित

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिरता और युद्ध से समुद्री व्यापार को बढ़ते जोखिमों के बीच भारत समुद्री बीमा पूल (बीएमआईपी) निर्णायक साबित हुआ है। इसने भारतीय समुद्री पक्षकारों के लिए निर्बाध युद्ध-जोखिम बीमा सुनिश्चित किया है। वहीं, पश्चिम एशिया में टकराव के बाद से युद्ध-जोखिम बीमा प्रीमियम में लगभग 35 से 40 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह जानकारी रविवार को जारी सरकारी फैक्टशीट में दी गई।



सरकारी डेटा के मुताबिक, 7 सितंबर, 2026 तक इस पूल ने 3000 माल युद्ध जोखिम, 92 जलपोत ढांचा युद्ध जोखिम तथा 3 संरक्षण और क्षतिपूर्ति (पी×amp;आई) बीमा पॉलिसी जारी की हैं।

बीएमआईपी उन जहाजों के संबंध में जहाज के ढांचे और मशीनरी जोखिमों के लिए समुद्री बीमा प्रदान करता है जिनमें भारतीय ध्वज लगा होता है या जिनका स्वामित्व, प्रबंधन या नियंत्रण भारतीय संस्थाओं या भारत से आने वाले या शुरू होने वाले मालवाहक पोत द्वारा किया जाता है।

इसे मई 2026 में 13,906.50 करोड़ रुपए (1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर) तक के कवरेज के साथ शुरू किया गया था। यह जहाज के ढांचे, माल, संरक्षण और क्षतिपूर्ति (पी×amp;आई) और युद्ध जोखिमों के लिए घरेलू बीमा कवरेज प्रदान करता है। बीएमआईपी विदेशी बीमाकर्ताओं पर निर्भरता कम करता है और वैश्विक व्यवधानों के दौरान किफायती, निर्बाध कवरेज सुनिश्चित करता है। इसके अंतर्गत बीमा पॉलिसी घरेलू बीमा कंपनियों द्वारा जारी की जाती हैं और जोखिमों का पुनर्बीमाकरण सदस्यों की प्रतिबद्धताओं के आधार पर सामूहिक रूप से किया जाता है। 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक के दावों का निपटान आरक्षित निधियों के माध्यम से किया जाता है, जबकि बड़े दावों के लिए संप्रभु गारंटी का उपयोग किया जाता है। अपनी शुरुआत के बाद से, बीएमआईपी ने तटीय जहाजों के लिए युद्ध-जोखिम और पी×amp;आई पॉलिसी जारी की हैं, प्रीमियम कम किए हैं और भारत की समुद्री संप्रभुता को मजबूत किया है।

सरकार के मुताबिक, यह जहाजों को हल स्ट्रक्चर (जहाज का मुख्य ढांचा), प्रोपल्शन सिस्टम (जहाज को चलाने वाली मशीनरी) और लगे हुए उपकरणों को होने वाले नुकसान से बचाता है। इससे यह पक्का होता है कि भारत के व्यापारिक जहाजों के बेड़े की पूंजी सुरक्षित रहे और उसका बीमा देश के भीतर ही हो।

यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों से ले जाए जा रहे सामान को शिपमेंट के नुकसान या खराबी से बचाता है। इससे ज्यादा जोखिम या टकराव वाले समुद्री रास्तों पर भी भारतीय निर्यातकों और आयातकों को फायदा होता है। यह सशस्त्र संघर्ष, समुद्री डकैती, आतंकवाद और दुश्मन के जहाज द्वारा कब्जा किए जाने से होने वाले नुकसान के खिलाफ बीमा सुरक्षा देता है। यह सुरक्षा उन भारतीय व्यापार मार्गों के लिए बहुत जरूरी है जो लाल सागर, होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील इलाकों और अन्य उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों से होकर गुजरते हैं।

तेजी से आगे बढ़ रहा भारत का यूपीआई नए शुल्क से निवेश को मिलेगा प्रोत्साहन

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा संचालित यूपीआई भुगतान प्रणाली लेनदेन की मात्रा के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी रिटेल फास्ट-पेमेंट सिस्टम है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यूपीआई ने भारत में डिजिटल क्रांति को गति दी है। इसने आबादी के बड़े हिस्से को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने में मदद की है और डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन गया है, जहां इलेक्ट्रॉनिक भुगतान रोजमर्रा के कारोबार का तेजी से महत्वपूर्ण हिस्सा बनते जा रहे हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में वार्षिक यूपीआई लेनदेन की संख्या बढ़कर 241.62 अरब हो गई, जो 2016-17 में 17.8 मिलियन थी। इसी अवधि में लेनदेन का मूल्य 7,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 3.14 लाख करोड़ रुपए हो गया। अब सरकार यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) शुरू किए जाने के एक दशक बाद बड़े व्यापारियों से इसके इस्तेमाल के लिए शुल्क लेने पर विचार कर रही है, जिससे लंबे समय में यह प्रणाली टिकाऊ बनी रहे और इसे जारी रखने में आ रही लागत को रिकवर किया जा सके।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आय का एक निश्चित और अनुमानित स्रोत बैंकों तथा भुगतान कंपनियों को साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी का पता लगाने और विवादों के समाधान में निवेश करने के लिए अधिक प्रोत्साहित करेगा। साथ ही, इससे यूपीआई के अगले चरण को विकसित करने में भी मदद मिलेगी, जिसमें संभवत: क्रेडिट लाइन उपलब्ध कराना और सीमा-पार भुगतान का विस्तार शामिल होगा।

रिपोर्ट में एक विशेषज्ञ के हवाले से कहा गया, 'एशिया और ग्लोबल साउथ की कई भुगतान प्रणालियों ने यूपीआई का अध्ययन इसलिए किया है क्योंकि इसने साबित किया कि वीजा, मास्टरकार्ड या किसी विदेशी बोर्डरूम को भुगतान स्विच का नियंत्रण दिए बिना भी बड़े पैमाने पर प्रणाली का विस्तार किया जा सकता है।'

अमेरिका-ईरान युद्ध और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते तय होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। इस दौरान कच्चा तेल, अमेरिका-ईरान युद्ध अपडेट और घरेलू आर्थिक आंकड़े जैसे ऑटो सेल्स, राजकोषीय घाटा, पीएमआई और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन बाजार की चाल निर्धारित करेंगे।

मध्य पूर्व में लगातार बढ़ता तनाव खासकर अमेरिका-ईरान युद्ध भारतीय बाजार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। इस कारण से कच्चे तेल का दाम भी 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। ऐसे में अगर इस पर कोई नया अपडेट आता है और तनाव कम होता है तो इसका सीधा असर बाजार पर होगा।

अगले हफ्ते भारत में घरेलू स्तर पर कई महत्वपूर्ण आंकड़े आएंगे। इसमें ऑटो सेल्स, जीएसटी, इंडस्ट्रियल और मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्शनस पीएमआई, राजकोषीय घाटा और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े डेटा शामिल हैं।

2 अक्टूबर को गांधी जयंती के कारण अगले कारोबारी हफ्ता चार सत्रों का होगा।

इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 399.22 अंक या 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,895.74 और



निफ्टी 205.90 अंक या 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,140.50 पर था।

21-25 सितंबर के कारोबारी सत्र में लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में गिरावट देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,285.25 अंक या 2.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60,906 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 160.45 अंक या 0.81 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,715.25 पर था। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी 2.98 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.14 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा 1.10 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी 1.04 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.53 प्रतिशत और निफ्टी हेल्थकेयर 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। निफ्टी आईटी 2.40 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.63 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 1.53 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.49 प्रतिशत, निफ्टी इन्फ्रा 1.26 प्रतिशत और निफ्टी एनर्जी 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ हुआ।

सरकारी बैंक कर्मचारियों की कल से तीन दिनों की हड़ताल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और कई अन्य सरकारी बैंक रविवार को खुले हैं। इससे आम जनता को 28 सितंबर से 30 सितंबर तक होने वाली प्रस्तावित तीन-दिनों की देशव्यापी बैंक हड़ताल से पहले अपने बैंकिंग काम पूरे करने का मौका मिल रहा है।

रविवार को बैंक खोलने का यह खास फैसला सरकारी बैंकों (पीएसबी) और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) पर लागू होता है। यह कदम प्रस्तावित हड़ताल से पहले रेगुलर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के मकसद से उठाया गया है।

रविवार को पीएसबी और आरआरबी खोलने का फैसला 21 सितंबर को वित्त मंत्रालय, पब्लिक सेक्टर बैंकों, रीजनल रूरल बैंकों, इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और नाबार्ड के



अधिकारियों के बीच हुई बैठक के बाद लिया गया।

यह कदम इसलिए भी अहम है क्योंकि 26 और 27 सितंबर को क्रमश: शनिवार और रविवार पड़ रहे हैं। वीकेंड के ठीक बाद प्रस्तावित बैंक हड़ताल के कारण, ग्राहकों को कई दिनों तक बैंक की ब्रांच से जुड़ी सेवाओं का सीमित लाभ मिल पाता। इसलिए, हड़ताल से पहले जरूरी बैंकिंग लेन-देन पूरे करने का एक अतिरिक्त मौका देने के लिए रविवार को बैंक खोलने की योजना बनाई गई है।

आज काम कर रहे पब्लिक सेक्टर बैंकों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूको बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक शामिल हैं। इस व्यवस्था में देश भर के 28 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भी शामिल हैं। इनमें आंध्र प्रदेश ग्रामीण बैंक, अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक, असम ग्रामीण बैंक, बिहार ग्रामीण बैंक, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, गुजरात ग्रामीण बैंक, हरियाणा ग्रामीण बैंक, हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक, जम्मू और कश्मीर ग्रामीण बैंक, झारखंड ग्रामीण बैंक, कर्नाटक ग्रामीण बैंक, केरल ग्रामीण बैंक, मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक, महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक, मणिपुर ग्रामीण बैंक, मेघालय ग्रामीण बैंक, मिजोरम ग्रामीण बैंक, नागालैंड ग्रामीण बैंक, ओडिशा ग्रामीण बैंक, पुडुचेरी ग्रामीण बैंक, पंजाब ग्रामीण बैंक, राजस्थान ग्रामीण बैंक, तमिलनाडु ग्रामीण बैंक, तेलंगाना ग्रामीण बैंक, त्रिपुरा ग्रामीण बैंक, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक और पश्चिम बंगाल ग्रामीण बैंक शामिल हैं।

हालांकि, रविवार को बैंक खोलने की यह व्यवस्था प्राइवेट सेक्टर के बैंकों पर अपने आप लागू नहीं होती है।

तमिलनाडु में चावल महंगा, धान की कमी से पोन्नी समेत कई किस्मों के दाम बढ़े



विश्व केसरी■

चेन्नई। तमिलनाडु में धान के उत्पादन में गिरावट और पड़ोसी राज्यों से आपूर्ति कम होने के कारण पिछले एक महीने में चावल की कई लोकप्रिय किस्मों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है। सबसे अधिक असर पोन्नी चावल की कीमतों पर पड़ा है, जो राज्य के अधिकांश घरों में मुख्य खाद्यान्न के रूप में इस्तेमाल होता है।

बाजार में पोन्नी चावल की कीमत 65 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 78 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। वहीं, मन्नाचनल्लूर पोन्नी 60 रुपये से बढ़कर 68 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। प्रीमियम पोन्नी की कीमत 65 रुपये से बढ़कर 82 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है।

इसी तरह आईआर-20 चावल की कीमत भी पिछले महीने के 50 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 60 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। सामान्य कच्चे चावल (रॉ राइस) का दाम भी 45 रुपये से बढ़कर कई दुकानों में 68 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है।

व्यापारियों के अनुसार पिछले 50 दिनों में चावल की कीमतों में तीन बार बदलाव किया गया है। उनका कहना है कि यदि दूसरे राज्यों से आपूर्ति कम रही और कुरुवई धान की फसल कमजोर रही तो कीमतों पर दबाव बना रह सकता है।

कावेरी डेल्टा क्षेत्र में कम बारिश और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलने से धान की खेती प्रभावित हुई है। वहीं आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में भी धान की पैदावार घटने से तमिलनाडु की राइस मिलों तक पहुंचने वाले धान की मात्रा कम हो गई है।

राइस मिल मालिकों का कहना है कि दूसरे राज्यों से आने वाले धान की खरीद कीमत पिछले सीजन के 32 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर करीब 44 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। उनका मानना है कि अप्रैल की कमजोर फसल के कारण धान की आवक घटी है। फिलहाल थोक बाजार में फाइन पोन्नी चावल करीब 75 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है।

तमिलनाडु में पोन्नी चावल की मांग अधिक है, लेकिन राज्य में इसकी खेती अपेक्षाकृत कम होती है। ऐसे में पड़ोसी राज्यों की फसल प्रभावित होने का सीधा असर इसकी कीमतों पर पड़ता है। हालांकि, मिल मालिकों को उम्मीद है कि आने वाले महीनों में नई फसल की आवक बढ़ने से धान की आपूर्ति सुधरेगी और चावल की कीमतों में स्थिरता आ सकती है। दूसरी ओर खुदरा व्यापारी अभी भी कीमतों में और बढ़ोतरी की आशंका जता रहे हैं।

बढ़ती कीमतों के बीच व्यापारियों और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों ने तमिलनाडु में उपभोक्ताओं की पसंद वाली महीन धान की किस्मों की खेती बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया है, ताकि भविष्य में राज्य की आपूर्ति पड़ोसी राज्यों की फसल पर कम निर्भर रहे।

टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की डेडलाइन नजदीक

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 तेजी से नजदीक आ रही है। हालांकि, देशभर के कर पेशेवर और विभिन्न उद्योग संगठनों द्वारा इस समयसीमा को आगे बढ़ाने की मांग की जा रही है, लेकिन अभी तक केंद्र सरकार या केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से कोई आधिकारिक विस्तार घोषित नहीं किया गया है।

ऐसे में टैक्स ऑडिट के दायरे में आने वाले करदाताओं को मौजूदा समयसीमा को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारियां पूरी करने की सलाह दी जा रही है। आयकर विभाग के अनुसार, आयकर अधिनियम की धारा 44एबी के तहत आने वाले करदाताओं को 30 सितंबर तक अपना ऑडिट पूरा कराकर ऑडिट रिपोर्ट प्राप्त करनी होती है।

विभिन्न पेशेवर संगठनों का कहना है कि



इस बार ऑडिट, मिलान, खुलासों और अन्य अनुपालन कार्यों में अधिक समय लग रहा है। इसी वजह से कई संगठनों ने समयसीमा बढ़ाने की मांग की है।

मध्य प्रदेश टैक्स कंसल्टेंट्स एसोसिएशन (एमपीटीसीए) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर से बढ़ाकर 30 नवंबर 2026 करने की मांग की है। हालांकि, जब तक कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं होती, तब तक 30 सितंबर की समयसीमा ही लागू मानी जाएगी। ऐसे में टैक्सपेयर्स को ये 5 जरूरी काम तुरंत कर लेने चाहिए।

पहला, करदाताओं को अपने लेखा-जोखा, बिक्री और खरीद रिकॉर्ड, बैंक स्टेटमेंट, बिल, चालान और अन्य आवश्यक दस्तावेज व्यवस्थित रखने चाहिए। अधूरी जानकारी या रिकॉर्ड में विसंगतियां ऑडिट प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं।

दूसरा, कारोबारियों को जीएसटी टर्नओवर, कर विवरण और अन्य वित्तीय आंकड़ों का पुस्तकों से मिलान करना चाहिए। साथ ही फॉर्म 26एएस, एआईएस (एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट) और टीआईएस (टैक्सपेयर इन्फॉर्मेशन समरी) में उपलब्ध सूचनाओं की भी जांच करनी चाहिए, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि या असंगति समय रहते दूर की जा सके।

तीसरा, ऋण, स्थायी परिसंपत्तियों (फिक्स्ड एसेट्स), संबंधित पक्षों, वैधानिक देनदारियों और बड़े खर्चों जैसे मामलों की विशेष जांच करनी चाहिए। ऑडिट रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले इन सभी लेनदेन की टैक्स ट्रीटमेंट को लेकर ऑडिटर से चर्चा करना जरूरी है।

भारत के रिन्यूएबल एनर्जी हब खावड़ा को मिला अपना पिन कोड

विश्व केसरी■

अहमदाबाद। भारत के रिन्यूएबल एनर्जी हब को एक अलग भौगोलिक पहचान देते हुए गुजरात के कच्छ स्थित खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क को अपना अलग डाक सूचकांक नंबर (पिन कोड) 370246 मिल गया है। इसके साथ ही यहां इंडिया पोस्ट का अपना डिलीवरी कार्यालय भी शुरू किया गया है।

खावड़ा पोस्ट ऑफिस में स्पीड पोस्ट, पार्सल बुकिंग और डिलीवरी, पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक की सुविधाएं और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की सेवाएं उपलब्ध होंगी। इनमें आधार-आधारित डिजिटल बैंकिंग भी शामिल है।

यह समर्पित डाक सुविधा ऐसे समय में शुरू की गई है, जब खावड़ा कच्छ के कम आबादी वाले इलाके से विकसित होकर एक बड़े रिन्यूएबल एनर्जी हब में बदल गया है। यहां कर्मचारियों की संख्या बढ़ रही है, आवासीय टाउनशिप विकसित हो रही हैं और



सहायक बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। इससे पहले इलाके की डाक सेवाएं करीब 70 किलोमीटर दूर स्थित पोस्ट ऑफिस और कुरान ब्रांच पोस्ट ऑफिस के जरिए संचालित होती थीं। रिन्यूएबल एनर्जी पार्क के विस्तार और यहां रहने तथा काम करने वाले लोगों की बढ़ती संख्या के साथ एक समर्पित डाक सुविधा की जरूरत महसूस की जा रही थी।

नया पिन कोड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क को एक अलग डाक पता देता है। इससे यह सीधे इंडिया पोस्ट के डिलीवरी नेटवर्क से जुड़ गया है और साइट पर मौजूद कारोबारों, कर्मचारियों और सेवा प्रदाताओं की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

पिन कोड की व्यापक भूमिका बैंकिंग, बीमा, लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स सेवाओं की उपलब्धता तय करने में भी होती है।

खावड़ा के लिए '370246' इस रिन्यूएबल एनर्जी हब को एक विशिष्ट भौगोलिक पहचान देता है। यह इसे आसपास के क्षेत्रों से अलग करता है और आर्थिक गतिविधियों, बुनियादी ढांचे के विकास और रणनीतिक राष्ट्रीय महत्व के केंद्र के रूप में इसके बढ़ते महत्व को दर्शाता है। समर्पित पिन कोड इस बात का एक और उदाहरण है कि क्षेत्र में अदाणी समूह द्वारा रिन्यूएबल एनर्जी परियोजना का विकास शुरू किए जाने के बाद से खावड़ा किस तरह बदल गया है। रिन्यूएबल एनर्जी पार्क को अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) और अन्य डेवलपर्स द्वारा विकसित किया जा रहा है।

मीरा राजपूत बच्चों की डाइट में नहीं लगातीं ये रोक-टोक, उनका 'कोई नियम नहीं' फूड फॉर्मूला क्यों चर्चा में है?



मीरा राजपूत का 'कोई नियम नहीं' फूड फॉर्मूला बच्चों को हर पसंदीदा चीज से रोकने के बजाय संतुलित खान-पान और सहज माहौल पर जोर देता है. हालांकि हर बच्चे की जरूरत अलग होती है, इसलिए इस अप्रोच को अपनाते समय उम्र और पोषण संबंधी जरूरतों का ध्यान रखना जरूरी है.

बच्चों को खाना खिलाना कई माता-पिता के लिए रोज की छोटी-सी चुनौती बन जाता है. कभी बच्चा सब्जी देखकर मुंह बना लेता है तो कभी पसंदीदा चीज के लिए बार-बार जिद करता है. ऐसे में घर में खाने को लेकर नियम बनना आम बात है, लेकिन मीरा राजपूत का बच्चों की डाइट को लेकर नजरिया थोड़ा अलग बताया जाता है. वह खाने को लेकर बहुत ज्यादा रोक-टोक करने के बजाय बच्चों को अपनी पसंद समझने की आजादी देने की बात करती हैं.

उनके इस तरीके में एक दिलचस्प बात यह है कि खाने को लेकर सख्त पाबंदियों की जगह संतुलन और समझ पर जोर दिखाई देता है. यही वजह है कि उनका 'कोई नियम नहीं' वाला फूड फॉर्मूला पेरेंटिंग से जुड़े लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है.

मीरा राजपूत का बच्चों की डाइट को लेकर नजरिया

मीरा राजपूत सोशल मीडिया पर अक्सर लाइफस्टाइल और पेरेंटिंग से जुड़े अपने अनुभव साझा करती रही हैं. बच्चों के खाने की आदतों को लेकर उनका नजरिया यह बताता है कि हर चीज को पूरी तरह प्रतिबंधित करना जरूरी नहीं है. उनके मुताबिक बच्चे अगर कभी अपनी पसंद की चीज खाना चाहते हैं तो उसे लेकर बहुत ज्यादा सख्ती करने के बजाय पूरे खान-पान के पैटर्न को देखना ज्यादा जरूरी हो सकता है.

यह तरीका उन माता-पिता के लिए दिलचस्प है जो बच्चों को हेल्दी खाना खिलाने की कोशिश में हर पसंदीदा चीज पर रोक लगा देते हैं. कई घरों में चॉकलेट, पिज्जा, बर्गर या मिठाई को लेकर ऐसा माहौल बन जाता है कि बच्चा इन्हें और ज्यादा पाने की जिद करने लगता है. मीरा के फूड अप्रोच में ऐसी सख्ती से बचने की बात नजर आती है.

'कोई नियम नहीं' का मतलब मनमर्जी खाना नहीं

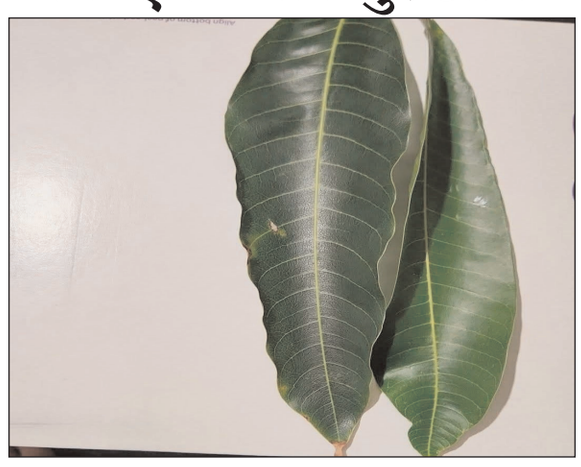
यहां 'कोई नियम नहीं' को बच्चों को बिना किसी सीमा के कुछ भी खिलाने के अर्थ में समझना ठीक नहीं होगा. इसका मतलब ज्यादा सख्त फूड रूल्स से बचना और खाने को लेकर अनावश्यक डर या अपराधबोध पैदा न करना हो सकता है.

पसंद और पोषण के बीच संतुलन

मसलन, अगर बच्चा किसी दिन अपनी पसंद की डिश मांगता है तो उसे पूरी तरह गलत बताने के बजाय बाकी भोजन में पौष्टिक चीजों को शामिल किया जा सकता है. घर के सामान्य खाने में दाल, सब्जियां, फल, अनाज, दूध या अन्य उपयुक्त खाद्य पदार्थ शामिल रहते हैं तो कभी-कभार पसंद की चीज खाना अलग बात है.

बच्चों के लिए खाने का माहौल भी महत्वपूर्ण होता है, अगर हर निवाले के साथ डांट या दबाव जुड़ा हो तो खाना उनके लिए तनाव का कारण बन सकता है।

आम के पत्ते: चाय में छिपा खजाना या इंटरनेट का एक और नुस्खा ?



आम को फलों का राजा कहा जाता है, लेकिन आजकल सोशल मीडिया ने उसके पत्तों को भी किसी राजा से कम नहीं छोड़ा! कहीं दावा है कि आम के पत्तों की चाय पीते ही ब्लड शुगर काबू में आ जाएगी, कहीं इसे वजन घटाने का नुस्खा बताया जा रहा है और कहीं इसे पेट से लेकर ब्लड प्रेशर तक की रामबाण औषधि बना दिया गया है। सवाल है—इन दावों में कितना आम है और कितना गुठली से भी बड़ा अतिशयोक्ति का खेल?

सच्चाई थोड़ी अलग और अधिक दिलचस्प है।

आम के पत्तों में mangiferin, flavonoids और polyphenols जैसे कई जैव सक्रिय compounds पाए जाते हैं। प्रयोगशाला और पशु-अध्ययनों में इनमें antio&idant तथा glucose metabolism से जुड़े संभावित प्रभाव देखे गए हैं। यही कारण है कि वैज्ञानिक आम के पत्तों में रुचि लेते रहे हैं।

लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण ब्रेक लगाना जरूरी है।

प्रयोगशाला में किसी पदार्थ का असर दिखना और इंसान में उस पदार्थ की चाय पीने से बीमारी ठीक होना—दो अलग बातें हैं।

आम के पत्तों के standard-ized e&tracts पर कुछ मानव शोध उपलब्ध हैं, लेकिन घर में तोड़े गए आम के पत्तों को उबालकर बनाई गई चाय पर diabetes के इलाज संबंधी पर्याप्त clinical evidence अभी उपलब्ध नहीं है। इसलिए यह कहना कि 'आम के पत्तों की चाय diabetes खत्म कर देती है' वैज्ञानिक रूप से सही नहीं होगा।

तो फिर चाय पीने में क्या हर्ज है?

यदि कोई व्यक्ति इसे केवल एक herbal drink की तरह लेना चाहता है, तो साफ-सुथरे और स्वस्थ आम के कुछ पत्तों को धोकर छोटे टुकड़ों में काटा जा सकता है। लगभग 3-5 पत्तों को 2 कप पानी में 5-10 मिनट हल्की आंच पर उबालकर छान लें। शुरुआत आधा कप से करना बेहतर है। इसमें चीनी डालने की जरूरत नहीं।

लेकिन सवाल आता है—दिन में कितनी बार?

इसकी कोई scientifical-ly established daily dose नहीं है। इसलिए इसे औषधि समझकर दिन में तीन-चार कप पीना उचित नहीं। सामान्य herbal beverage के रूप में ½ से 1 कप प्रतिदिन एक सावधान तरीका हो सकता है।

डायबिटीज वालों के लिए असली सावधानी

यह हिस्सा सबसे महत्वपूर्ण है।

अगर कोई व्यक्ति insulin या diabetes की दवा ले रहा है, तो आम के पत्तों की चाय को अपनी दवा का विकल्प बिल्कुल न समझे। पत्तों में मौजूद कुछ com-pounds glucose metabo-lism को प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन चाय में उनका वास्तविक प्रभाव और मात्रा निश्चित नहीं है।

घर पर बनाइए भंडारे वाला खट्टा-मीठा कद्दू, स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाटते रह जाएंगे आप, नोट कीजिये रेसिपी



यहां आपको भंडारे जैसा खट्टा-मीठा कद्दू बनाने की आसान रेसिपी बताई गई है, जो अक्सर पूड़ी के साथ परोसी जाती है. इसमें कद्दू, सरसों का तेल, मेथी दाना, जीरा, हींग, हरी मिर्च, हल्दी, लाल मिर्च, धनिया, नमक, गुड़ और अमचूर का उपयोग होता है. इनसे बहुत ही लजीज सब्जी बनकर तैयार होती है. तो इसका स्वाद जरूर ट्राई करें.

उत्तर भारत के मंदिरों और धार्मिक आयोजनों में मिलने वाला भंडारे का खट्टा-मीठा कद्दू अपने अनोखे स्वाद के लिए बेहद लोकप्रिय है. पूड़ी के साथ परोसी जाने वाली यह सब्जी मसालों, गुड़ और अमचूर के संतुलित स्वाद से तैयार होती है. इसकी खास बात यह है कि इसे बहुत कम सामग्री में बनाया जा सकता है, फिर भी इसका स्वाद लाजवाब होता है. आइए जानते हैं भंडारे जैसा खट्टा-मीठा कद्दू बनाने की आसान रेसिपी.

बनाने की विधि

सबसे पहले कद्दू को अच्छी तरह धोकर छील लें और उसके बीज निकाल दें. अब इसे मध्यम आकार के टुकड़ों में काट लें.

एक कड़ाही में सरसों का तेल गर्म करें. जब तेल अच्छी तरह गर्म हो जाए तो आंच धीमी कर दें और उसमें मेथी दाना तथा जीरा डालें. जब ये चटकने लगें, तब हींग और हरी मिर्च डालकर कुछ सेकंड तक भूनें.

अब कटे हुए कद्दू को कड़ाही में डालें और अच्छी तरह मिलाएं. इसके बाद हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर और नमक डालकर मसालों को कद्दू के साथ अच्छी तरह मिला लें।

इस जगह पर जाते ही दुनिया हो जाती है उल्टी-पुल्टी, उल्टा घर देखकर चकरा जाएगा दिमाग, दिल्ली से 2 घंटे दूर है ये अनोखा प्लेस





रोहतक के पास मौजूद यह अनोखा परिसर उल्टे घर, उल्टी कार और गांव के माहौल के लिए आकर्षण का केंद्र है. यहां तांगा, बैलगाड़ी, पारंपरिक वस्तुएं, बच्चों की एक्टिविटी, भूत बंगला और अलग-अलग खाने के विकल्प मिलते हैं. जाने से पहले टिकट और टाइमिंग जरूर जांच लें.

कभी आपने ऐसे घर की कल्पना की है, जिसमें सोफा, कार और पूरा घर ही उल्टा नजर आए? सुनने में यह थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन ऐसी जगह सच में मौजूद है और यहां पहुंचकर तस्वीरें लेना अपने आप में अलग अनुभव बन जाता है, अगर इस बार वीकेंड पर परिवार के साथ कुछ नया देखने का मन है तो यह जगह आपकी लिस्ट में शामिल हो सकती है. दिल्ली से करीब दो घंटे की दूरी पर मौजूद इस जगह पर सिर्फ उल्टा घर ही आकर्षण नहीं है.

यहां गांव की जिंदगी, पारंपरिक चीजें, तांगा और बैलगाड़ी की सवारी के साथ हरियाणवी और राजस्थानी रंग भी देखने को मिलता है. बच्चों के लिए कई तरह की एक्टिविटी और खाने के विकल्प भी यहां मौजूद हैं.

उल्टा घर देखकर पहली नजर में लगेगा सबकुछ उल्टा

यह अनोखा घर हरियाणा के रोहतक इलाके में शेरगढ़ के ललित सोरखी स्थित नेशनल हाईवे-9 पर मदीना टोल टैक्स के पास मोखरा गांव के नजदीक बताया जाता है. यहां एक रिजॉर्ट या फार्म हाउस के परिसर में बना उल्टा घर लोगों का ध्यान खींचता है. घर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि अंदर और बाहर की कई चीजें उल्टी दिखाई देती हैं. घर में दाखिल होते ही उल्टा सोफा और दूसरी चीजें देखकर बच्चों के साथ बड़े भी कुछ देर रुककर तस्वीरें खिंचवाना पसंद करते हैं. उल्टी कार भी यहां का खास आकर्षण बताई जाती है. सोशल मीडिया पर इस तरह की जगहों की तस्वीरें अक्सर लोगों को आकर्षित करती हैं और यही वजह है कि परिवार या दोस्तों के साथ घूमने वाले लोग यहां अलग तरह का फोटो एक्सपीरियंस लेने पहुंचते हैं। सिर्फ उल्टा घर नहीं, गांव का पूरा माहौल मिलेगा

इस जगह की खासियत केवल अजीबोगरीब स्ट्रक्चर तक सीमित नहीं है. यहां हरियाणवी, पंजाबी और राजस्थानी संस्कृति से जुड़ा माहौल देखने को मिलता है. पुराने समय में गांवों में इस्तेमाल होने वाली चीजों को भी यहां सजाया गया है. इससे बच्चों को ग्रामीण जीवन और पुराने रहन-सहन की झलक दिखाने का मौका मिल सकता है.

तांगा और बैलगाड़ी की सवारी का अनुभव

अगर बच्चों को गांव की जिंदगी के बारे में बताना चाहते हैं तो यहां तांगा और बैलगाड़ी की सवारी उनके लिए अलग अनुभव हो सकती है. आधुनिक शहरों में पले-बढ़े बच्चों के लिए ऐसी चीजें रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा नहीं होतीं. इसी वजह से परिवार के साथ यहां समय बिताना केवल फोटो खिंचवाने तक सीमित नहीं रहता. यहां खाट पर बैठकर खाने का अनुभव भी मिलता है. हरियाणा और राजस्थान के पारंपरिक माहौल के बीच बैठकर खाना खाने का तरीका बच्चों और बड़ों दोनों को पसंद आ सकता है।

सिगरेट छोड़ने के बाद भी लंग कैंसर का खतरा! जानिए किसे और कब करानी चाहिए ये खास जांच



लंग कैंसर का खतरा सिर्फ मौजूदा स्मोकर्स तक सीमित नहीं माना जाता, लंबे समय तक धूम्रपान करने वाले लोगों में सिगरेट छोड़ने के बाद भी जोखिम बना रह सकता है. ऐसे में सही लोगों की समय पर स्क्रीनिंग बीमारी को शुरुआती दौर में पकड़ने में मदद कर सकती है.

फेफड़ों का कैंसर दुनिया में कैंसर से होने वाली मौतों की बड़ी वजहों में शामिल है. ऐसे में बीमारी को शुरुआती स्टेज पर पकड़ना काफी जरूरी माना जाता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर यानी IARC ने फेफड़ों के कैंसर की स्क्रीनिंग को लेकर नई वैज्ञानिक समीक्षा की है. इसमें बताया गया है कि ज्यादा जोखिम वाले लोगों में लो-डोज CT स्कैन से बीमारी को जल्दी पकड़ने और फेफड़ों के कैंसर से होने वाली मौतों को कम करने में मदद मिल सकती है.

24 सितंबर 2026 को इस समीक्षा का सार द न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित हुआ. इसमें 17 देशों के 23 विशेषज्ञों ने फेफड़ों के कैंसर की स्क्रीनिंग से जुड़े अलग-अलग वैज्ञानिक अध्ययनों की समीक्षा की. इस समूह में भारत से AIIMS, नई दिल्ली के डॉ. अभिषेक शंकर भी शामिल थे.

लो-डोज CT स्कैन क्या होता है?

लो-डोज CT यानी कम रेडिएशन वाला कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन. इसमें सामान्य CT की तुलना में रेडिएशन की मात्रा कम रखी जाती है. इस जांच से फेफड़ों में मौजूद बहुत छोटी गांठ या शुरुआती बदलाव भी दिखाई दे सकते हैं।

दक्षिण भारत का कौन सा शहर कहलाता है 'दुनिया की इडली राजधानी'? यहां खूब खाई जाती है इडली, जानिए क्यों है इतनी खास



दक्षिण भारत के चेन्नई शहर को कई जगह 'दुनिया की इडली राजधानी' कहा जाता है. यह कोई आधिकारिक खिताब नहीं, बल्कि शहर में इडली की लोकप्रियता को बताने वाला नाम है. चेन्नई के घरों, टिफिन सेंटर और रेस्टोरेंट में इडली रोजमर्रा के खाने का अहम हिस्सा है. पारंपरिक इडली चावल और उडद दाल के फर्मेंटेड बैटर को भाप में पकाकर बनाई जाती है. इसे आमतौर पर गर्म सांभर और नारियल की चटनी के साथ परोसा जाता है. सादी इडली के अलावा पोडी इडली, रागी इडली, ओट्स इडली और कई दूसरी वैरायटी भी पसंद की जाती हैं.

दक्षिण भारत के खाने की बात हो और इडली का नाम न आए, ऐसा शायद ही हो सकता है. नरम, फूली हुई और भाप में पकाई गई इडली को सांभर और नारियल की चटनी के साथ खाना बहुत से लोगों को पसंद है. दक्षिण भारत के अलग-अलग राज्यों में इडली रोज के खाने का हिस्सा है, लेकिन तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई का इससे खास रिश्ता माना जाता है. शहर के छोटे टिफिन सेंटर से लेकर पुराने रेस्टोरेंट और आधुनिक फूड आउटलेट तक, आपको इडली आसानी से मिल जाएगी. सुबह ऑफिस जाने की जल्दी हो, दिन में हल्की भूख लगी हो या रात में कुछ हल्का खाने का मन हो, इडली एक आम विकल्प है इसी मजबूत फूड कल्चर की वजह से चेन्नई को कई जगह 'दुनिया की इडली राजधानी' कहा जाता है. हालांकि यह कोई आधिकारिक सरकारी खिताब नहीं है, बल्कि शहर में इडली की लोकप्रियता को बताने के लिए इस्तेमाल होने वाला नाम है. चेन्नई की खास बात यह भी है कि यहां आपको सिर्फ सामान्य इडली ही नहीं, बल्कि पोडी इडली से लेकर अलग-अलग तरह की कई इडली देखने और खाने को मिल सकती हैं.

चेन्नई में हर तरफ दिखता है इडली का स्वाद: चेन्नई की सुबह और यहां के टिफिन कल्चर का पुराना रिश्ता है. शहर में बहुत से लोग सुबह के नाश्ते में इडली, डोसा, वडा और सांभर खाना पसंद करते हैं. इडली इनमें सबसे आसान विकल्पों में से एक है. इसे पहले से तैयार बैटर से भाप में पकाया जाता है और गर्मागर्म सांभर तथा चटनी के साथ परोस दिया जाता है. यही वजह है कि व्यस्त सुबह में भी इसे जल्दी सर्व किया जा सकता है. इडली की लोकप्रियता सिर्फ घरों तक सीमित नहीं है. चेन्नई के छोटे खाने के ठिकानों, टिफिन सेंटर और रेस्टोरेंट में भी यह आसानी से मिलती है. समय के साथ इडली शहर के रोजमर्रा के खाने का ऐसा हिस्सा बन गई कि चेन्नई की फूड पहचान के साथ इसका नाम जुड गया.



आखिर कैसे तैयार होती है पारंपरिक इडली: सामान्य इडली बनाने के लिए मुख्य रूप से चावल और उडद दाल का इस्तेमाल किया जाता है. दोनों को भिगोने के बाद पीसकर बैटर तैयार किया जाता है. इस बैटर को कुछ समय के लिए फर्मेंट होने दिया जाता है. सही तरह से फर्मेंट होने पर बैटर में हल्का फुलाव आता है. इसके बाद इडली के सांचे पर हल्का तेल लगाकर बैटर डाला जाता है और इसे भाप में पकाया जाता है. कुछ मिनट में सफेद, मुलायम और फूली हुई इडली तैयार हो जाती है. इसे गर्म सांभर, नारियल की चटनी और कई जगह अलग-अलग तरह की चटनी के साथ परोसा जाता है.

सांभर और नारियल की चटनी के बिना अधूरी लगती है प्लेट: चेन्नई में इडली की पारंपरिक प्लेट बहुत साधारण दिखाई दे सकती है, लेकिन इसका स्वाद इसी सादगी में छिपा है. गर्म इडली के साथ सांभर और नारियल की चटनी सबसे आम कॉम्बिनेशन में शामिल हैं. सांभर में दाल, सब्जियों और मसालों का स्वाद होता है, जबकि नारियल की चटनी इडली के हल्के स्वाद के साथ अच्छी तरह मेल खाती है. अलग-अलग जगहों पर इसे परोसने का अंदाज बदल सकता है. कहीं सांभर ज्यादा मसालेदार मिलता है तो कहीं चटनी का स्वाद अलग होता है. कुछ जगह इडली के ऊपर घी भी डाला जाता है. यही छोटे-छोटे बदलाव एक साधारण इडली की प्लेट को अलग स्वाद दे देते हैं.

टिफिन कल्चर ने बढाई इडली की



मुंबई में गणपति उत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सराहा

अभिनेत्री जूही चावला ने गणपति उत्सव की जमकर की तारीफ़

कहा- श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सम्मान के साथ हुआ उत्सव, यह मुंबई का गौरव है

मुंबई । अभिनेत्री जूही चावला ने मुंबई में गणपति उत्सव के माहौल और सुरक्षा व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे हजारों श्रद्धालु, जिनमें पुरुष और महिलाएं शामिल हैं, सुरक्षित और शांतिपूर्ण दंग से उत्सव में भाग लेने में सक्षम रहे।

जुही चावला ने उत्सवों के बारे में बात करते हुए कहा कि वह त्योहार के दौरान व्याप्त सम्मानपूर्ण और आनंदमय वातावरण से अभिभूत हैं, जहां भक्त भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने के लिए एकत्रित हुए।

उन्होंने आईएएनएस को बताया, "जैसा कि आप देख सकते हैं, मैं क्या कहूं, यहां बहुत ही प्रसन्नतापूर्ण और सम्मानपूर्ण वातावरण रहा। इतने सारे लोग पूजा करने आए, पूरे आदर के साथ। मुझे आश्चर्य है, और यह बहुत अच्छी बात है कि यहां महिलाएं और पुरुष दोनों मौजूद रहे और सभी सुरक्षित रहे।

जुही ने आगे कहा, "सभी लोग सुरक्षित हैं, और आप देख सकते हैं कि कितने सारे लोग थे, हजारों, लाखों लोग, लेकिन सभी सुरक्षित हैं। और सभी लोगों ने सहजता से, अपनी खुशी के साथ बाबा की पूजा की। यह बहुत ही सुंदर वातावरण रहा।"



> "मुझे लगता है कि यह मुंबई का गौरव है, और मुझे यहां आमंत्रित करने के लिए शाइना, आपका धन्यवाद। इसे टीवी पर देखना एक बात है, लेकिन असल जिंदगी में देखना दिल छू जाता है।
> — जुही चावला

सिनेमा के साथ सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ी हैं जुही चावला

हिंदी सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाने वाली जुही चावला वर्षों से कई सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों से जुड़ी रही हैं। वह चार दशकों से अधिक समय से मनोरंजन उद्योग का हिस्सा हैं।

महाराष्ट्र और गुजरात के लिए विशेष हैं गणपति उत्सव

अभिनेत्री ने महाराष्ट्र और गुजराता में गणपति उत्सव के महत्व के बारे में भी बात की और इस त्योहार को क्षेत्र के सांस्कृतिक समारोहों का एक विशेष हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, "यहां हम इसे बहुत प्रेम से मनाते हैं और यह बहुत खास है। आप यहां जो देख रहे हैं, शायद दुनिया में कहीं और ऐसा नहीं होता।"

पर्यावरण के प्रति भी की अपील

उत्सव की प्रशंसा करने के साथ-साथ, जुही ने इस अवसर का उपयोग पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील करने के लिए भी किया। उन्होंने बड़े गणपति पंडालों के आयोजकों से पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने में पहल करने का आग्रह किया।

"कृपया आप पर्यावरण के अनुकूल गणपति कब बनाएंगे? जब आप ऐसा करेंगे, तो सभी पंडाल आपका अनुसरण करेंगे।
— जुही चावला

माही श्रीवास्तव के 'नागिन जैसे डांस' ने मचाया तहलका, ठुमकों ने खींचा भोजपुरी फैंस का ध्यान

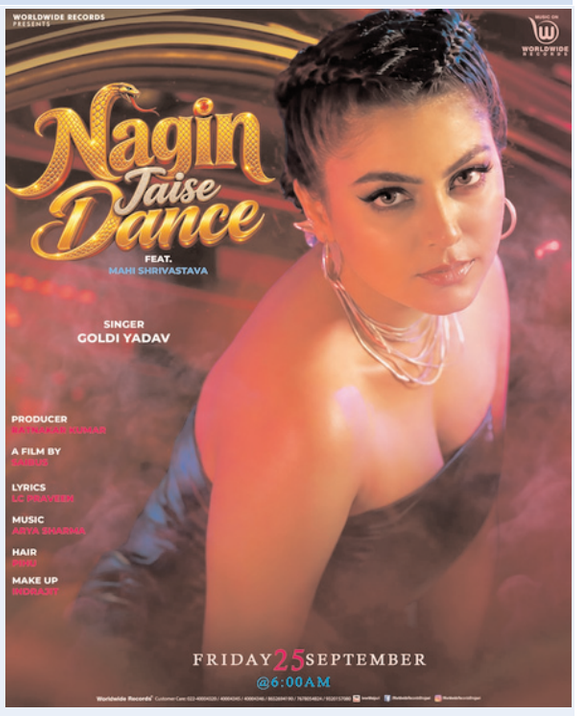
विश्व केसरी

मुंबई। भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में एक के बाद एक नए गाने दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रहे हैं। इसी कड़ी में निर्माता रत्नाकर कुमार का नया भोजपुरी गाना 'नागिन जैसे डांस' रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है।

वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुए इस गाने में एक्ट्रेस माही श्रीवास्तव अपने खास अंदाज में डांस करती नजर आ रही हैं। गाने के बीट्स, माही के एनर्जेटिक डांस मूव्स और रेट्रो टच वाले विजुअल्स इसे खास बना रहे हैं। रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर गाने के डांस स्टेप्स को लेकर चर्चा है।

'नागिन जैसे डांस' को लेकर निर्माता रत्नाकर कुमार ने बताया कि गाने की शूटिंग के दौरान इसकी एनर्जी, डांस और विजुअल प्रेजेंटेशन पर खास फोकस किया गया। उन्होंने कहा, ''इस गाने की शूटिंग के दौरान हमने सबसे ज्यादा ध्यान इसकी एनर्जी, डांस मूव्स और विजुअल प्रेजेंटेशन पर दिया। माही श्रीवास्तव के डांस को गाने की बीट्स और बोल के साथ इस तरह शूट किया गया है कि दर्शकों को स्क्रीन पर एक फ्रेश और एंटरटेनिंग अनुभव मिले। लोकेशन, कॉस्ट्यूम, लाइटिंग और कैमरा एंगल से लेकर हर छोटी चीज पर खास ध्यान दिया गया है।''

रत्नाकर कुमार ने आगे कहा, ''माही ने पूरे जोश के साथ गाने पर परफॉर्म किया है, वहीं गोल्डी यादव की आवाज ने इसकी एनर्जी को और बढ़ा दिया। हमारी टीम ने इस गाने को दर्शकों के मनोरंजन को ध्यान में रखकर तैयार किया है और हमें खुशी है कि रिलीज के बाद इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।''



गाने में माही श्रीवास्तव का अलग स्वैग देखने को मिल रहा है। रेट्रो लुक में तैयार किए गए इस गाने में पुराने दौर की झलक के साथ आज के डांस और म्यूजिक ट्रेंड का भी इस्तेमाल किया गया है। माही के एक्सप्रेशन और डांस स्टेप्स गाने की बीट्स के साथ मैच कर रहे हैं। यही वजह है कि गाना रिलीज होने के बाद दर्शकों का ध्यान खींच रहा है।

वहीं, माही श्रीवास्तव ने भी इस गाने को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, ''गाने 'नागिन जैसे डांस' मेरे लिए खास है। इसमें परफॉर्म करते हुए मैंने डांस और एक्सप्रेशन के जरिए गाने को ज्यादा से ज्यादा एंटरटेनिंग बनाने की कोशिश की है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को मेरा यह नया अंदाज पसंद आएगा और वे गाने को अपना प्यार और समर्थन देते रहेंगे।''

'नागिन जैसे डांस' को गोल्डी यादव ने अपनी आवाज दी है। गाने के बोल एलसी परवीन ने लिखे हैं, जबकि इसका म्यूजिक आर्या शर्मा ने तैयार किया है। म्यूजिक में रेट्रो फ्लेवर के साथ मॉडर्न बीट्स का इस्तेमाल किया गया है। गाने को वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल चैनल पर रिलीज किया गया है।

पार्टी-इवेंट्स में हर जगह नजर नहीं आते अर्जुन बिजलानी, बताया क्यों रखते हैं दूरी



विश्व केसरी

नई दिल्ली। 'नागिन' और 'इश्क में मरजावां' जैसे पॉपुलर शोज से टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके एक्टर अर्जुन बिजलानी लंबे समय से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। उनका मानना है कि इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए हर पार्टी, इवेंट या पार्टियों में नजर आना जरूरी नहीं है। इसके बजाय लोगों से मिलना-जुलना और रिश्ते बनाना जरूरी है। किसी कलाकार का काम ही आखिरकार उसकी पहचान बनाता है। मीडिया को दिए इंटरव्यू में अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''मुझे लोगों से मिलना-जुलना पसंद है, लेकिन मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जिसे हर जगह मौजूद रहना जरूरी लगता है। मैं हर जगह दिखने से ज्यादा सच्चे कनेक्शन को महत्व देता हूं।''

अर्जुन ने आगे कहा, ''एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में सोशल गैदरिंग और लोगों के साथ अच्छे रिश्ते बनाना काफी मायने रखता है। यहां काम के साथ-साथ लोगों से जुड़ाव भी कई चीजों में मदद करता है। मेरा मानना है कि लंबे समय में किसी कलाकार की पहचान सिर्फ उसके सोशल सर्कल या इवेंट्स में मौजूदगी से नहीं बनती। आखिर में, आपका काम ही आपकी पहचान बनता है।''

अपनी पर्सनैलिटी के बारे में बात करते हुए अर्जुन ने कहा, ''मैं खुद को पूरी तरह इंट्रोवर्ट या एक्स्ट्रोवर्ट नहीं मानता। मेरे अंदर दोनों तरह की खूबियां हैं। मैं थोड़ा-थोड़ा दोनों हूं। जब मैं सहज महसूस करता हूं तो सोशल होता हूं, लेकिन मुझे खुद में रहना भी पसंद है। मुझे लगता है कि यह मुझे अपने किरदारों में अलग-अलग शेड्स लाने में मदद करता है।''

एक्टर्स की प्रोफेशनल लाइफ का एक बड़ा हिस्सा बन चुके सोशल मीडिया पर अर्जुन ने कहा, ''आपको बस सोशल मीडिया के साथ कदम मिलाकर चलना है, लेकिन इसे अपनी जिंदगी पर हावी नहीं होने देना है।

जब मैं अपने परिवार के साथ होता हूं तो कोशिश करता हूं कि सोशल मीडिया से दूर हो जाऊं और उस पल को एन्जॉय करूं। सोशल मीडिया आज निश्चित तौर पर जरूरी है, लेकिन यह टैलेंट और अच्छे काम की जगह नहीं ले सकता।

'मेरी हिम्मत, मेरा सुकून', नेहा धूपिया ने अपनी मां के लिए जन्मदिन पर लिखा खास नोट



विश्व केसरी

मुंबई। एक्ट्रेस और टीवी पर्सनैलिटी नेहा धूपिया ने अपनी मां मनपिंदर धूपिया को जन्मदिन की दिल से बधाई दी। उन्होंने अपनी मां को अपना सहारा, सुकून और खास इंसान बताया। नेहा ने अपनी मां की अच्छी सेहत और खुशी की भी कामना की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस ने अपनी मां की कई तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थडे मां... मेरा सहारा, मेरा सुकून, मेरा खास इंसान... हम हर दिन आपको सेलिब्रेट करते हैं... आपकी अच्छी सेहत और खुशी से बढ़कर मैं और कुछ नहीं चाहती... बाकी बातें हमारी पसंदीदा चाय-कॉफी के समय पर होंगी।'

तस्वीरों में नेहा अपनी मां के साथ पोज देती दिख रही हैं। एक तस्वीर में मां-बेटी की जोड़ी अमृतसर के गोल्डन टेम्पल में आशीर्वाद लेती दिख रही है, जबकि एक और कैंडिड पल में वे खुलकर हंसती हुई नजर आ रही हैं। नेहा ने बर्थडे केक की झलक दिखाने वाला एक वीडियो भी शेयर किया।

नेहा धूपिया का अपनी मां मनपिंदर 'बबली' धूपिया के साथ बहुत करीबी और खास रिश्ता है। वह उन्हें अपनी ताकत और सपोर्ट का सबसे बड़ा जरिया मानती हैं। एक्ट्रेस ने अक्सर बताया है कि उनकी मां उनकी राजदार रही हैं और वे पर्सनल और प्रोफेशनल मामलों में सलाह के लिए उन्हीं के पास जाती हैं।

नेहा ने अक्सर एक पेरेंट के तौर पर अपने सफर के लिए अपनी मां को प्रेरणा माना है। पति अंगद बेदी के साथ अपने बच्चों, मेहर और गुरिक के आने के बाद, उन्होंने कहा है कि वह अपनी बेटी के लिए वैसी ही प्यार करने वाली और सपोर्टिव मां बनना चाहती हैं, जैसी उनकी मां उनके लिए रही हैं। एक इंटरव्यू में, 'जूली' एक्ट्रेस ने बताया था कि कैसे उनकी मां उनके करियर और पारिवारिक जीवन के मुश्किल दौर में उनके साथ खड़ी रहीं। नेहा ने बताया था कि जब वह 'एमटीवी रोडीज' में काम कर रही थीं और अपनी छोटी बेटी की देखभाल कर रही थीं।

जब लता मंगेशकर को चुभ गया था दिलीप कुमार का मजाक, फिर मौलाना से ली उर्दू की तालीम

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत की स्वर कोकिला कही जाने वाली लता मंगेशकर की आवाज से शायद ही कोई अनजान हो। उन्होंने हिंदी ही नहीं, बल्कि मराठी और बंगाली जैसी कई दूसरी भाषाओं में भी अपनी आवाज का जादू बिखेरा। उनकी गायकी में शब्दों का उच्चारण, भाव और आवाज की मिठास इतनी खास थी कि हर गीत सीधे दिल तक पहुंचता था, लेकिन क्या आप जानते हैं कि लता मंगेशकर ने अपने उर्दू उच्चारण को बेहतर बनाने के लिए बाकायदा उर्दू की तालीम ली थी। इसके पीछे का दिलचस्प किस्सा मशहूर अभिनेता दिलीप कुमार से जुड़ा है।

लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 को इंदौर में हुआ था। कम उम्र से ही उनका जुड़ाव संगीत से हो गया था। पिता दीनानाथ मंगेशकर से संगीत की शुरुआती शिक्षा लेने के बाद उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर फिल्मी दुनिया में अलग पहचान बनाई। कहा जाता है कि साल 1947 में संगीतकार अनिल विश्वास ने लता मंगेशकर की मुलाकात अभिनेता दिलीप कुमार से कराई थी। यह मुलाकात बेहद खास थी, क्योंकि उस समय लता अपने करियर के शुरुआती दौर में थीं और दिलीप कुमार फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा नाम बन चुके थे। दिलीप कुमार को जब पता चला कि लता मंगेशकर महाराष्ट्रीयन हैं, तो उन्होंने उनके उर्दू उच्चारण को लेकर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जो गायक उर्दू भाषा से अच्छी तरह परिचित नहीं होते, उन्हें उर्दू के शब्दों के सही उच्चारण में परेशानी होती है।

'रोहित शर्मा में दिखती थी विव रिचर्ड्स की झलक', सुनील शेट्टी ने किया शो में खुलासा

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी का क्रिकेट के लिए प्यार किसी से छिपा नहीं है। वह अक्सर क्रिकेट से जुड़ी अपनी कई पुरानी यादें शेयर करते रहते हैं। अब उन्होंने भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा के साथ अपने पुराने कनेक्शन को याद किया।

दरअसल, वह 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' में गेस्ट बनकर पहुंचे। इस दौरान सुनील शेट्टी ने बताया कि वह रोहित को तब से फॉलो करते आ रहे हैं, जब वह महज 16-17 साल के थे। उन्हें रोहित के खेल में महान क्रिकेटर सर विव रिचर्ड्स की झलक दिखाई देती थी।

क्रिकेट के प्रति अपने इसी जुनून पर बात करते हुए सुनील शेट्टी ने कहा, 'दुनिया जानती है कि मैं क्रिकेट का कितना बड़ा दीवाना हूं। शायद इन खिलाड़ियों ने मैदान पर जितना क्रिकेट नहीं खेला होगा, उतना मैंने अपने ख्यालों में खेला है। पहले के जमाने में जब टीवी पर मैच नहीं आते थे, तब मैं इंडो-अमेरिकन सोसायटी जाता था ताकि वहां सिर्फ तेज गेंदबाजों के वीडियो क्लिपिंग्स और उनके फुटेज देख सकूं।'



सुनील शेट्टी ने आगे कहा, ''सर विव रिचर्ड्स मेरे हमेशा फेवरेट क्रिकेटर रहे थे और आज भी मेरे फेवरेट ही हैं। रोहित जब 16-17 साल के थे, तब से मैं उन्हें फॉलो करता आ रहा हूं। मुझे रोहित के अंदाज में सर विव रिचर्ड्स की झलक दिखाई देती थी। मैं उस वक्त भी बोलता था कि अगर सर विव रिचर्ड्स की कोई मुझे याद दिलाता है, तो वह रोहित शर्मा हैं।''

सुनील की इस बात पर रोहित ने भी अपने शुरुआती दिनों की एक याद साझा की और बताया कि वह करीब 16 साल के थे, जब पहली बार उनकी मुलाकात सुनील शेट्टी से हुई थी।

रोहित ने कहा, ''उस समय मैं इंडियन ऑयल के लिए क्रिकेट खेल रहा था और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के मैदान पर मैच चल रहा था। मैं बल्लेबाजी के लिए तैयार होकर बैठा हुआ था, तभी मुझे पता चला कि सुनील शेट्टी वहां आने वाले हैं। यह सुनकर मुझे हैरानी हुई कि सुनील शेट्टी आखिर ये मैच देखने क्यों आ रहे हैं।''

रोहित ने आगे कहा, ''बाद में समझ आया कि सुनील शेट्टी का क्रिकेट के लिए प्यार कितना गहरा है। उस दौरान वह मेरे मेंटर पीवी शेट्टी के साथ बैठे थे। पीवी शेट्टी ने मुझे क्रिकेट के शुरुआती दिनों में काफी मदद की थी। उन्होंने मुझसे कहा था कि मुझे सुनील शेट्टी से मिलना चाहिए, क्योंकि उन्हें क्रिकेट बहुत पसंद है।

अमेरिका और ईयू ने खारिज किया भविष्य की महामारियों से निपटने वाला यूएन का घोषणापत्र

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) ने संयुक्त राष्ट्र के उस घोषणापत्र को खारिज कर दिया है, जिसका मकसद भविष्य में आने वाली महामारियों से निपटने के लिए दुनिया के देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। हालांकि, भारत और जर्मनी ने दस्तावेज के कुछ हिस्सों पर चिंता जताई, लेकिन इसका विरोध नहीं किया। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई है।

इस घोषणापत्र पर शुक्रवार को न्यूयॉर्क में महामारी की रोकथाम, तैयारी और उससे निपटने पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की दूसरी हाई-लेवल बैठक में विचार किया गया।

द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इटली ने भी इस दस्तावेज को साफ तौर पर खारिज कर दिया। यह घोषणापत्र कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। यानी यह सरकारों को यह तय करके नहीं देगा कि किसी स्वास्थ्य संकट या महामारी के दौरान उन्हें किस तरह से



कदम उठाने ही होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और जर्मनी ने घोषणापत्र के कुछ हिस्सों को लेकर आपत्ति जताई, लेकिन इसे खारिज नहीं किया। हालांकि, भारत ने खास तौर पर किन बातों पर आपत्ति जताई, इसकी जानकारी नहीं दी गई। अब इस दस्तावेज को आगे विचार के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा के पास भेजे जाने की उम्मीद है।

अमेरिका ने कहा कि बातचीत के दौरान कई बदलाव किए जाने के बावजूद घोषणापत्र में अब भी कुछ ऐसी भाषा मौजूद है, जो उसे मंजूर नहीं है।

अमेरिकी सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) की डायरेक्टर एरिका श्वार्ट्ज ने कहा कि इसमें ऐसे विवाद पैदा करने वाले विचार शामिल हैं, जिनकी परिभाषा को लेकर भी आम सहमति नहीं है। द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, श्वार्ट्ज ने कहा कि अमेरिका इस पूरे दस्तावेज का समर्थन करने की स्थिति में नहीं है। ट्रंप प्रशासन ने बातचीत के दौरान घोषणापत्र में कई बदलाव करने की मांग की थी।

अखबार के मुताबिक, इसके पहले के ड्राफ्ट में बराबरी, एकजुटता, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं, लैंगिक समानता, वैक्सीन तक पहुंच और अंतरराष्ट्रीय फंडिंग जैसे मुद्दों का जिक्र था।

ईरान ने हवाई प्रतिबंधों के जवाब में सैन्य कार्रवाई करने से किया इनकार

विश्व केसरी■



तेहरान। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल (एसएनएससी) सचिवालय ने बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि विमानन प्रतिबंधों के जवाब में ईरान कोई सैन्य जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा।

अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने एसएनएससी के फैसले से रूबरू कराया है।

एसएनएससी ने सेक्रेटरी मोहसेन रेजाई की हाल की टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किए जाने के जवाब में बयान जारी किया। रेजाई ने हवाई परिवहन के मुद्दे पर बात की थी, जिससे सवाल और कुछ उलझनें पैदा हो गई थीं।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एसएनएससी ने उन दावों को खारिज किया जिसमें ईरान की ओर से हवाई प्रतिबंधों के जवाब में सैन्य कार्रवाई की बात कही गई थी। साथ ही, यह भी कहा गया कि कुछ 'गैर-कानूनी' हवाई प्रतिबंधों को हटाने के लिए संबंधित देशों के साथ गंभीरता से बातचीत की जा रही है।

एसएनएससी ने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिबंधों का पालन करने वालों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के कई गैर-सैन्य तरीके हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर कुछ हवाई अड्डों पर लागू किया जा सकता है, हालांकि उम्मीद जताई गई कि स्थिति उस हद तक नहीं पहुंचेगी।

इस हफ्ते की शुरुआत में, अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा था कि बुधवार से 'दुनिया भर में सभी ईरानी एयरलाइंस बंद कर दी जाएंगी'। उन्होंने उन कंपनियों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की धमकी दी जो उन्हें हवाई सेवाएं देती हैं।

उन्होंने ब्रॉडकास्टर सीएनबीसी को बताया कि जब ईरानी विमान किसी हवाई अड्डे पर उतरते हैं।

संक्षिप्त खबर

डीआरसी में पलटी नाव, 12 लोगों की मौत और कई लापता

विश्व केसरी■



किंशासा, 27 सितंबर (आईएएनएस)। पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में किवु झील में एक नाव के पलटने से 12 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हैं। दुर्घटना शनिवार रात और रविवार सुबह के बीच हुई। नाव साउथ किवु प्रांत की राजधानी बुकावु से निकली थी और यात्रा के दौरान पलट गई। शुरुआती जानकारी के आधार पर स्थानीय मीडिया के हवाले से सिंहुआ ने बताया कि नाव पर 80 से ज्यादा लोग सवार हो सकते हैं। रविवार सुबह तक बचाव दल ने 12 शव बरामद किए और पांच लोगों को जीवित बचाया, जबकि बड़ी संख्या में लोग लापता हैं। खोज और बचाव अभियान जारी है। दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। 2 दिनों के भीतर ये ऐसी दूसरी दर्दनाक घटना है। गुरुवार (24 सितंबर) को ही टंगानिका झील में एक नाव पलट गई थी, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी और 49 लोगों को सकुशल बचा लिया गया था। खबरों के मुताबिक, जब नाव कांगो के मापेरा गांव के पास पलटी, तो उसमें लगभग 100 लोग और सामान लदा हुआ था। दरअसल, देश भर में कई नदियों और झीलों के कारण, डीआरसी में बहुत से लोगों के लिए नाव परिवहन का एक मुख्य और किफायती साधन है।

रांची में सीआरपीएफ जवान ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारी, मौत

विश्व केसरी■



रांची। रांची के तिरिल स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय में रविवार को एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक जवान की पहचान पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल के हैदरनगर थाना क्षेत्र स्थित इमलियाटीकर गांव निवासी भुनेश्वर पाल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, भुनेश्वर पाल तिरिल स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान उन्होंने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर सीआरपीएफ परिसर में अफरा-तफरी मच गई। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण जवान ने तुरंत दम तोड़ दिया। सहकर्मियों ने तत्काल इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों और विधानसभा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से दो इस्तेमाल किए गए कारतूस के खोखे बरामद किए हैं। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए फोरेंसिक साइंस लैब की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल की जांच कर फिंगरप्रिंट समेत अन्य तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में जवान द्वारा खुद को गोली मारने की बात सामने आई है। हालांकि, उसने यह कदम क्यों उठाया, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। सहकर्मियों से मिली प्रारंभिक जानकारी के आधार पर बताया जा रहा है।

'डिजिटल संसद' की ओर नेपाल के बढ़ते कदम, आरएसपी सांसद ने साझा किया 'भागीदारी का लेखा-जोखा'

विश्व केसरी■



काठमांडू। नेपाल में सांसदों (एमपी) की गतिविधियों से लेकर संसद के ऐतिहासिक दस्तावेजों तक, सब कुछ एक डिजिटल सिस्टम में लाने की तैयारी चल रही है। इसमें सांसदों का प्रोफाइल, राजनीतिक पार्टी से जुड़ाव, चुनाव क्षेत्र और दूसरी जरूरी जानकारी भी शामिल की जा रही है।

आरएसपी (राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी) सांसद शोभा खनल फेसबुक पर डिजिटल संसद का उत्साह साझा किया। एक स्क्रीनशॉट शेयर साझा किया, इसमें प्रतिनिधि सभा की बैठकों में 97 फीसदी हाजिरी के साथ उनकी सक्रिय भागीदारी दिखाई गई थी। खनल ने लिखा, 'अब डिजिटल टेक्नोलॉजी के जरिए सांसदों के काम को देखना मुमकिन है। जिन पर आप (जनता) नजर रखते आए हैं! अब आप बिल और कानूनी दस्तावेज, संसदीय बैठक की जानकारी, एजेंडा, संसदीय गतिविधियां और रिकॉर्ड ऑनलाइन देख सकते हैं।

सोशल मीडिया यूजर ने भी एक स्क्रीन शॉट साझा किया जिसमें हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की बैठकों में सबसे कम हाजिरी वाले नौ सांसदों की सूची थी। इसमें बताया गया कि फेडरल पार्लियामेंट अपनी नई वेबसाइट के साथ ज्यादा टेक-फ्रेंडली बन रही है। संसदीय बैठकों में सबसे कम हाजिरी वाले टॉप नौ सांसदों का रिकॉर्ड अब सबके पास है: पुष्प कमल दहल 17%, रबी लामिछाने 50%, और हरका संपंग 55% के साथ संसद में उपस्थित रहे। संघीय संसद की यह वेबसाइट अभी टेस्टिंग के दौर में है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां आम जनता, कानून बनाने वालों की प्रोफाइल से लेकर संसदीय गतिविधियों तक सब कुछ देख सकती है। फेडरल पार्लियामेंट, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और नेशनल असेंबली के कामकाज को बेहतर बनाने के लिए 'डिजिटल पार्लियामेंट' पहल पर काम कर रही है।

बीएलएफ का दावा, 'समूह की महिला यूनिट ने पाकिस्तान के नौ सुरक्षाकर्मियों को किया ढेर'

विश्व केसरी■



क्वेटा। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने दावा किया है कि समूह के नए महिला दस्ते 'करीमा आर्म्ड असॉल्ट डिवीजन' (केएएडी) के हालिया हमलों में पाकिस्तानी सैन्य बलों के नौ जवान मारे गए।

बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक, बीएलएफ प्रवक्ता मेजर ग्वाहराम बलूच ने एक बयान में कहा कि 22 सितंबर को तुरबत के पास जुशाक इलाके में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) राजमार्ग पर तीन वाहनों वाले क्विक रिस्पॉन्स फोर्स (क्यूआरएफ) के काफिले पर केएएडी ने हमला किया। समूह का दावा है कि हमले में छह सैन्यकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हुए।

प्रवक्ता के अनुसार, बीएलएफ की कुर्बान यूनिट ने भी इस अभियान में केएएडी का साथ दिया। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी बलों ने दोनों दस्तों को घेरने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मुकाबला करते हुए सुरक्षित वापसी की। हमले में कई सैन्य वाहनों को नुकसान पहुंचने का भी दावा किया गया। इस दौरान कुर्बान इकाई का एक लड़ाका चाकर मुराद उर्फ दिलीप जान भी मारा गया। ग्वाहराम बलूच ने दावा किया कि केएएडी ने बलूचिस्तान के कलात जिले की मंगुचर तहसील में क्वेटा-कराची राजमार्ग पर तीन स्थानों पर नाकेबंदी की। मंगुचर बाजार की ओर से बख्तरबंद वाहन और दो अन्य वाहनों में पहुंचे पाकिस्तानी बलों पर हमला किया गया, जिसमें दो सैन्यकर्मी मारे गए। समूह ने दावा किया कि इस दौरान कई सैन्य वाहनों को नुकसान पहुंचा।

तमिलनाडु सरकार का बड़ा फैसला, कानून-व्यवस्था विंग को आरटीआई के दायरे से किया बाहर

विश्व केसरी■



चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने अपने पब्लिक डिपार्टमेंट के कानून-व्यवस्था विंग को सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून से छूट देने का आदेश जारी किया है। इससे पुलिसिंग, विरोध-प्रदर्शन और सुरक्षा से जुड़े कई तरह के रिकॉर्ड तक आम लोगों की पहुंच सीमित हो जाएगी।

सरकार ने इस विंग को इंटेलिजेंस और सुरक्षा के काम में लगी संस्था के तौर पर वर्गीकृत किया है। इस आदेश का मतलब है कि अब आवेदक सामान्य आरटीआई अनुरोधों के जरिए इस विंग के पास मौजूद कई रिकॉर्ड हासिल नहीं कर पाएंगे।

हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सरकार के पास मौजूद कानून-व्यवस्था से जुड़ी हर जानकारी उपलब्ध नहीं होगी। जिन रिकॉर्ड्स पर इसका असर पड़ेगा, उनमें कानून-व्यवस्था से जुड़ी घटनाओं, सांप्रदायिक और जातीय झड़पों, पुलिस की गिरफ्तारी और हिरासत, कैदियों की मौत और पुलिस जांच रिपोर्ट मिलने से जुड़ी जांच कमिशन की नियुक्तियों के कागजात शामिल हैं।

इसमें मुख्य सचिव के निर्देशों पर होने वाली कानून-व्यवस्था की मासिक समीक्षा बैठकों और खास हालात से निपटने के लिए बुलाई गई विशेष बैठकों के रिकॉर्ड भी शामिल हैं। ऐसी बैठकों में अधिकारी अशांति का आकलन करने, पुलिसिंग व्यवस्था की समीक्षा करने और प्रशासन को क्या कदम उठाने चाहिए, इस पर फैसला लेने के लिए एक साथ आ सकते हैं। यह आदेश लोकसभा और राज्यसभा में कानून-व्यवस्था से जुड़े सवालों के जवाब के लिए तैयार की गई सामग्री पर भी लागू होता है।

इसमें छात्रों, किसानों और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शनों से जुड़े रिकॉर्ड के साथ-साथ मानहानि करने वाले लेख, समाचार क्लिपिंग और भाषण भी शामिल हैं।

टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर फिर हमला, भाजपा को ठहराया जिम्मेदार

विश्व केसरी■



कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक कुणाल घोष की कार पर लगातार दूसरे दिन हमले का मामला सामने आया है। शनिवार को हुगली के उत्तरपाड़ा में उनकी कार पर पत्थर और अंडे फेंके जाने की शिकायत के बाद रविवार सुबह बेलेघाटा-नारकेलडांगा इलाके में फिर उनकी कार को निशाना बनाए जाने का आरोप है।

कुणाल घोष ने कहा कि मुताबिक, कुछ लोगों ने उनकी कार का पीछा किया और हथौड़े से विंडशील्ड और पीछे का शीशा तोड़ दिया, जबकि ड्राइवर के बगल वाली खिड़की को भी नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावरों ने हथियार दिखाकर उन्हें धमकाया और भाजपा समर्थकों पर हमले का आरोप लगाया। इसके बाद कुणाल घोष क्षतिग्रस्त कार लेकर नारकेलडांगा थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। शनिवार की घटना में भी पुलिस ने हमले के लिए किसी पक्ष की जिम्मेदारी तय नहीं की थी।

कुणाल घोष ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'देखिए, आज फिर हम पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की गई। आज भगवान की कृपा से हम जिंदा हैं। कोलकाता शहर में रविवार को दिनदहाड़े जब मैं एक कार्यक्रम में जा रहा था, तब उन्होंने हम पर हमला किया। वे बाइक पर थे, उनके पास हथियार थे और उन्होंने गाड़ी की खिड़की का शीशा तोड़कर हमें बाहर खींचने की कोशिश की। उनके हाथों में रिवॉल्वर थीं। हमारी सुरक्षा टीम को भी अपनी रिवॉल्वर निकालनी पड़ीं। अभी हम सुरक्षा के लिए नारकेलडांगा पुलिस स्टेशन के अंदर आए हैं।

तेलंगाना : भारी बारिश के बाद भद्राचलम में गोदावरी नदी का जलस्तर बढ़ा

विश्व केसरी■



हैदराबाद। तेलंगाना के भद्राचलम में भारी बारिश के बाद गोदावरी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि ऊपर से आ रहे पानी के कारण नदी का स्तर बढ़ रहा है।

भद्राद्री कोठागुडेम जिले के मंदिर शहर भद्राचलम में रविवार सुबह नदी का जलस्तर 40 फीट को पार कर गया। अधिकारियों ने बताया कि दो दिन पहले जलस्तर सिर्फ 17 फीट था, जो शनिवार शाम को बढ़कर 25 फीट हो गया। रविवार सुबह यह 40 फीट तक पहुंच गया। भद्राचलम में स्नान घाट की कई सीढ़ियां पानी में डूब गई हैं। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने कहा कि ऊपर से पानी आना जारी है, इसलिए जलस्तर और बढ़ने की संभावना है। अगर जलस्तर 43 फीट तक पहुंचता है तो प्रशासन पहली बाढ़ की चेतावनी जारी करेगा।

उधर, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में वंशधारा नदी अभी भी उफान पर है। हालांकि नागावली नदी में बाढ़ का पानी कम हो गया है।

ऊपरी इलाकों में भारी बारिश और अन्य स्रोतों से पानी आने के कारण दोनों नदियों में बाढ़ तेज हो गई थी और जिला प्रशासन ने 25 सितंबर को नारायणपुरम एनिकट पर दूसरी बाढ़ की चेतावनी जारी की थी। श्रीकाकुलम के जिला कलेक्टर ने नदियों के किनारे बसे गांवों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

महाराष्ट्र में बाढ़ से कटे भामरागढ़ में तीन गंभीर मरीजों को हेलीकॉप्टर से पहुंचाया गया अस्पताल

विश्व केसरी■



गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के भामरागढ़ तहसील में लगातार बारिश और बाढ़ की स्थिति के बीच गंभीर मरीजों तक समय पर चिकित्सा सुविधा पहुंचाने के लिए प्रशासन ने तात्कालिक कदम उठाया है।

भामरागढ़ तहसील के तीन गंभीर मरीजों को हेलीकॉप्टर की मदद से हेडरी स्थित अस्पताल पहुंचाया गया। जिलाधिकारी अविश्यांत पंडा के मार्गदर्शन और निर्देश पर यह तत्काल राहत एवं चिकित्सा सहायता अभियान चलाया गया।

बाढ़ और अतिवृष्टि के कारण भामरागढ़ तहसील के कई दुर्गम क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित हुआ है। ऐसे हालात में गंभीर मरीजों को सामान्य मार्ग से अस्पताल तक पहुंचाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। इसी परिस्थिति को देखते हुए प्रशासन ने मरीजों को समय पर उच्चस्तरीय उपचार उपलब्ध कराने के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की। जानकारी के अनुसार, बिनागुंडा गांव से एक दिन पहले लाहेरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराई गई 7 वर्षीय संगीता चुक्कू उसेंडी की तबीयत गंभीर थी। उसकी स्थिति को देखते हुए उसे रविवार को लाहेरी से हेलीकॉप्टर के माध्यम से हेडरी ले जाया गया, जहां आगे का उपचार किया जा रहा है। इसी तरह, अपेक्षा ऋषी आलाम और रोशन चिना मडावी नामक दो अन्य मरीजों को भी गंभीर स्थिति को देखते हुए आगे के उपचार के लिए हेडरी स्थानांतरित किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन मरीजों में सिकलसेल से पीड़ित मरीज भी शामिल है, जिसके लिए समय पर उचित चिकित्सा उपचार मिलना आवश्यक था।

इस आपात स्थिति में चिकित्सा सहायता के लिए क्षेत्र में उपलब्ध लॉयड्स मेटल्स कंपनी के हेलीकॉप्टर का उपयोग किया गया।

स्क्वैश में अनाहत सिंह ने सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास



विश्व केसरी ■

नागोया। भारत की 18 वर्षीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने रविवार को विमेंस सिंगल्स में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इसी के साथ जूनियर वर्ल्ड चैंपियन अनाहत, भारत की पहली विमेंस सिंगल्स सिल्वर मेडलिस्ट बनीं। हालांकि, उन्हें फाइनल में मलेशिया की मौजूदा चैंपियन शिवसंगरी सुब्रमण्यम के हाथों 4-11, 4-11, 7-11 से हार का सामना करना पड़ा।

इस हार के साथ अनाहत ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने का पहला मौका भी चूक गईं, क्योंकि सिंगल्स इवेंट के विजेता को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए कोटा मिलना तय था, जहां स्क्वैश पहली बार शामिल हो रहा है।

नागोया किंजो फुतो एरिना में प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ी का मुकाबला मलेशिया की कहीं ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी से था। अनाहत को अपनी प्रतिद्वंद्वी के शानदार खेल का मुकाबला करने में मुश्किल हुई और उन्होंने पहला गेम 4-11 से गंवा दिया।

इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ी ने अपने मजबूत अटैक और डिफेंस से अगले दो गेम पर भी अपना दबदबा बनाए रखा। अनाहत को कोई खास मौका नहीं मिला और वह दूसरा गेम भी 4-11 के अंतर से हार गईं, जबकि मौजूदा चैंपियन ने शानदार खेल दिखाते हुए तीसरा गेम 11-7 से जीता।

उल्लेखनीय है कि अनाहत ने सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 6 सतोमी वातानाबे को दो गेम से पिछड़ने के बाद हराया था, जिसके साथ वह एशियन गेम्स के विमेंस सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी थीं।

इससे पहले, भारत के अभय सिंह को भी सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा था। मलेशिया के मौजूदा चैंपियन ईन यो एनजी ने शानदार खेल दिखाते हुए मेंस सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में भारतीय खिलाड़ी को 11-9, 11-5, 11-5 से मात दी।

रविवार को यह स्क्वैश में भारत का दूसरा पदक रहा। अभय, सौरव घोषाल के बाद इस इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने।



2027 विश्व कप फाइनल में लक्ष्य का पीछा करने को तैयार: विराट कोहली



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का सपना वनडे विश्व कप 2027 जीतना है। वह 2027 विश्व कप के फाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच विजयी पारी खेलना और भारत को चैंपियन बनाना चाहते हैं।

जियोस्टार के हवाले से कोहली ने कहा, 'मैं हमेशा से ऐसा व्यक्ति रहा हूं, जो हर गेम में वह खिलाड़ी बनना चाहता है जो गेम जिताए। मैं ऐसा ही बना हूं। यह मुझसे कभी दूर नहीं जाएगा। इसलिए, मेरा लक्ष्य टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा गेम जीतना है। मेरा सपना है कि फाइनल में स्कोर चेज करते हुए मैच जिताने वाली पारी खेलूं। अगर ऐसा होता है, तो बहुत अच्छा होगा। विश्व कप का खिताब जीतना सबसे ज्यादा जरूरी है।

कोहली ने जोर देकर कहा कि ट्रॉफी जीतने के लिए मैदान में उतरना सबसे संतोषजनक बात होगी, लेकिन बड़ा लक्ष्य हमेशा बड़ा ही रहता है। अगर मुझे ऐसा करने का मौका मिलता है, तो एक व्यक्ति के तौर पर बीच में रहकर, एक बल्लेबाज के तौर पर इससे ज्यादा संतोषजनक कुछ नहीं होता। आप खुद को टीम को मुश्किल से निकालते हुए देखते हैं। यही आपको इस लेवल पर कॉम्पिटिशन करने के लिए प्रेरित करता है। मैं उस प्रतियोगी सोच को जाने नहीं देना चाहता।

वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार को याद करते हुए कोहली ने कहा, 'उस हार का दुख है। कई दिनों तक समझना बहुत मुश्किल था। 2025 में आईपीएल जीतने से पहले, मुझे 2016 के फाइनल की यादें आती थीं। वर्ल्ड कप फाइनल के बारे में भी मुझे ऐसा ही लगता है। मैं 54 रन पर खेल रहा था और मैंने खुद को एक बड़ी सेंचुरी के लिए तैयार किया था। अगर मैं 140-150 रन बना लेता, तो हम वह गेम जीतने की स्थिति में होते।'

उन्होंने कहा, 'पूरा वर्ल्ड कप बहुत बढ़िया था। माहौल जबरदस्त था। टीम के अंदर, आप भाईचारा देख सकते थे। हर कोई एक-दूसरे के लिए खेलकर खुश था। हार्दिक जैसे खिलाड़ी को जल्दी खोने के बाद भी, हमने कभी इस बारे में बात नहीं की कि आगे क्या होगा, हालांकि वह जो लाता है, उसके हिसाब से यह एक बड़ा नुकसान था। लेकिन शमी आया, और आप जानते हैं कि वह क्या कर सकता है। इसलिए, सभी को लग रहा था कि यह हमारा वर्ल्ड कप है। पूरी तरह से एक अलग ऊर्जा थी, लेकिन जब खेल इस तरह बदल जाता है, तो इसे समझना बहुत मुश्किल होता है। क्रिकेट का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज माने जाने के सवाल पर कोहली ने कहा, 'मैं खुद को अब तक का सबसे अच्छा बल्लेबाज नहीं मानता। खेल के अलग-अलग समय पर अलग-अलग खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कुछ कमाल की चीजें की हैं, लेकिन हो सकता है कि उन्होंने उस तरह के नंबर जमा न किए हों।

अंकुश पुरुषों के 80 किग्रा सेमीफाइनल में पहुंचे



विश्व केसरी ■

निशियो। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन अंकुश पंघाल ने रविवार को यहां निशियो जिमनैजियम में पुरुषों के 80 किग्रा क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलीमोव को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और देश के लिए एक पदक सुनिश्चित कर दिया। मौजूदा एडिशन में बॉक्सिंग में यह पहला पदक होगा।

तीन राउंड के मुकाबले में अंकुश ने सलीमोव पर ज्यादातर समय दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहले दो राउंड सर्वसम्मति से जीते, जिसके बाद ताजिक बॉक्सर ने तीसरा राउंड जीता, लेकिन गेम का नतीजा नहीं बदल सके। कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट ने यह मुकाबला जीता।

अंकुश पहले दो राउंड में काफी हावी रहे, उन्होंने अपनी स्पीड, पंच और डिफेंस दिखाया, जबकि सलीमोव को भारतीय मुक्केबाज से मुकाबला करने में मुश्किल हुई। उन्होंने पहला राउंड 5-0 के स्कोर से जीता। पंघाल ने कुछ राइट हुक और 1-2 पंच लगाए। दूसरे राउंड में उन्होंने अपना जबरदस्त लेफ्ट हुक दिखाया और अपने काउंटर पंच से बहुत अच्छा मूव किया, जिससे उन्हें एक और 5-0 की जीत मिली।

नॉकडाउन के लिए बेताब सलीमोव ने आखिरी राउंड में वापसी की। उन्होंने अंकुश पर कुछ पंच मारे, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने अपना डिफेंस बनाए रखा और ताजिक मुक्केबाज ने तीसरा राउंड 4-1 से जीत लिया, लेकिन यह काफी नहीं था।

हरिता ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में जीता ब्रॉन्ज



विश्व केसरी ■

नागोया। भारत ने रविवार को एशियन गेम्स आइची-नागोया 2026 में स्प्रिंट इवेंट्स का समापन महिलाओं और पुरुषों की 200 मीटर फाइनल में अलग-अलग नतीजों के साथ किया। एक ओर, हरिता भद्रा ने कड़े मुकाबले में ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि अनिमेष कुजूर पुरुषों की रेस में पांचवें स्थान पर रहे।

हरिता भद्रा ने 23.20 सेकंड का समय लेकर महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं, सिंगापुर की वेरोनिका शांति परेरा ने (22.78 सेकंड) गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जबकि चीन की चेन युजी 22.93 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। हरिया की साथी उन्नति अयप्पा बोलैंड फाइनल में 23.46 सेकंड के समय के साथ छठे स्थान पर रहीं।

इस मेडल के साथ ही एशियन गेम्स में महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में पोडियम तक पहुंचने का भारत का इंतजार खत्म हो गया। इससे पहले, साल 2018 के गेम्स में दुती चंद ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। 23 वर्षीय हरिता इस कॉन्टिनेंटल इवेंट में 200 मीटर में मेडल जीतने वाली छठी भारतीय महिला भी बन गईं।

महाराष्ट्र की स्प्रिंटर हरिता भद्रा ने 65वीं नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने पर्सनल बेस्ट (23.14 सेकंड) के साथ नेशनल टाइटल जीता था, जिसके बाद वह इन गेम्स में उतरी थीं।

दूसरी तरफ, पुरुषों की 200 मीटर फाइनल में अनिमेष कुजूर पांचवें स्थान पर रहे। थाईलैंड के पुरीपोल बूनसन ने 100 मीटर और 200 मीटर स्प्रिंट में डबल जीत हासिल करते हुए अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने 19.88 सेकंड का समय लेकर एशियन रिकॉर्ड की बराबरी की।

हीट्स में शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में पहुंचे अनिमेष मेडल के लिए जरूरी रफ्तार नहीं दिखा पाए और एशियन गेम्स में 200 मीटर की अपनी दौड़ पांचवें स्थान पर खत्म की। उन्होंने 20.80 सेकंड में रेस पूरी की। इससे पहले अनिमेष इसी गेम्स में 100 मीटर के सेमीफाइनल में भी पहुंचे थे।

भारत 33 पदकों के साथ मेडल टैली में फिलहाल 12वें स्थान पर है।

महिला बॉक्सर परवीन ने मेडल किया पक्का, खमिदोवा को 5-0 से हराया



विश्व केसरी ■

निशियो। भारतीय महिला मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने रविवार को 65 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की नवबखोर खमिदोवा को 5-0 से मात दी। निशियो जिम्नेजियम में इस जीत के साथ परवीन ने एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए बॉक्सिंग का दूसरा मेडल सुनिश्चित किया।

भारतीय बॉक्सर ने सूझबूझ के साथ मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने अपनी रीच और स्पीड का इस्तेमाल करते हुए खमिदोवा को दूर रखा और सही मौकों पर पंच मारे। वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 की सिल्वर मेडलिस्ट उज्बेक बॉक्सर अपनी छाप छोड़ने में संघर्ष करती दिखीं, जबकि परवीन ने तेज कॉम्बिनेशन और काउंटर-अटैक का सहारा लेकर सभी पांच जजों के स्कोरकार्ड पर मुकाबला अपने नाम किया। खमिदोवा ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले राउंड में अपने लेफ्ट हुक से कुछ सफलता हासिल की, जिससे परवीन को बैक फुट पर खेलना पड़ा। हालांकि, परवीन ने तेज 'वन-टू' कॉम्बिनेशन और चुनिंदा काउंटर-अटैक से जवाब देते हुए राउंड में बढ़त बनाई। जजों ने यह राउंड 4-1 से उनके पक्ष में दिया। दूसरा राउंड भी कुछ इसी तरह का रहा। खमिदोवा ने दबाव बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन परवीन ने दूरी बनाए रखी और जब भी उज्बेक बॉक्सर आगे आईं, उन्हें मौका मिला।

आर्चरी में पुरुष और महिला टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत की कंपाउंड महिला और पुरुष टीमों ने रविवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में कजाकिस्तान और भूटान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिथा तानिपार्थी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रोक्साना यूनुसोवा, विक्टोरिया ल्यान और एडेल जेक्सेनबिनोवा को 233-230 से हराया।

क्वालीफिकेशन में दूसरे स्थान पर रही भारतीय टीम ने राउंड ऑफ 16 में मंगोलिया पर 238-223 से जीत के साथ शुरुआत की और फिर क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान को हराया।

कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुषों की टीम ने क्वार्टर फाइनल में भूटान के केजांग नोरबू, त्सेतुम गेत्शे और टंडिन दोरजी को 235-232 से हराया। भारतीय पुरुषों ने क्वालीफिकेशन में तीसरा स्थान हासिल किया और क्वार्टर फाइनल में भूटान को हराने से पहले राउंड ऑफ 16 में यूएई को 235-215 से हराया। दोनों टीमें सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया का सामना करेंगी। मेडल राउंड 30 सितंबर को होंगे।



कंपाउंड मिक्स्ड टीम कॉम्पिटिशन भी अहम होगा। एलए28 में इस डिसिप्लिन का ऐतिहासिक ओलंपिक डेब्यू होने वाला है, इसलिए एशियन गेम्स में एक कोटा स्थान उपलब्ध है, जिससे कॉन्टिनेंटल सम्मान की लड़ाई में एक और रोमांच जुड़ गया है।

कुल मिलाकर, एशियन गेम्स में एलए28 ओलंपिक गेम्स के लिए आठ कोटा स्थान उपलब्ध हैं। रिकर्व पुरुषों और महिलाओं के इंडिविजुअल इवेंट्स में दो-दो कोटा स्थान हैं, जबकि रिकर्व मिक्स्ड टीम और कंपाउंड मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप में से प्रत्येक में पुरुषों और महिलाओं के लिए एक-एक कोटा मिलेगा।

भारत ने हांगझोऊ 2023 में एशियन गेम्स के तीरंदाजी कैंपेन में अपना सबसे सफल प्रदर्शन किया, जिसमें उसने रिकॉर्ड नौ मेडल जीते। इनमें पांच गोल्ड, दो सिल्वर और दो ब्रॉन्ज हैं। कंपाउंड तीरंदाजों ने सभी पांच गोल्ड मेडल जीते, जबकि रिकर्व टीमों ने एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीता।

दूसरी तरफ, भारत की सुगर शांति गायेन और कमली प्रकाश अपनी-अपनी हीट जीतकर महिलाओं के शॉर्टबोर्ड इवेंट के राउंड 3 में पहुंच गईं।

सुगर शांति ने 7.33 (3.83+3.50) का स्कोर करके चीनी ताइपे की चेन वान-यू को हराया, जिन्होंने 5.40 का स्कोर किया, जबकि कमली ने 7.57 (4.17+3.40) का स्कोर करके सिंगापुर की कैमिली मैरी स्पैकारोटेला को हराया, जिन्होंने 4.50 का स्कोर किया।

स्क्वैश में अभय ने जीता सिल्वर

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में रविवार को मेंस सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में भारतीय खिलाड़ी अभय सिंह को मलेशिया के मौजूदा चैंपियन ईन यो एनजी के खिलाफ 9-11, 5-11, 5-11 से शिकस्त मिली, जिससे अभय को सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा।

इसी के साथ सौरव घोषाल के बाद अभय इस इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने। सौरव ने साल 2014 और 2023 में सिंगल्स इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किए थे। फाइनल में हारने के कारण अभय एलए 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने से चूक गए, जहां स्क्वैश पहली बार शामिल हो रहा है।

नागोया किंजो फुतो एरिना में 44 मिनट तक चला यह मुकाबला काफी कड़ा रहा, लेकिन धीरे-धीरे ईन ने अपना नियंत्रण बनाते हुए अभय को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। पिछले संस्करण के फाइनल में सौरव घोषाल को शिकस्त देने वाले मलेशियाई खिलाड़ी ने संभलकर शुरुआत करते हुए लंबी रैलियां कीं। अभय ने एक बेहतरीन बैकहैंड शॉट के साथ पहली बढ़त बनाई और कुछ समय के लिए 2-1 से आगे रहे।



ईन ने लगातार चार प्वाइंट्स जीतकर 6-3 की बढ़त बना ली, लेकिन अभय ने हार नहीं मानी। एक चालाकी भरे बैकहैंड विनर और एक स्ट्रोक कॉल की मदद से उन्होंने स्कोर 8-8 से बराबर कर लिया। हालांकि, ईन ने 10-8 पर दो गेम प्वाइंट्स हासिल किए और अभय द्वारा एक प्वाइंट्स बचाने के बावजूद पहला गेम 11-9 से जीत लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में अभय ने 2-2 से बराबरी बनाए रखी, लेकिन लगातार गलतियों के कारण ईन ने 7-3 की बढ़त बना ली। डिफेंडिंग चैंपियन ने दबाव बनाए रखा और 10-5 के स्कोर पर पांच गेम प्वाइंट्स हासिल किए, जिसके बाद उन्होंने 2-0 की बढ़त के साथ गेम अपने नाम कर लिया।

तीसरे गेम में अभय ने अच्छी शुरुआत की।

सटीक बैकहैंड स्लाइस और क्रॉसकोर्ट किल के कॉम्बिनेशन से वे 4-2 से आगे हो गए।

सरकार ने कैप्टिव कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को उपलब्ध पूरी क्षमता पर चलाने का दिया निर्देश



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बिजली की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बिजली मंत्रालय ने बिजली अधिनियम की धारा 11 लागू करते हुए 50 मेगावाट और उससे अधिक क्षमता वाले कैप्टिव कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को अधिकतम बिजली उत्पादन करने का निर्देश दिया है।

मंत्रालय ने कहा कि यह निर्णय मौजूदा मांग-आपूर्ति की स्थिति और बिजली की खपत में संभावित बढ़ोतरी को देखते हुए लिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, देशभर के उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं।

बिजली अधिनियम की धारा 11 के तहत सरकार को असाधारण परिस्थितियों में बिजली उत्पादन कंपनियों को आधिकारिक निर्देशों के अनुरूप अपने बिजली संयंत्र संचालित करने का निर्देश देने का अधिकार है।

इन शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए मंत्रालय ने पात्र कैप्टिव कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को अपनी उपलब्ध क्षमता का अधिकतम उपयोग करते हुए बिजली उत्पादन करने को कहा है।

मंत्रालय ने कहा कि देश में बिजली की कुल उपलब्धता को बेहतर बनाने के लिए कैप्टिव बिजली संयंत्रों समेत बिजली उत्पादन के सभी स्रोतों की क्षमता का पूरी तरह उपयोग करना जरूरी है। निर्देशों के अनुसार, बिजली उत्पादकों को अपनी कैप्टिव जरूरतें पूरी करने के बाद बची हुई बिजली को लागू बाजार नियमों और प्रक्रियाओं के तहत पावर एक्सचेंजों पर बेचने की पेशकश करनी होगी।

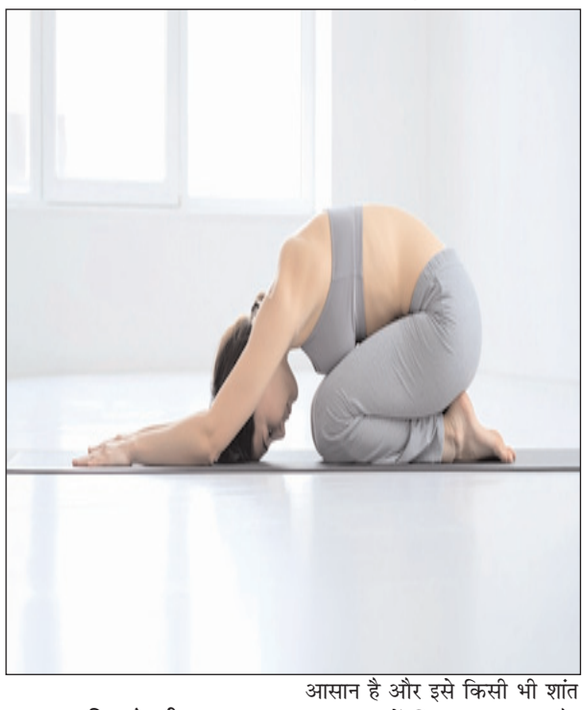
इस कदम से बाजार में बिजली की उपलब्धता बढ़ने और पीक डिमांड को पूरा करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

यह आदेश 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक लागू रहेगा। इस अवधि के दौरान बिजली उत्पादन कंपनियों को पर्याप्त कोयला भंडार बनाए रखने का भी निर्देश दिया गया है, ताकि ईंधन की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित हो और अधिकतम बिजली उत्पादन जारी रखा जा सके।

निगरानी को सुगम बनाने के लिए मंत्रालय ने बिजली उत्पादकों को केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) को साप्ताहिक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। इन रिपोर्टों में बिजली उत्पादन, कैप्टिव खपत, पावर एक्सचेंजों और अन्य स्वीकृत माध्यमों से बिजली की बिक्री, उपलब्ध उत्पादन क्षमता तथा कोयला भंडार के स्तर की जानकारी शामिल होगी।

सरकार को उम्मीद है कि इस कदम से देशभर में बिजली की उपलब्धता बढ़ेगी और साल की अंतिम तिमाही में बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। इसके तहत अतिरिक्त कैप्टिव बिजली उत्पादन क्षमता को ग्रिड में लाया जाएगा।

क्या आप भी हैं तनाव और खराब पाचन से परेशान? रोज करें ये योगासन, मिलेंगे जबरदस्त फायदे



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग हमारे शरीर और मन को स्वस्थ रखने का सबसे प्राकृतिक तरीका है। ऐसे ही एक सरल और लाभकारी योगासन का नाम है शशकासन। शशक शब्द का अर्थ होता है खरगोश। इस आसन के अभ्यास के दौरान शरीर की आकृति खरगोश जैसी बन जाती है, इसलिए इसे शशकासन कहा जाता है। यह आसन दिखने में जितना सरल है, इसके लाभ उतने ही प्रभावशाली हैं।

आयुष मंत्रालय के मुताबिक शशकासन का अभ्यास बहुत ही आसान है और इसे किसी भी शांत वातावरण में किया जा सकता है। सबसे पहले योग मैट पर वज्रासन में बैठ जाएं। आपकी रीढ़ सीधी होनी चाहिए। अब दोनों पैरों के घुटनों को धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर फैलाएं, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि पैरों के अंगूठे आपस में मिले हुए रहें।

गहरी श्वास लेते हुए अपनी दोनों हथेलियों को घुटनों के बीच जमीन पर रखें। अब धीरे-धीरे श्वास छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें और अपनी ठुड्डी को जमीन पर टिकाने का प्रयास करें। इस स्थिति में दोनों भुजाओं को समानांतर और सीधा रखें। सामने की ओर देखें और सामान्य गति से श्वास लेते हुए 10 से 30 सेकंड तक इस स्थिति में बने रहें। इसके बाद धीरे-धीरे वापस वज्रासन की स्थिति में आ जाएं। शुरुआत में इस आसन को अपनी क्षमता के अनुसार ही करें और धीरे-धीरे समय अवधि बढ़ाएं।

शशकासन के नियमित अभ्यास से कई शारीरिक और मानसिक लाभ मिलते हैं। यह आसन तनाव और चिंता को कम करने में बेहद मददगार है। जब हम आगे झुकते हैं, तो मन शांत होता है और मस्तिष्क को आराम मिलता है। यह आसन पाचन तंत्र के लिए वरदान है। यह कब्ज से मुक्ति दिलाता है, पाचन क्रिया को मजबूत बनाता है और पेट संबंधी विकारों को दूर करता है। इसके अलावा यह जननांगों में कसावट लाने, पीठ दर्द में राहत देने और रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने में भी सहायक है।

हालांकि शशकासन एक सरल आसन है, फिर भी कुछ स्थितियों में इसे करने से बचना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को अत्यधिक पीठ दर्द है, तो उसे इस आसन का अभ्यास नहीं करना चाहिए। साथ ही, जो लोग घुटनों से संबंधित ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित हैं, उन्हें भी शशकासन करने से परहेज करना चाहिए। किसी भी गंभीर स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में योग विशेषज्ञ या डॉक्टर से सलाह अवश्य लें।

क्यों जरूरी है खाने में विविधता? आयुर्वेद से जानिए परफेक्ट थाली का सीक्रेट

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। अच्छी सेहत के लिए सिर्फ पेट भरना ही काफी नहीं है, बल्कि खाने में पोषण और विविधता होना भी जरूरी है। आयुर्वेद में भी संतुलित और पौष्टिक आहार को स्वस्थ जीवन का अहम हिस्सा माना गया है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए आयुष मंत्रालय ने लोगों को रोजाना के भोजन में अलग-अलग खाद्य समूहों को शामिल करने की सलाह दी है।

आयुर्वेद दिवस 2026 की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' रखी गई है और यह 23 सितंबर को मनाया जाएगा। इस मौके पर आयुष मंत्रालय की ओर से खान-पान को लेकर भी जागरूक किया जा रहा है। मंत्रालय के मुताबिक, रोज के भोजन में अलग-अलग तरह के खाद्य पदार्थ शामिल करने के साथ मौसम और क्षेत्र के अनुसार मिलने वाले खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

हमारी रोज की थाली में अनाज की अहम भूमिका होती है। लेकिन हर दिन एक ही अनाज खाने के बजाय अलग-अलग अनाजों को भोजन का हिस्सा बनाना चाहिए। गेहूं और चावल के अलावा ज्वार, बाजरा, जौ, रागी, मक्का और कोदो जैसे अनाज भी आहार में शामिल किए जा सकते हैं।

दालें और फलियां भारतीय भोजन का अहम हिस्सा हैं। आयुष मंत्रालय ने आहार में अलग-अलग तरह की दालों और फलियों को शामिल करने पर जोर दिया है। मूंग, काला चना, मोठ, मसूर, अरहर, राजमा और चना जैसे विकल्पों को अपनी डाइट में जगह दी जा सकती है। इन्हें दाल, सब्जी, सलाद या अन्य पारंपरिक व्यंजनों के रूप में भोजन का हिस्सा बनाया जा सकता है।

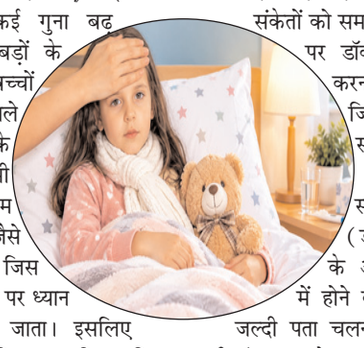
आयुर्वेद में मौसम और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार भोजन करने की परंपरा रही है। इसलिए कोशिश करें कि अपने क्षेत्र में मौसम के दौरान आसानी से उपलब्ध ताजे फल और सब्जियों को भोजन में शामिल करें। पालक, मेथी, गाजर, कद्दू, केला, सेब और अनार जैसे फल-सब्जियां शामिल की जा सकती हैं।

भारतीय रसोई में मसालों का इस्तेमाल सिर्फ स्वाद बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि पारंपरिक भोजन का अहम हिस्सा भी रहा है। जीरा, दालचीनी, सोंठ, लहसुन, इलायची, अजवाइन, हल्दी और काली मिर्च जैसे मसालों को उचित मात्रा में रोज के भोजन में इस्तेमाल किया जा सकता है।

बच्चों में दिखें ये 5 लक्षण तो हो जाएं सावधान, हो सकता है कैंसर का शुरुआती संकेत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बच्चों में कैंसर का पता चलते ही माता-पिता के मन में डर बैठ जाता है, लेकिन समय रहते अगर इसकी पहचान हो जाए, तो इलाज की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। बड़ों के मुकाबले बच्चों में होने वाले कैंसर के लक्षण भी आम बीमारियों जैसे लगते हैं, जिस वजह से इन पर ध्यान नहीं दिया जाता। इसलिए जरूरी है कि माता-पिता, शिक्षक और परिवार के लोग बच्चों में दिखने वाले छोटे-छोटे बदलावों को भी गंभीरता से लें।



लगातार बुखार आना, बिना कारण वजन कम होना, शरीर पर नीले निशान, गांठ बनना, आंखों में चमक या सिरदर्द और उल्टी जैसे कुछ शुरुआती चेतावनी संकेत हैं जो शरीर हमें पहले ही दे देता है। इन संकेतों को समझना और समय पर डॉक्टर से संपर्क करना ही बच्चे की जिंदगी बचा सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, बच्चों में होने वाले कैंसर का जल्दी पता चलना उनके बचने की संभावना को काफी हद तक बढ़ा देता है, चूंकि बचपन के कैंसर के कई लक्षण सामान्य सर्दी-जुकाम या वायरल संक्रमण जैसे दिखते हैं, इसलिए माता-पिता और डॉक्टरों के लिए इसके शुरुआती चेतावनी संकेतों को पहचानना बेहद जरूरी है तो चलिए आपको बच्चों में कैंसर के कुछ प्रमुख शुरुआती संकेत के बारे में बताते हैं, जो इस प्रकार होते हैं।

बिना वजह लगातार बुखार: यह बच्चों में सबसे आम कैंसर है। कैंसर सेल्स बोन मैरो में नॉर्मल सेल्स की जगह ले लेते हैं। इससे शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और शरीर संक्रमण से लड़ नहीं पाता, इसलिए लगातार बुखार बना रहता है। साथ ही कैंसर सेल्स खुद ऐसे केमिकल्स (पायरोजन) छोड़ते हैं जो दिमाग के टेम्परेचर सेंटर को बढ़ा देते हैं।

असामान्य गांठ या सूजन: लसिका ग्रंथियों में कैंसर सेल्स जमा होने से बिना दर्द वाली गिल्टियां बन जाती हैं। अगर 2 हफ्ते से ज्यादा है, बुखार और वजन कम होने के साथ है, तो तुरंत जांच जरूरी है। गांठ का मतलब है कैंसर सेल्स एक जगह इकट्ठा हो रहे हैं। समय पर इलाज न मिलने पर ये खून के जरिए फेफड़े, लीवर, दिमाग तक फैल सकते हैं।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist
Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home



Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) 9111677722
Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Gariyaband(C.G.) 7509007388
drprajwalsoni@gmail.com

पाकिस्तान: सरकारी अस्पताल में डायलिसिस करा रहे चार मरीज एचआईवी पॉजिटिव

विश्व केसरी ■

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब स्थित टीएचक्यू (तहसील हेडक्वार्टर हॉस्पिटल) टाउनसा अस्पताल ने 2024 से 2025 के बीच 331 बच्चों को संक्रमण बांटा। तो अब मियां चन्नू के टीएचक्यू में डायलिसिस करवा रहे चार मरीज एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं, जिससे दक्षिण पंजाब के हेल्थकेयर सेंटर्स में इन्फेक्शन-कंट्रोल के तरीकों को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं।

पाकिस्तानी दैनिक 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआती जांच के बाद अस्पताल में डायलिसिस करवा रहे मरीजों (जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं) में इस जानलेवा वायरस की पुष्टि हुई। अस्पताल प्रशासन ने उन्हें आगे की मेडिकल जांच और इलाज के लिए निश्तर हॉस्पिटल मुल्तान भेज दिया है और वे अभी वहां इलाज करवा रहे हैं।

मियां चन्नू अस्पताल के अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि इस सेंटर में 60 से ज्यादा मरीज डायलिसिस करवा रहे थे और डायलिसिस की प्रक्रिया से एचआईवी नहीं फैल सकता। उन्होंने कहा कि वे स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

हालांकि, सूत्रों का कहना है कि डायलिसिस करवाने वाले कुछ और मरीज भी एचआईवी पॉजिटिव हो सकते हैं, लेकिन अधिकारियों ने और मामलों की पुष्टि नहीं की। हाल के वर्षों में, पंजाब के हेल्थकेयर सेंटर्स में एचआईवी के कई मामले सामने आए हैं। नवंबर 2024 में, निश्तर हॉस्पिटल में किडनी के लगभग 30 मरीजों को डायलिसिस के दौरान एचआईवी होने की बात सामने आई थी।

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में खसरे का प्रकोप बढ़ा, इस साल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 890

विश्व केसरी ■

वाशिंगटन/पेंसिल्वेनिया। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य में खसरे के प्रकोप बढ़ रहा है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, 23 सितंबर के बाद दो दिनों में ही खसरे के 55 नए मामले रिकॉर्ड हुए। इन नए आंकड़ों के साथ ही 2026 में राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 890 हो गई है।

पेंसिल्वेनिया स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को इसे लेकर रिपोर्ट साझा की थी। जिसमें बताया गया कि खसरे के मामले अब राज्य की 39 काउंटियों में सामने आ चुके हैं। इस साल अब तक 173 संक्रमित लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है, जबकि खसरे से जुड़ी चार मौत दर्ज की गई हैं।

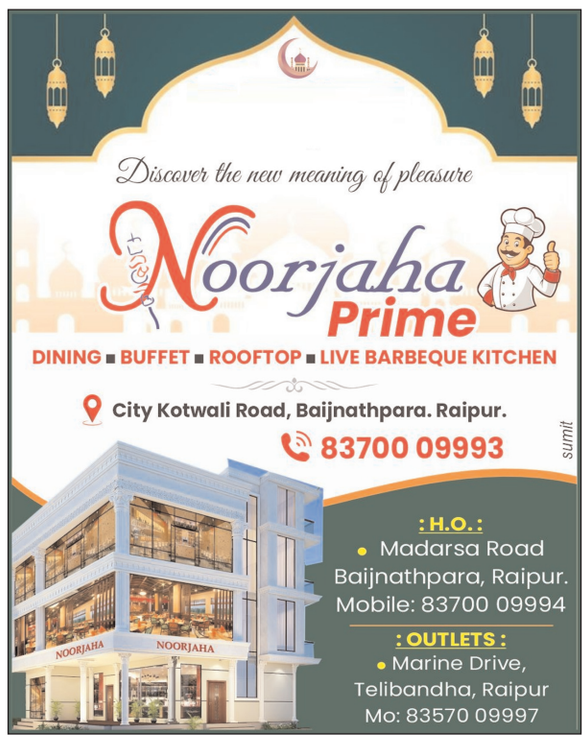
राज्य के आंकड़ों के अनुसार, संक्रमित लोगों में एक प्रतिशत से भी कम ऐसे हैं, जिन्हें खसरे, गलसुआ (मम्प्स) और रूबेला यानी एमएमआर का टीका लग चुका था। वहीं करीब 31 प्रतिशत मामले 18 वर्ष से कम उम्र के लोगों के हैं। लैंकेस्टर काउंटी में सबसे ज्यादा 359 मामले दर्ज किए गए हैं।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्य में यह प्रकोप अप्रैल के अंत में शुरू हुआ था। इसके बाद पीड़ित इलाकों में टीकाकरण अभियान तेज किया गया। अब तक 165 अस्थायी टीकाकरण केंद्रों पर 5,300 से अधिक एमएमआर टीके लगाए जा चुके हैं। राज्यभर में स्वास्थ्य केंद्रों के जरिए 2026 में अब तक 7,900 से अधिक एमएमआर खुराक दी गई हैं। आगामी हफ्तों और महीनों में कई और टीकाकरण शिविर लगाए जाने की योजना है।

अमेरिका में भी इस साल खसरे के मामले तेज गति से बढ़ रहे हैं।









भारत के युवाओं को अशोक सिंहल के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिएः अमित शाह

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत के युवाओं को विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंहल के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

यह बात उन्होंने दिल्ली के भारत मंडपम में अशोक सिंहल जन्मशताब्दी वर्ष के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए कही। कार्यक्रम का आयोजन विश्व हिंदू परिषद और अशोक सिंहल फाउंडेशन ने किया।

अमित शाह ने भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना, हिंदू समाज के संगठन और श्री राम जन्मभूमि आंदोलन को अपना जीवन समर्पित करने वाले इस युगदृष्टा नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में अशोक सिंहल के प्रेरणा दायी जीवन, दूरदर्शी विचारों और देश-समाज के लिए उनके अतुलनीय योगदान को याद किया गया। रामभक्तों से खचाखच भरे सभागार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अशोक सिंहल ने अपना पूरा जीवन देश, समाज और भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में लगा दिया। राम जन्मभूमि आंदोलन में उनका योगदान और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव अविस्मरणीय रहेगी।

गृह मंत्री ने आगे कहा कि विश्व हिंदू परिषद व अशोक सिंहल फाउंडेशन उनकी जन्म शताब्दी मनाकर और उनके जीवन, मूल्यों व योगदान को जन-जन, विशेषकर युवाओं तक पहुंचाकर सराहनीय कार्य कर रहा है। यह शताब्दी समारोह युवा पीढ़ी के लिए उन आदर्शों को समझने और राष्ट्र-समाज के प्रति समर्पित जीवन से प्रेरणा लेने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह पहल उनके विचारों और विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक ले जाने में मील का पत्थर साबित होगी।

कार्यक्रम में परम पूज्य युगपुरुष महामंडलेश्वर स्वामी परमानंद गिरि जी महाराज ने कहा कि यह हमारा देश है और इसकी हर धरोहर की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है। हमें अपने समाज और धर्म के प्रति सदैव सजग रहना होगा, कड़ी मेहनत करनी होगी और देश को और अधिक शक्तिशाली व प्रगतिशील बनाने में योगदान देना होगा। यही अशोक सिंहल की विचारधारा थी। समारोह का शुभारंभ 100 वेदपाठी बटुकों द्वारा शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के दिव्य पदचिह्न' नामक 'कॉफी टेबल बुक' का विमोचन रहा, जो भारतीय समाज पर भगवान श्री राम के जीवन-मूल्यों, आदर्शों और उनके अमिट सांस्कृतिक प्रभाव को रेखांकित करती है। इस अवसर पर 'श्री राम स्तंभ' की एक प्रतिकृति (रेप्लिका) का अनावरण कर उसे प्रदर्शित भी किया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि अशोक सिंहल के भीतर विचारों की दृढ़ता और दूसरों के दुखों के प्रति अपार संवेदनशीलता का एक दुर्लभ संगम था। एक बार जब वे कोई निर्णय ले लेते थे, तो उस पर अडिग रहते थे। उनका ध्यान इस बात पर नहीं होता था कि काम कितना कठिन है, बल्कि इस बात पर होता था कि उसे सिद्ध कैसे किया जाए। संघ और विश्व हिंदू परिषद के कार्य से लेकर भारत की सांस्कृतिक विरासत, समाज सेवा और परंपराओं के संरक्षण तक उनका योगदान अभूतपूर्व रहा। वे केवल दृढ़ संकल्प वाले व्यक्ति नहीं थे, बल्कि उन संकल्पों को संगठित और सतत कार्य में बदलने की अद्भुत क्षमता रखते थे।

कार्यक्रम के दौरान अयोध्या जिले में राम वन-गमन पथ पर स्थापित किए जाने वाले 'श्री राम स्तंभों' का डिजिटल लोकार्पण भी किया गया। इसका उद्देश्य आम लोगो को भगवान श्री राम की यात्रा की स्मृतियों और उससे जुड़े सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्थलों से जोड़ना है।

राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं पर चलना चाहिए देशद्रोह का केस- सीएम रेखा गुप्ता

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग शानदार काम कर रहा है और निष्पक्ष तरीके से देश तथा जनता के हित में काम कर रहा है। राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं द्वारा की जा रही गतिविधियां देशद्रोह से कम नहीं हैं और ऐसे मामलों में देशद्रोह का केस चलना चाहिए।

नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मैं देख रही हूं कि विपक्ष देश में ऐसे हालात बनाने की कोशिश कर रहा है, जिनका कोई आधार नहीं है। इसके पीछे एकमात्र मकसद जनता को गुमराह करना और ऐसी परिस्थिति पैदा करना है, जिससे देश में हो रहे विकास कार्यों से लोगों का ध्यान भटक जाए। विपक्ष आज चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर सवाल उठा रहा है तथा उन पर बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं। जिस पारदर्शिता के साथ चुनाव आयोग आज काम कर रहा है, क्या उनके शासनकाल में ऐसी पारदर्शिता संभव थी।

रेखा गुप्ता ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और वह पारदर्शिता तथा निष्पक्षता के साथ काम कर रहा है। चुनाव आयुक्तों की ओर से भी स्पष्ट किया गया है कि आयोग के फैसले सर्वसम्मति से लिए जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फॉर्म-6 से जुड़े विषयों पर भी चुनाव आयोग स्थिति स्पष्ट कर चुका है। मतदाता सूची को अधिक सटीक और सुविधाजनक बनाने के लिए प्रक्रियाओं को सरल किया गया है और इसमें किसी तरह की अनियमितता नहीं है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान मृत, डुप्लीकेट और अन्य अपात्र नामों को हटाने की प्रक्रिया लंबे समय से चलती आ रही है। इसका उद्देश्य वास्तविक और पात्र मतदाताओं को बेहतर सुविधा देना है। चुनाव आयोग का उद्देश्य किसी का वोट हटाना नहीं बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष की ओर से लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाने से पहले तथ्यों को समझना जरूरी है। मतदाता सूची को अपडेट करने की प्रक्रिया को वोट चोरी कहना सही नहीं है।

दिल्ली पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को किया गिरफ्तार, चोरी की 5 बाइक-स्कूटी बरामद

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। पश्चिमी जिले की दिल्ली पुलिस को वाहन चोरी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। तिलक विहार पुलिस पोस्ट की टीम ने इलाके में गश्त के दौरान दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की पांच दोपहिया गाड़ियां बरामद हुई हैं, जिससे वाहन चोरी के पांच मामलों का खुलासा हुआ है।

वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी हरेश्वर वी. स्वामी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्रवाई 26 सितंबर को की गई। एसआई तरुण (इंचार्ज, पीपी तिलक विहार) के नेतृत्व में एक गश्ती टीम, जिसमें हेड कांस्टेबल महेश, धर्मबीर और शमशेर शामिल थे, थाना तिलक नगर इलाके में गश्त पर थी। यह पूरी कार्रवाई एसएचओ थाना तिलक नगर और एसीपी तिलक नगर के नेतृत्व और डीसीपी की देखरेख में हुई।

गश्त के दौरान टीम को गुप्त सूचना मिली कि वाहन चोरी में शामिल दो लोग चोरी की दोपहिया गाड़ी बेचने के लिए तिलक विहार के बी-ब्लॉक स्थित श्मशान घाट के पास आने वाले हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए टीम ने मौके पर जाल बिछाया। सुबह लगभग 04:15 बजे दो लोगों को एक दोपहिया गाड़ी पर आते देखा गया और उन्हें तुरंत पकड़ लिया गया।

स्मैक के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के सीमापुरी इलाके से 26 साल के एक व्यक्ति को 13.37 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया है। उस पर 10 से ज्यादा अलग-अलग आपराधिक मामलों में शामिल होने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि कलंदर कॉलोनी, दिलशाद गार्डन के रहने वाले वसीम (उर्फ वासीम) नाम के आरोपी को तब हिरासत में लिया गया, जब 25 सितंबर को कलंदर कॉलोनी इलाके में गश्त के दौरान पुलिस को उसके पास से एक बैग मिला जिसमें 13.37 ग्राम स्मैक थी। पुलिस के अनुसार, सब-इंस्पेक्टर विजय मीणा, हेड कॉन्स्टेबल प्रवेश और शैलेंद्र के साथ कलंदर कॉलोनी में पिपलेश्वर मंदिर के पास गश्त कर रहे थे, तभी उन्होंने एक व्यक्ति को संदिग्ध हरकत करते देखा। पुलिसकर्मियों को देखकर वसीम ने कथित तौर पर मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन थोड़ी देर पीछा करने के बाद पुलिस गश्ती दल ने उसे पकड़ लिया।

राहुल गांधी की बातों से समाज में जाता है गलत संदेशः किरेन रिजिजू

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर दिए गए बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'राहुल गांधी की बातों को समाज में बेवजह फैलाना सही नहीं है क्योंकि इससे समाज में गलत संदेश जाता है।'

बता दें कि राहुल गांधी ने 24 सितंबर को एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जिसमें उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाए थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि देश में सत्ता विरोधी लहर यानी एंटी-इनकम्बेंसी कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के खिलाफ तो काम करती है लेकिन भाजपा के खिलाफ गायब हो जाती है। राहुल गांधी ने दावा किया था कि 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है।

राहुल गांधी ने कहा था कि वह एक राजनीतिक परिवार से आते हैं और 50 वर्षों से भारतीय राजनीति को करीब से देख रहे हैं। उनके मुताबिक, भारत में एंटी-इनकम्बेंसी एक स्वाभाविक राजनीतिक ताकत है, जो हर सरकार के खिलाफ समय के साथ उभरती है। उन्होंने कहा था कि इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश युद्ध के बाद भारी लोकप्रियता हासिल की थी लेकिन कुछ ही समय में उनके खिलाफ भी सत्ता विरोधी माहौल बन गया। यही स्थिति कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के नेताओं के साथ भी होती है लेकिन भाजपा के मामले में ऐसा नहीं दिखता।

उन्होंने कहा था, 'मैं पूरी निश्चितता के साथ कह सकता हूं कि 2024 के लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनावों में धांधली हुई।

दिल्लीः मंत्री प्रवेश वर्मा ने परिवार को गाली देने वाले आप समर्थक को 'थप्पड़ मारने' पर जताया खेद

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के एक कार्यकर्ता को 'थप्पड़ मारने' पर खेद व्यक्त किया। आरोप है कि उस कार्यकर्ता ने उनके परिवार को गाली देकर उन्हें उकसाया था और विकासपुरी इलाके में सरकारी अधिकारियों और ठेकेदार के काम में बाधा डाली थी तथा निर्माणाधीन सड़क को नुकसान पहुंचाया था।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। मंत्री ने इस मामले पर स्पष्टीकरण देते हुए एक संदेश और एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने घटना के पीछे की पूरी सच्चाई बताई।

मंत्री प्रवेश वर्मा ने सोशल मीडिया पर कहा कि आज की घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सुनिए... लेकिन जो हुआ वो नहीं होना चाहिए था। संदेश के साथ संलग्न वीडियो में, प्रवेश वर्मा ने स्पष्ट किया कि आम आदमी पार्टी के विधायक कथित तौर पर विकासपुरी इलाके में आउटर रिंग रोड के एक हिस्से का निर्माण कर रहे ठेकेदार से रिश्वत मांग रहे थे।

उन्होंने कहा कि ठेकेदार ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मंत्री ने कहा कि तिलक नगर के विधायक जरनैल सिंह नवनिर्मित तारकोल सड़क को नुकसान पहुंचाकर और इसे घटिया गुणवत्ता का परिणाम बताकर दिल्ली सरकार और ठेकेदार की छवि खराब करने के लिए एक फर्जी सोशल मीडिया अभियान चला रहे थे।

रम्मीकल्चर ऐप मामले में ईडी कार्रवाई, 442.35 करोड़ की संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म रम्मीकल्चर और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 442.35 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है।

ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने 25 सितंबर 2026 को पीएमएलए की धारा 5(1) के तहत प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर (पीएओ) जारी किया। कुर्क की गई संपत्तियों में फिक्स्ड डिपॉजिट में जमा राशि, व्यावसायिक दुकानें, एक विला और कई आवासीय संपत्तियां शामिल हैं। ये संपत्तियां गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के शेयरधारकों के परिवार के सदस्यों, निजी फैमिली ट्रस्ट और उनसे जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के नाम पर हैं।

ईडी ने यह जांच तेलंगाना में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू की है। इन मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के तहत धोखाधड़ी के अपराध दर्ज किए गए हैं, जो पीएमएलए के तहत अनुसूचित अपराध हैं।

जांच के दौरान ईडी ने 7 से 14 मई 2026 और 20 से 21 जून 2026 के बीच गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज के कार्यालयों तथा उसके निदेशकों और प्रमुख कर्मचारियों के आवासों पर तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड जब्त किए गए, जिन्हें जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य माना गया।

ईडी की जांच में सामने आया कि गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज और रम्मीटाइम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड रम्मीकल्चर, रम्मीप्राइम, प्लेशिप और रम्मीटाइम जैसे ब्रांडों के जरिए ऑनलाइन रियल मनी रम्मी गेम और टूर्नामेंट संचालित कर रही थीं।

प्रीपेड मोबाइल रिचार्ज से जुड़े ट्राई के फैसले पर सांसद राघव चड्ढा ने जताई खुशी

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने उपभोक्ताओं को राहत के लिए मोबाइल रिचार्ज से जुड़े भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के फैसले पर केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला भारत में प्रीपेड मोबाइल यूजर्स के लिए अच्छी खबर है।

सांसद राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'सरकार ने हाल ही में 'टेलीकॉम कंज्यूमर प्रोटेक्शन (तेरहवां संशोधन) रेगुलेशंस, 2026' पेश किए हैं, जिससे ग्राहकों को कई सुविधाएं मिलेंगी।'

उन्होंने बताया कि 30 दिन के रिचार्ज प्लान से साल में 13 बार रिचार्ज कराने की जरूरत घटकर 12 बार रह जाएगी। इसके अलावा, सिर्फ वॉइस और एसएमएस वाले प्लान होंगे, उन लोगों के लिए, जिन्हें डेटा की जरूरत नहीं है। कम बजट वाले ग्राहकों के लिए अधिक सही विकल्प होंगे, जिन्हें मुख्य रूप से बेसिक वॉइस कॉल की जरूरत होती है। अपनी पोस्ट में राघव चड्ढा ने कहा, आप में से कई लोगों ने सीमित और इंफ्लेक्सिबल रिचार्ज विकल्पों के बारे में अपनी चिंताएं मेरे साथ साझा की थीं। मैंने 11 मार्च को संसद में यह मुद्दा उठाया था और ग्राहकों के लिए अधिक विकल्प और सस्ते प्लान की मांग की थी। ग्राहकों की बेहतर पसंद और सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन चिंताओं का समाधान करने के लिए मैं भारत सरकार और ट्राई का आभारी हूं।

सांसद ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने ट्राई की ओर से टेलीकॉम कंज्यूमर प्रोटेक्शन (तेरहवां संशोधन) रेगुलेशंस, 2026 जारी होने के बाद अपनी खुशी जताई और कहा कि सरकार ने सभी मांगों को मान लिया है।

बता दें कि राघव चड्ढा ने 11 मार्च 2026 को मैंने संसद में प्रीपेड मोबाइल यूजर्स की समस्याओं को उठाया था। उन्होंने कहा था कि साल में 12 महीने होते हैं।

पुलिस ने 22 मामलों में वांछित अपराधी को 1.38 किलो गांजे के साथ किया गिरफ्तार

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। राजधानी में नशे के कारोबार पर लगाम कसने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन कवच के तहत सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पटेल नगर थाना पुलिस ने एक खतरनाक अपराधी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 1.380 किलो गांजा बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ पहले से ही चोरी, डकैती और आर्म्स एक्ट समेत 22 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह के निर्देश पर ऑपरेशन कवच के तहत ड्रग्स बेचने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 25 सितंबर 2026 को पटेल नगर पुलिस की एक विशेष टीम गश्त पर थी।

पुलिस टीम जब शादीपुर फ्लाईओवर, बलजीत नगर के पास पहुंची, तो उन्हें एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसके पास से 1.380 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान राहुल राय उर्फ आर्यन उर्फ रोहित (उम्र करीब 30 साल) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से गांव चंदपुरा, पोस्ट पतेपुर, थाना बाली गांव, जिला वैशाली, बिहार का रहने वाला है।

मौके पर ही एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 के तहत थाना पटेल नगर में एफआईआर दर्ज कर नशीला पदार्थ जब्त कर लिया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415